धनबाद, मंगलवार 25.06.2024
मूल्य- ₹ 3
वर्ष-30 अंक-124 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-4
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

मजबूत इच्छाशक्ति जागृत कर अपने दायित्वों का निर्वहन करें अधिकारी : मुख्यमंत्री

वनपट्टा आवेदनों को जानबूझकर रद्द न करें 0 अबुआ वीर अबुआ दिशोम एक महत्वपूर्ण अभियान

रांची (ससे): मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन श्रीकृष्ण लोक प्रशासन संस्थान के सभागार में आयोजित अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान (समुदायों को सशक्त बनाना - अधिकार सुनिश्चित करना एफआरए-२००६ की व्याख्या - न्याय, संरक्षण और चुनौतियां) विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड के वन क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी-मूलवासी सहित सभी वर्ग समुदाय के लोगों को वन अधिकार अधिनियम के तहत उन्हें उनका हक-अधिकार प्रदान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अबुआ वीर, अबुआ दिशोम अभियान के प्रत्येक बिंदुओं पर आज के इस कार्यशाला में विस्तृत चर्चा हुई है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह कार्यशाला झारखंड के लिए ऐतिहासिक और मिल का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वन अधिकार अधिनियम को सरल और पारदर्शी बनाकर झारखंड के वन क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी-मूलवासी सहित सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को ग्राम सभा के निर्णय अनुसार सम्मान के साथ वनपट्टा प्रदान करें। ग्राम सभा के अनुशंसा के अनुरूप वनपट्टा हेतु मिले आवेदन में भूमि की मांग हेक्टेयर में हो या एकड़ में हम उतनी भूमि उन्हें प्राथमिकता के तौर पर उपलब्ध कराएंगे, इस लक्ष्य के साथ कार्य करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस कार्यशाला के बाद अबुआ वीर अबुआ दिशोम अभियान में तेजी आएगी। वनपट्टा वितरण में जो कमी रही है उसे इस अभियान के तहत पूरा करना ही मुख्य उद्देश्य है। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूरा भरोसा है कि लक्ष्य के अनुरूप अब वनपट्टा वितरण ▶▶ 4

18वीं लोकसभा के पहले सत्र के पहले दिन जमकर हंगामा

पेपर लीक को लेकर विपक्ष हमलावर, संसद सत्र के पहले दिन पीएम मोदी पर राहुल-खरगे का हमला, कहा- संविधान पर आक्रमण मंजूर नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस): लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन पर कांग्रेस पर निशाना साधा। वहीं कांग्रेस की तरफ से पीएम मोदी पर पलटवार किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि, संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है।

लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की। जबकि कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम के पास बोलने के लिए कुछ भी नया नहीं था और हमेशा की तरह उन्होंने अपने संबोधन मुद्दों को भटकाने का प्रयास किया है।

रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है और वो हम नहीं होने देंगे इसलिए हमने शपथ लेते समय संविधान पकड़ा था...हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती...। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, संविधान को बचाने के लिए हमने जो कोशिश की थी उसमें जनता हमारे साथ है। लेकिन मोदी जी ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की। इसलिए आज हम यहां एकत्रित होकर उसका विरोध कर रहे हैं। यहां पर गांधी जी की प्रतिमा थी और हम यहीं पर विरोध कर रहे हैं... हर लोकतांत्रिक नियमों को तोड़ा जा रहा है इसलिए हम बता रहे हैं कि मोदी जी आज संविधान के तहत चलिए...।

संसद सत्र की शुरुआत से पहले पीएम का संबोधन

१८वीं लोकसभा की शुरुआत से पहले अपने पारंपरिक भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत को एक जिम्मेदार विपक्ष की जरूरत है। ▶▶ 4

प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति पर विपक्ष का प्रदर्शन

सोनिया समेत विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लहराई, खड़गे बोले पीएम मोदी संविधान तोड़ रहे

नई दिल्ली (ईएमएस): १८वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हुआ। विपक्षी सांसदों ने भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने पर विरोध-प्रदर्शन किया। सांसदों ने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने संविधान की कॉपी लहराई और संविधान बचाओ के नारे लगाए।

विपक्षी सांसदों ने कहा कि सरकार ने नियमों के खिलाफ जाकर प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। नियम के मुताबिक, कांग्रेस के के.सुरेश को प्रोटेम स्पीकर बनाया जाना था, क्योंकि वे ८ बार के सांसद हैं। महताब तो ७ बार के ही सांसद हैं। प्रदर्शन में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी भी शामिल हुए। राहुल गांधी ने प्रोटेस्ट के बाद कहा- प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह, जो आक्रमण संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। हम ये आक्रमण नहीं होने देंगे। हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती।

खड़गे ने कहा कि पीएम ने संविधान को तोड़ने की कोशिश की है। संविधान को बचाने के लिए जनता हमारा साथ दे रही है। देश में फिलहाल हर लोकतांत्रिक नियम को तोड़ा जा रहा है। ▶▶ 4

25 जून को लोकतंत्र पर काला धब्बा लगा था, अब कोई ऐसा नहीं कर सकेगा : पीएम

नई दिल्ली (ईएमएस): १८वीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने संसद भवन परिसर में कहा कि संसदीय लोकतंत्र में आज का दिन गौरव मय है, यह वैभव का दिन है। आजादी के बाद पहली बार हमारे अपने नए संसद में यह शपथ हो रहा है, अब तक ये प्रक्रिया पुराने संसद में होती थी। आज के इस महत्वपूर्ण दिन पर मैं सभी नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत करता हूं सबका अभिनंदन करता हूं और सबको शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल २५ जून है। २५ जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के ५० वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबा दिया गया था। उन्होंने कहा कि अपने संविधान, भारत के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं की ▶▶ 4

जेपी नड्डा को राज्यसभा में मिली बड़ी जिम्मेदारी, सदन का नेता बनाया

नई दिल्ली (ईएमएस): भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को सोमवार को राज्यसभा में सदन का नेता चुना गया। इस महीने की शुरुआत में नड्डा ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कार्यभार संभाला था। उन्हें रसायन और उर्वरक मंत्रालय का भी प्रभार दिया गया था। नड्डा सदन के नेता के तौर पर पीयूष गोयल की जगह लेंगे। केंद्रीय मंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि जेपी नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा ▶▶ 4

पटनायक ने 9 राज्यसभा सांसदों मजबूत विपक्ष की तरह काम करने को कहा

भुवनेश्वर/पुरी (ईएमएस): ओडिशा के पूर्व सीएम और बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोमवार को अपनी पार्टी के ९ राज्यसभा सांसदों के साथ बैठक की। पटनायक ने इस दौरान ने अपनी पार्टी के सांसदों को एकजुट होकर मजबूत विपक्ष की तरह काम करने को कहा। जब उनसे पूछा गया कि क्या बीजद, बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार को मुद्दा आधारित ▶▶ 4

जमाखोरी रोकने, कीमतों में स्थिरता के लिए सरकार ने दिखाई सख्ती

गेहूं के भंडारण की अधिकतम सीमा तय की ✪ थोक विक्रेताओं के लिए स्टॉक सीमा 3,000 टन होगी

नई दिल्ली (ईएमएस): सरकार ने खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं, प्रोसेसर और बड़ी शृंखलाओं के खुदरा विक्रेताओं के लिए गेहूं भंडारण की सीमा लगा दी है। कीमतों में स्थिरता और जमाखोरी रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एकल खुदरा विक्रेता, बड़ी शृंखला के खुदरा विक्रेता, प्रोसेसर और थोक विक्रेता हर शुक्रवार को अपने पास भंडारित गेहूं के स्टॉक का खुलासा करेंगे। चोपड़ा ने आगे बताया कि थोक विक्रेताओं के लिए स्टॉक सीमा ३,००० टन होगी, जबकि यह प्रोसेसर के लिए यह प्रसंस्करण क्षमता का ७० प्रतिशत होगी। उन्होंने बताया कि बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेताओं के लिए यह सीमा १० टन प्रति बिक्री केन्द्र की होगी, जिसकी कुल सीमा ३,००० टन होगी तथा एकल खुदरा बिक्रेताओं के लिए यह सीमा १० टन की होगी। चोपड़ा ने कहा कि मैं देश में गेहूं की कमी को दूर करना चाहता ▶▶ 4

सोना खनन करने वाला चौथा राज्य होगा राजस्थान

बांसवाड़ा में खनन के लिए हुई खदान की नीलामी

बांसवाड़ा (ईएमएस): राजस्थान की धरती सोना उगलेगी। राजस्थान सरकार ने बांसवाड़ा में स्वर्ण (सोने) और अयस्क खनन के लिए भुखिया-जगपुरा खनन ब्लॉक की नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसका लाइसेंस रतलाम की सैयद ओवैस अली फर्म को मिला है। इसके साथ ही देश में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और झारखंड के बाद राजस्थान चौथा राज्य होगा, जहां सोने का खनन होगा।

खनिज अभियंता गौरव मीणा ने बताया कि बांसवाड़ा के घाटोल उपखंड में खदान के लिए दो ब्लॉक भूकिया-जगपुरा आवंटित किए गए थे। गत दिनों दोनों ब्लॉक के लिए तकनीकी बिड ▶▶ 4

नीट मामले में टेरर फंडिंग का शक, महाराष्ट्र में एक हिरासत में

नीट मामले की जांच ईडी को सौंपने पर फिलहाल सुप्रीम कोर्ट का आदेश नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस): नीट-यूजी पेपर लीक मामले में टेरर फंडिंग का शक है। महाराष्ट्र में नांदेड़ की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने इस मामले में ४ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें से एक को रविवार रात लातूर से हिरासत में लिया गया है। इससे पहले एटीएस ने रविवार को लातूर में दो टीचर संजय तुकाराम जाधव और जलील उमरखां पठान को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ की थी। इसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इनमें से जलील को देर रात फिर से हिरासत में ले लिया गया।

इससे पहले सोमवार को नीट यूजी मामले की जांच ईडी को सौंपने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई आदेश नहीं दिया। जस्टिस एएस ओका और जस्टिस राजेश बिंदल की वेकेशन बेंच ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई ८ जुलाई को होने दें। अभी कोई जल्दबाजी नहीं है। यह सुनवाई १० जून को सुप्रीम कोर्ट में दायर शिवानी मिश्रा समेत १० शिकायतकर्ताओं की याचिका पर ही थी। एडवोकेट मैथ्यूज नेदुम्परा ने एग्जाम में गड़बड़ियों की जांच ईडी को सौंपने और दोषियों पर मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने की अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका सोमवार को दायर की गई जिसे आर्टिकल ३२ के तहत रिट पिटीशन के तौर पर दखिल किया गया। दरअसल, संवैधानिक अधिकारों के हनन के मामले में शिकायत आर्टिकल ३२ के तहत रिट पिटीशन के तौर पर दाखिल की जाती है। जस्टिस मनोज मिश्रा और एसवीएन भट्टी की बेंच ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि ये आर्टिकल ३२ के तहत रिट पिटीशन कैसे है? याचिका में नीट-यूजी ▶▶ 4

झरिया बकरीहट्टा में बड़े पैमाने पर चल रहा है जुआ अड्डा, होता है करोड़ों का गेम

एसएसपी के आदेश पर हुए छापामारी से हुआ था बंद, फिर कैसे शुरू हुआ जुआ अड्डा

धनबाद (कासं) : झरिया थाना क्षेत्र के बकरीहाट स्थित सामुदायिक भवन में फिर से जुआरियों का अड्डा का संचालन धड़ल्ले से हो रहा है।

पूर्व में १० अप्रैल २०२४ को एसएसपी एच.पी.जनार्दनन के निर्देश पर एसओजी की टीम ने छापामारी की थी और कई जुआरियों को भारी रकम के साथ गिरफ्तार किया था और दर्जनभर जुआरी पुलिस के हाथ लगे थे और जुआरियों के दस बाईक भी जब्त किए गये थे।

पुनः जुआरियों का सरगना ने जुआ अड्डा उसी स्थान पर धड़ल्ले से चला रहा है जहां लाखों रुपये का नाल निकाला जाता है। बताया जाता है कि यहां दिन-रात जुआ चलता है और दूर-दूर से खिलाड़ी जुआ खेलने के लिए आते हैं। कई लाखपति जीत कर बनते हैं तो कई लाखों गंवा कर दारू पीकर गम भुलाते हैं। बताया जाता है कि कई चर्चित वांटेड अपराधियों का भी आना-जाना बकरीहाट झरिया के सामुदायिक भवन के इस जुआ अड्डा में होता है।

बताया जाता है कि एक इलेक्ट्रोनिक मीडिया का दलाल पुलिस और मीडिया का जिम्मा ले रखा है। स्थानीय लोग जब भी झरिया पुलिस को फोन करते हैं तो पुलिस टाल-मटोल कर फोन काट देती है। स्थानीय लोगों ने इस जुआ अड्डा को बंद कराने की मांग फिर एसएसपी एच.पी.जनार्दनन से किया है क्योंकि जनता को मालूम है कि एसएसपी एच.पी.जनार्दनन ने पहले भी छापामारी कर इस बड़े अवैध जुआ अड्डा को बंद कराया था और फिर शुरू हुआ है वही विशेष टीम से छापामारी करवा कर बंद करा सकते हैं।

पोक्सो एक्ट की जांच रिपोर्ट शीघ्र समर्पित करें : एसएसपी

धनबाद (कासं) : धनबाद समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय में वरीय पुलिस अधीक्षक ह्रदीप पी जनार्दनन के नेतृत्व में समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमे सभी पदाधिकारी समेत थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी मौजूद थे।

धनबाद समाहरणालय स्थित मुख्यालय सभागार में आयोजित बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गयी। बैठक के दौरान एसएसपी द्वारा पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि विभिन्न थानों में दर्ज़ लंबित मुक़दमों की जांच में तेजी लाई जाए और तय समय में चार्जशीट समर्पित की जाए। इसके अतिरिक्त एसएसपी द्वारा पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज़ मामले को गंभीरता पूर्वक निर्धारित अवधि में जांच पूरी कर रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया। एसएसपी ने सभी पदाधिकारियों को नशे के सौदागरों पर लगाम कसने को कहा। उन्होंने एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों का अक्षरशः पालन करने का निर्देश भी दिया। एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्कूल कॉलेज से सौ मीटर की दूरी पर किसी भी दुकान व पान गुमटी में बेचे जा रहे तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाया जाना चाहिए।

बैठक में खनिज सम्पदा की तस्करी को रोकने को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला में किसी भी तरह के खनिज सम्पदा के अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के खिलाफ विशेष मुहिम के तहत कड़ी कार्रवाई का निर्देश जारी किया। जिले में बढ़ते सड़क हादसों पर एसएसपी ने चिंता व्यक्त करते हुए इसके रोकथाम हेतु उचित कार्रवाई के साथ साथ निरंतर विशेष जांच अभियान चलाने को कहा। इसके अतिरिक्त सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने को कहा गया ताकि चोरी व लूट जैसे वारदतों को पूरी तरह रोका जा सके। एसएसपी द्वारा सभी थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी को पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के तहत जिला के विभिन्न स्कूल, कॉलेज समेत सामाजिक स्तर पर निरंतर जन जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश भी दिया गया ताकि लोगों को साइबर सुरक्षा, सड़क एवं यातायात सुरक्षा, नशा के रोकथाम व घरेलु हिंसा सम्बंधित विषयों पर जागरूक किया जा सके।

समीक्षा बैठक में एसएसपी ह्रदीप पी जनार्दनन, एसपी सिटी अजीत कुमार, डीएसपी विधि-व्यवस्था दीपक कुमार, डीएसपी मुख्यालय २ संदीप गुप्ता, डीएसपी मुख्यालय १ शंकर कामती, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी निरसा रजत माणिक बाखला, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिंदरी भूपेंद्र राउत, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बाघमारा आनंद ज्योति मिंज समेत तमाम पुलिस निरीक्षक, जिले के सभी थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी मौजूद थे।

स्टेशन पर महिला गैंग सक्रिय

धनबाद (कासं) : अगर आप ट्रेन में यात्रा कर रहे हो या प्लेटफार्म पर ट्रेन का इंतजार कर रहे हो और आपके पास कोई महिला गोद में दोतीन महीने का बच्चा लेकर पहुंचे तो उसपर तुरंत भरोसा नहीं कीजिये।

अन्यथा आपके साथ धोखा हो सकता है। यूं तो ट्रेन में पॉकिटमारी करने, पर्स उड़ाने के लगातार मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन शनिवार को धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर ७ पर एक ऐसा मामला सामने आया, जो सबको चौंका सकता है। धनबाद स्टेशन पर महिला गैंग सक्रिय है। गैंग की सदस्य रहती है चंद्रपुरा में, लेकिन अपराध के लिए धनबाद रेलवे स्टेशन को चुना है। शनिवार को आरपीएफ की टीम ने धनबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बैग और मोबाइल चुराने वाले वाले गैंग की चार महिला सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह सफलता आरपीएफ टीम को मिली है। गिरफ्तार लोगों में एक महिला, दो किशोरी और एक नाबालिक शामिल है।

प्लेटफार्म नंबर ७ पर सुबह ११ बजे एलेप्पी एक्सप्रेस की कोच नंबर एस ५ में चारों को संदिग्ध रूप से घूमते पाया गया। आरपीएफ जवानों को देखकर चारों भागने लगे। उन्हें दौड़ाकर पकड़ा गया। पकड़ी गई चंद्रपुरा स्टेशन के पास रहने वाली भारतीय टुडू की गोद में चार माह की बच्ची थी। उसके साथ १५ और १४ साल की दो किशोरियां और एक ११ साल का बच्चा भी था। उनकी तलाशी लेने पर कुल ७१ हजार ४०० रुपये, कई आई कार्ड, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड सहित चार लेडिस पर्स मिले। कड़ाई से पूछने पर चारों टूट गए और बताया कि वे लोग ट्रेन में यात्रियों के बैग उड़ाते है। पर्स चोरी करते है। उस समय उनके पास में था ७१ हजार ४०० रुपये, फिर भी पर्स उड़ाने के फेर में यह गैंग लगा हुआ था। इनकी गिरफ्तारी के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

बसेरिया दुर्गा मंदिर के समीप बना गोफ

केन्दुआ (ससे) : गोन्दुडीह ओपी क्षेत्र के बसेरिया नं. ४ दुर्गा मंदिर के समीप सोमवार के शाम हरि रवानी के चारदिवारी के भीतर तेज आवाज के साथ लगभग ३० फीट चौड़ा गोफ बन गया, जिसमें से लगातार गैस रिसाव हो रहा है। आसपास घनी आबादी है। घटना के बाद से अफरातफरी मच गया है। स्थानीय लोगों में बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। घटना के बाद से गोन्दुडीह कोलियरी का कोई भी अधिकारी घटना स्थल पर नहीं पहुँचे है, और न ही राहत बचाव कार्य शुरू हुआ है। समाजसेवी टुनटुन यादव ने गोन्दुडीह प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रबंधन कुंभकर्णी नींद से सोयी हुई है। इससे पहले भी घटना घट चुकी है। प्रबंधन को जानमाल की सुरक्षा से कोई सरोकार नहीं है। प्रबंधन अगर समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाती है, तो बड़ी घटना घट सकती है। जिसकी सारी जबाबदेही बीसीसीएल प्रबंधन की होगी। वही कांग्रेसी युवा नेता सुनील कुमार यादव ने कहा कि गोन्दुडीह प्रबंधन हम ग्रामीणों के साथ अत्याचार कर रही है। घटना के बाद बड़ेबड़े आश्वासन दिया जाता है। उसके बाद चुप्पी साध लेते हैं। वर्षों से ग्रामीण यहाँ रह रहे हैं। बीसीसीएल प्रबंधक की लापरवाही के कारण पूरा क्षेत्र अग्नि प्रभावित हो गया है। चारों ओर जहरीला गैस का रिसाव हो रहा है। ग्रामीण मौत के साये में जीने को विवश है। बीसीसीएल प्रबंधक केवल खानापूर्ति करते हुए एरिया सेफ्टी विभाग से दो अधिकारी को भेजा है। हम प्रबंधन से जल्द से जल्द विस्थापन की मांग करते हैं। नहीं तो हम सभी ग्रामीण अपनी जानमाल की सुरक्षा को लेकर उग्र आंदोलन करेंगे। विरोध प्रदर्शन करने वालों में प्रेम साव, राकेश वर्मा, अवधान यादव, शंकर यादव, शिव चौहान, छोटु कुमार, कृष कुमार, भोला यादव, बबलु कुमार आदि शामिल थे।

जयराम महतो ने किया एसएनएमएमसीएच का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : जयराम महतो ने आज एसएनएमएमसीएच का अस्पताल का निरीक्षण किया। वे स्वास्थ्य व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे.निरीक्षण में उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में कई खामिया पायी। एसएनएमएमसीएच में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर उन्होंने प्रभारी अध्यक्ष व प्रिंसिपल डॉक्टर प्रोफेसर जे रंजन प्रसाद से की वार्ता की। मीडिया को सम्बोधित करते हुए जयराम महतो ने कहा कि निरीक्षण के दौरान कई अनियमिताएं पायी गई है। ऐसा लग रहा है जैसे शिक्षा माफिया के तरह ही इस राज्य में हेल्थ माफिया भी कही न कही चुपचाप काम कर रहा है जो कि आम जनमानस के उम्मीदों को तोड़ने का काम हो रहा है और राज्य सरकार को इसपर संज्ञान लेकर त्वरित कदम उठाया जाना चाहिए।

पानीबिजली को लेकर राज सिन्हा ने की कुसुण्डा जीएम से वार्ता

केंदुआ (ससे) : धनबाद विधायक राज सिन्हा ने सोमवार को गोधर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पानी-बिजली की समस्या को लेकर कुसुंडा एरिया ६ के महाप्रबंधक प्रणव कुमार दास के साथ वार्ता की। भीषण गर्मी में कुसुंडा गोधर धनसार क्षेत्र की जनता पानी बिजली की घोर समस्या से त्राहिमाम थी। जनता को पर्याप्त मात्रा में ना तो पानी मिल रहा था और ना ही बिजली मिल रहा था। ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक महाप्रबंधक से मिलने पहुँचें। वहीं धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि धनबाद जिला में बिजलीपानी की घोर समस्या उत्पन्न है। कुसुंडा एरिया ६ के महाप्रबंधक से पानीबिजली सहित क्षेत्र के कई गंभीर मुद्दों पर सकारात्मक वार्ता हुई है। जल्द ही ग्रामीणों को बिजलीपानी मिलने लगेगा। जहां पानी की घोर समस्या है, वहां तत्काल टैंकर के द्वारा पानी पहुंचाया जाएगा। विधायक श्री सिन्हा के कुसुंडा महाप्रबंधक से सफल वार्ता के बाद ग्रामीणों में खुशी देखी गई। वार्ता में रविंद्र सिन्हा, मनोज मालाकार, राजेश गुप्ता, गुड्डू सिंह, बाल्मुकुन राम, आनंद खंडेलवाल, रंजीत सिंह, सुदामा चौहान बिरेंद्र पासवान रामा पासवान, मनीष पाण्डेय, अभिमन्यु कुमार, सत्येंद्र सिंह, रामु दास, पाबो देवी, राधा देवी, भोला साव, रमेश वर्मा हरकुल्स चौहान, राहुल चौहान, दिवाकर चौहान, सुभम चौहान आदि उपस्थित थे।

मैरिज हॉल के मालिक के खिलाफ एसोसिएशन ने खोला मोर्चा

धनबाद (कासं) : कतरास स्थित रिवाज मैरिज हॉल के मालिक की रवैया से नाराज धनबाद जिला डेकोरेटर एसोसिएशन ने उनके यहां किसी भी कीमत पर काम नहीं करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय एसोसिएशन ने एसोसिएशन के पदाधिकारी और सदस्य के ऊपर झूठे मुकदमे के खिलाफ लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने इस आशय की जानकारी दी है। उन्होंने कहा की रिवाज मैरिज के मालिक की रवैया बेहद आपत्तिजनक है। ऐसे में उनके रवैये से परेशान होकर उन्हें यह निर्णय लेना पड़ा है।

रिवाज मैरिज हॉल के मालिक की रवैया बेहद आपत्तिजनक है। जो भी सदस्य काम करने जाते हैं उनके मालिक और मैनेजर द्वारा काम करने वाले सदस्य से मोटी रकम कमीशन के रूप में मांगी जाती है। उनके हॉल का पैसा पार्टी के पास बाकी रहती है तो सदस्य का सामान जबरदस्ती रोक ली जाती है और अभद्र तरीके से बात कर मारपीट तक तैयार हो जाते है। गत २२ जून को एक सदस्य अजय पांडेय के द्वारा ऐसा ही व्यवहार किया गया। अजय पांडेय ने इसकी शिकायत एसोसिएशन से की है। तब इसे नाराज होकर रिवाज मैरिज हॉल के मालिक द्वारा केंद्रीय अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, कतरास शाखा अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कतरास शाखा के सचिव संदीप साहू और अजय पांडेय के ऊपर झूठा मुकदमा दायर कर दिया। सोमवार को न्यायालय से सभी को बेल दिलाई गई है।

एसोसिएशन के महासचिव विश्वनाथ सिंह ने बताया कि एसोसिएशन के सैकड़ों संख्या में सदस्यों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक मनजीत सिंह ने बताया कि हमारा मुख्य कार्य सभी को सम्मान दिलाना है, चाहे वह शादी, श्राद्ध, जन्मदिन हो या सरकारी कार्य किसी पार्टी विशेष की ओर से हर वक्त सदस्य सम्मान दिलाने के लिए दिनसत एक कर देते हैं।

कोयलांचल विश्व विद्यालय ने जारी की दूसरी सूची

जोड़ापोखर (ससे) : जामाडोबा डिग्री कॉलेज के ग्रेजुएशन सत्र में नामांकन हेतु बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्व विद्यालय ने दूसरी लिस्ट जारी कर दिया है। लिस्ट में कुल ९४ बच्चों का नाम शामिल है। जिनका नामांकन महाविद्यालय में की जाएगी। जिसमे वाणिज्य में ११, इतिहास २३, अंग्रेजी १४, हिंदी २१, राजनीतिक शास्त्र में २५ बच्चों का नामांकन होना है। जिसकी कागजात की जाँच २४ से २९ जून तक कि जाएगी। जिन बच्चों का कागजात सही पाया जाएगा उन्ही का नामांकन लिया जाएगा। उक्त बातों की जानकारी प्राचार्य आर पी सिंह ने दी।

रेजलीबांध गहरीकरण करने का दिया निर्देश

गोविंदपुर (ससे) : सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी ने सोमवार को लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता को गोविंदपुर के रेजलीबांध गहरीकरण कार्य का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। जनता की शिकायत पर उन्होंने कहा कि तालाब के गहरीकरण में अनियमितता बरती गई है । ४: ५० फीट की जगह कम गहरीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी की इस योजना में गड़बड़ी की जा रही है। इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने गोविंदपुर बाजार क्षेत्र की साफसफाई ठप रहने पर झमाडा के प्रबंध निदेशक सह नगर आयुक्त से भी बात की और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने गोविंदपुर में पर्याप्त सफाई मजदूर की व्यवस्था की अपील की। इसके पूर्व गोविंदपुर नागरिक समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें विभिन्न योजनाओं में गड़बड़ी की शिकायत की तथा सफाई व्यवस्था शुरू करने की भी अपील की। समिति ने उनसे गोविंदपुर बाजार की नियमित साफसफाई के लिए विधायक मद से कंपैक्टर मशीन एवं ट्रैक्टर की मांग की। उन्होंने व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि कुमार महतो, नागरिक समिति उपाध्यक्ष आनंद जायसवाल, ओमप्रकाश बजाज, मथन चंद्र दसौंधी, मोइन अंसारी, विपिन रजक राजा दास आदि शामिल थे।

ग्रामीणों ने रोका कोयला उत्खनन

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना के मोदी भीठा गांव में बीसीसीएल द्वारा जबरन उत्खनन करने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीण महिलापुरुष ढेर सारी संख्या में जाकर बीसीसीएल के कार्य स्थल पर विरोध किया। ओबी डंप में पहुंचकर मैनेजमेंट का विरोध किया। जब तक ग्रामीणों का हक अधिकार नहीं मिलता है तब तक किसी प्रकार का कोई काम नहीं किया जाएगा और आगे रणनीति बनाकर आंदोलन की तैयारी की जाएगी। ग्रामीणों को समर्थन देने के लिए पहुंचे झरिया जेबीकेएसएस/जेएलकेएम टीम पहुंची सक्रिय सदस्य के रूप में राम प्रसाद सिंह, मसूद आलम, कार्तिक महतो, रोहित कुमार, जीतन महतो, दिनेश सिंह, राजू सिंह, अमित सिंह, सरस चक्रवर्ती, गोराचंद महतो, दीपक महतो आदि उपस्थित थे।

मांगों को लेकर ग्रामीण एकता मंच का धरना

लोयाबाद (ससे) : बीसीसीएल सिजुआ एरिया संख्या ५ कार्यालय के समक्ष सोमवार को बांसजोड़ा १२ नम्बर के ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर बांसजोड़ा ग्रामीण एकता मंच के बैनर तले सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया। ग्रामीणों ने बीसीसीएल प्रबंधन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी ग्रामीणों के द्वारा सिजुआ क्षेत्र के महाप्रबंधक को पत्र के माध्यम से इस धरना की जानकारी दी गाई थी। जिसके बाद भी महाप्रबंधक के द्वारा हमारी मांगों पर कोई पहल नहीं किया गया। जिसको लेकर बाध्य होकर हम सब ग्रामीण अपनी मांगें, जिसमें अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित, पीने का पानी, प्रदूषण सहित अन्य मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। महाप्रबंधक के द्वारा ग्रामीणों को वार्ता के लिए सिजुआ क्षेत्रीय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में बुलाया गया। इसके बाद ग्रामीणों से वार्ता कर बीसीसीएल सिजुआ क्षेत्र संख्या ५ के महाप्रबंधक ने एक माह का समय मांगा। वार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। ग्रामीणों ने एक माह का समय पर सहमति देते हुए धरना को समाप्त किया गया। मौके पर विनोद पासवान, बबन कुमार, पप्पू पासवान, मुकेश पासवान, रामचंद्र, गुक्कू पासवान, जितेंद्र कुमार सिंह, अंबिका देवी, राजू विश्वकर्मा, जितेंद्र, नागेंद्र कुमार, द्रोपती कुमारी, मनोज कुमार, पूनम देवी, गायत्री देवी, मुनिया देवी, गौरी देवी, संतोषी देवी, देवकी देवी आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

बीसीसीएल BCCL **भारत कोकिंग कोल लिमिटेड**
(एक मिनीरत्न कम्पनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी)

परियोजना पदाधिकारी, ए.एम.पी. कोलियरी ..... प्रथम पक्ष
बनाम्
श्री सौरभ कुमार एवं अन्य 04 (चार) व्यक्तियों ..... द्वितीय पक्ष

क्रम सं.	मुकदमा सं.	द्वितीय पक्ष का नाम	थाना	आवास (बीसीसीएल आवास सं)	रकवा (वर्ग फीट)	जहां अवस्थित हैं
1	21/2024	श्री सौरभ कुमार	मधुबन	Qtr.No. 145	Approx 02 Dismil	मधुबन
2	22/2024	श्री धर्मा गोप	मधुबन	Qtr.No. 432	Approx 02 Dismil	मधुबन
3	23/2024	श्री रितिक बेलदार	मधुबन	Qtr.No. 74	Approx 02 Dismil	मधुबन
4	24/2024	श्री संजय वर्मा	मधुबन	Qtr.No. 172	Approx 02 Dismil	मधुबन
5	25/2024	श्रीमती धन मटिया देवी	बरोरा	Qtr.No. NHS-269	Approx 02 Dismil	मुराइडीह

भा0 को0 को0 लि0 के परियोजना पदाधिकारी, कोलियरी, बरोरा क्षेत्र ने लोक परिसर (अनधिकृत दखलकारों की बेदखली) अधिनियम, 1971 की धारा 4(1) के अंतर्गत इनके विरूद्ध भू-सम्पदा न्यायालय, बरोरा क्षेत्र में मुकदमा दायर किया है। मुकदमा में कारणपृच्छा दाखिल करने हेतु इनको नोटिस भेजी गई थी, फिर भी आप न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहे हैं।

निवेदन है कि स्थानीय समाचार पत्र के माध्यम से इनको सूचित किया जाए कि ये स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा दिनांक: **01/07/2024** को हाजिर होकर कारण पृच्छा दाखिल करें अन्यथा एकतरफा कार्रवाई सुनिश्चित कर समुचित आदेश पारित कर दिया जाएगा।

ह0/- न्यायालय भू-सम्पदा पदाधिकारी, बरोरा क्षेत्र।

यह सूचना बीसीसीएल की वैबसाइट www.bcclweb.in पर भी उपलब्ध है।

लाशों को ठिकाने लगाने के लिए है पुरानी खदानें

धनबाद (कासं) : धनबाद कोयलांचल की बंद कोलियरियों के गैर उपयोगी चानक मौत का कुआं बन गए है। बंद चानक में कूद कर जान देने अथवा मर्डर के बाद लाश को फेंक देने के मामले सामने आते रहे है। पुराने इतिहास को खंगाला जाए तो बंद चानक में कूद कर कई लोगों ने आत्महत्या की है। कई हत्याएं भी कर लाश फेंकी गई होगी। कुछ का पता चला तो बहुतो का कुछ भी पता नहीं चला। कुछ ही ऐसे मामले आए, जिनकी खोजबीन हुई। आप सोच रहे होंगे कि चानक आखिर होता क्या है। बहुत पहले कोलियरियों में पोखरिया उत्खनन का कॉन्सेप्ट नहीं था। भूमिगत खदानों से कोयले का उत्पादन होता था। इसी चानक के जरिए डोली से मजदूर खदान के भीतर जाते थे।

मजदूरों को जिस सिम से कोयला निकालना होता था, इसी चानक के जरिए उस सिम तक पहुंचते थे। फिलहाल भारत को किंग कोल् लिमिटेड की अधिकांश अंडरग्राउंड खदानें बंद कर दी गई है। लेकिन चानक का मुंह अभी भी खुला हुआ है।

हालांकि बहुत सारे चानक के मुंह को सीमेंटेड कर दिए गए है। बावजूद कई के मुंह खुले हुए है। यह चानक मौत का कुआं बन गए है। अगर गलती से कोई पशु उसमें गिर गए, तो पता नहीं चलेगा।

बहुत सारे लोग आत्महत्या करने के लिए इसे सुरक्षित मानते है। चानक की भौगोलिक स्थिति भी कुछ ऐसी होती है कि सब कोई इसमें गिरे व्यक्ति या पशु को निकाल नहीं सकता है। क्योंकि अंदर जाने पर खतरा हो सकता है। बंद चानक में गैस भरी हो सकती है। बीसीसीएल में कई भूमिगत खदाने गैसीय खदाने भी है। ईस्ट भगतडीह के ९ नंबर चानक का अगर उदाहरण ही ले लिया जाए, तो गुरुवार की रात को चानक में कूदे कृष्णानंद को निकालने के लिए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया था।

लेकिन एनडीआरएफ की टीम मेहनत मशक्कत के बाद भी सफल नहीं हो सकी। वजह है कि इस तरह के चानक कोलियरी क्षेत्र में ही होते हैं और वस्तुत एनडीआरएफ की टीम या कोई भी टीम नक्शे के आधार पर काम करती है। भूमिगत खदानों को बंद कर दिए जाने की वजह से चानक बेकार हो गए है। जहां लोकल मैनेजमेंट संवेदनशील है, वहां चानक के मुंह को सीमेंटेड कर दिया गया है। लेकिन जहां पर किसी की नजर नहीं गई है, वहां अभी भी चानक खुले हुए है। ऐसे ही चानक में कृष्णानंद घरेलू झगड़े के बाद कूद गया और अंततः उसकी मौत हो गई।

कड़ी मेहनत के बाद बीसीसीएल माइंस रेस्क्यू की टीम ने उसे उसकी लाश को बाहर निकाला। धनबाद कोयलांचल में कितने चानक रूपी मौत का कुआं अभी भी बिना ढके हैं, इसका कोई आंकड़ा तो उपलब्ध नहीं है। लेकिन बंद चानक में लोगों के कूदने, डूबने और मरने की सूचनाएं आती रहती है। बरसात के दिनों में इन चानक में पानी भर जाता है। बीसीसीएल प्रबंधन को चाहिए कि ऐसे चानक को चिन्हित कर उनके मुंह को सीमेंटेड कर पूरी तरह से ढक दे, जिससे कि कोई दुर्घटना नहीं हो।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार सोमवार को उप विकास आयुक्त सादात अनवर द्वारा द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम २०२४ से संबंधित प्रेस वार्ता आयोजित की गयी। समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा एवं जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह उपस्थित थे।

बैठक में उप विकास आयुक्त द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची प्रकाशन को लेकर प्राप्त निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गयी। सभी को बताया गया कि १ जुलाई को अर्हत्ता मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है। इसके अंतर्गत संशोधन पूर्व गतिविधियों की जानकारी दी गई कि बीएलओ के माध्यम से घर-घर का सत्यापन किया जाना है।

अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए फोटो गुणवत्ता में सुधार जहां भी आवश्यक हो रोल में धुंधली खराब गुणवत्ता वाली में विनिर्देशों के अनुरूप न होने वाली तथा गैरमानवीय फोटो वाली को प्रतिस्थापित करके फोटोग्राफ को हटाया जाना है। खंड भागों का पुनर्गठन और खंड भाग की सीमा के प्रस्तावित पुनर्गठन को अंतिम रूप देना मतदान केंद्रों का स्थान और मतदान केंद्रों की सूची का अनुमोदन प्राप्त करना।

अर्हता तिथि के रूप में १ जुलाई के संदर्भ में एकीकृत ड्राफ्ट रोल तैयार करना, २७ जुलाई से ४ अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जाना है।

१९ अगस्त को दावों एवं आपत्तियों का निपटारा, स्वास्थ्य मापदंडों की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति प्राप्त करना, डेटाबेस को आदतन करना और अनपुरकों का मुद्रण करना, उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि इस दौरान १ जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए १८ वर्ष पूरे करने वाले नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने का कार्य करना है, साथ ही शिफ्टेड, डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं का सत्यापन करते हुए मतदाता सूची से उनका विलोपन नियमानुसार सुनिश्चित करना है। उप विकास आयुक्त द्वारा सभी पत्रकार बंधुओं से ज्यादा से ज्यादा योग्य नागरिकों के मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की सूचना में सहयोग की बात कही गयी।

इस दौरान उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि २५ जून से २४ जुलाई २०२४ तक बीएलओ द्वारा हाउस टू हाउस सर्वे का कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी बीएलओ को रंगीन मतदाता सूची दी जायेगी। इससे मिलान करते हुए पुराने लेमिनेटेड कार्ड को बदलने का कार्य किया जाना है। इस दौरान इस बात का भी ध्यान रखा जाना है कि नयी सूची में यदि किसी का फोटो साफ नहीं दिख रहा तो वैसे कार्ड को भी बदलना है।

उप विकास आयुक्त द्वारा सभी मीडिया प्रतिनिधियों से हाउस टू हाउस सर्वे का अपने स्तर से प्रचार और इसमें सहयोग की अपील की गयी। उन्होंने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में नहीं है अथवा किसी प्रकार का सुधार करवाना है, वे अविलंब ऑनलाइन माध्यम से अथवा अपने बीएलओ से मिलकर अपना आवेदन समर्पित करें ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को साधन उपलब्ध कराने का निर्देश

धनबाद (कासं) : सोमवार को सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार की अध्यक्षता में आत्मनिर्भरता व प्रभावशीलता को बेहतर बनाने के लिए चिंतन और कार्रवाई बैठक का आयोजन सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार, बोकारो में की गयी। इस मीटिंग का उद्देश्य शहरी स्वास्थ्य के साथ ही परिवार नियोजन कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रम हेतु-राजनैतिक तथा वित्तीय प्रतिबद्धता, क्षमता हस्तांतरण, टीसीआई प्रमाणिक दृष्टिकोणों का संस्थागतिकरण और परिवार नियोजन के प्रति बेहतर दृष्टिकोण और व्यवहार के माध्यम से प्रभाव की निरंतरता के अंतर्गत चर्चा की गयी जिसमे सिविल सर्जन के द्वारा बैठक में इस टूल के सभी गुणवत्ता मानकों को समुदाय स्तर तक लागू करने का निर्देश दिया।

जिला आरसीएच पदाधिकारी द्वारा कहा गया कि परिवार नियोजन के साथ अन्य स्वास्थ्य संबंधी विषयों के सुदृढ़ीकरण हेतु समुदाय स्तर से स्वास्थ्य संस्थान तक रेफ़रल सिस्टम को और भी मजबूत करे एवं आईयूसीडी सेवा का शहरी स्वास्थ्य केंद्र में सुदृढ़ करने के लिए निर्देशित किया एवं सभी शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को परिवार नियोजन की अस्थायी साधन तीन महीने के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैठक में राष्ट्रीय हेल्थ मिशन एवं शहरी हेल्थ मिशन के जिला स्तरीय प्रतिनिधि एवं पीएसआई इंडिया के मैनेजर प्रोग्राम इम्प्लीमेंटेशन उपस्थित रहे।

बिजली मिस्त्री के घर से हजारों की चोरी

धनबाद (कासं) : बिजली मिस्त्री सेख टोनी के घर से हजारों की चोरी हो गई। बकरीद में गए थे परिवार संग ससुराल। पाथरडीह थाना क्षेत्र के चासनाला आजाद नगर निवासी सेख टोनी के घर से अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ घर में प्रवेश किया और हजारों का सामान लेकर उड़ गए। सेख टोनी ने मीडिया को बताया की बकरीद में परिवार संग ससुराल गए थे लौटे तो पता चला कि घर में चोरी हुई है।

मुआवजा को ले सड़क जाम कल से

गोर्विंदपुर (सासे) : जेबीकेएसएस युवा मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष कुश महतो की अध्यक्षता में सोमवार को अंबोना मोड़ में बैठक हुई। बैठक में अंबोना के एक हार्ड कोक भट्ठा के मृत कार्तिक महतो के परिवार को अब तक मुआवजा नहीं मिलने पर विरोध जताया गया। पीड़ित परिवार को मुआवजा नहीं देने के खिलाफ २६ से दो दिनों तक अंबोना से भेलाटांड़ तक सड़क जाम करने का निर्णय लिया गया। कुश महतो ने कहा जब तक बकाया राशि भुगतान नहीं होगा, तब तक आन्दोलन जारी रहेगा। बैठक में अखलाक अंसारी, रूपेश मंडल, मीठू महतो, प्रसन्नजीत सिंह, ओसिन बाउरी, तापस महतो, महेश मोदी, अर्विंद महतो, संजीत तुरी, महेश महतो, निर्मल महतो, मनोज महतो, सद्दाम अंसारी आदि उपस्थित थे।

क्रिकेट स्कूल लीग टूर्नामेंट में अनुशानहीनता

जोड़ापोखर (ससे) : जेलगोड़ा जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट स्कूल लीग टूर्नामेंट में सोमवार को धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन का अनुशासन हुआ तारतार एसोसिएशन द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में दो स्कूल के सोमवार को स्वामी विवेकानंद स्कूल चिरकुंडा एवं अप्रसेन सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल चिरकुंडा के बीच ४० ओवर शुरू हुआ। विवेकानंद स्कूल बैटिंग कर रही थी, वही शिशु स्कूल बॉलिंग कर रही थी। ७ ओवर के अंदर ही ६ विकेट गिर गया, मात्र २० रन ही बना पाया था, तभी विवेकानंद स्कूल के खेल शिक्षक विकाश सिंह एम्पायर से खेल रोकने की मांग करते हुए कहा कि विपक्षी टीम में दूसरे स्कूल के छात्र मैच खेल रहे है तभी शिशु स्कूल के शिक्षक उज्जल लायक ने अपने समर्थकों के साथ मिल कर विकाश से बहस करते हुए हाथापाई कर दिया। एम्पायर मिलन दास ने मैच को रोक दिया। विकाश सिंह ने जोड़पोखर थाना में शिकायत की है वहीं उज्जल लायक ने कहा है कि हार रहे टीम ने बेबुनियाद आरोप लगा कर मैच को रोकवा दिया है।

आईआईटी आईएसएम में मालवीय मिशन शिक्षण प्रशिक्षण आयोजित

धनबाद (कासं) : देश भर से विभिन्न तकनीकी और शैक्षणिक संस्थानों के कुल १८ संकाय सदस्यों ने आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में एकत्रित होकर शिक्षण की बारीकियों को सीखा, जिसमें बातचीत कौशल विकसित करना, प्रभाव और अनुनय, नेतृत्व प्रेरणा और प्रभावी प्रदर्शन लिंक को समझना, संचार कौशलमौखिक और व्यक्तिगत और संगठनात्मक विकास के लिए सीखने की मानसिकता की संस्कृति बनाना। मौका था प्रतिष्ठित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत आयोजित पांच दिवसीय पोषण भविष्य नेतृत्व कार्यक्रम के उद्घाटन दिवस का।

पांच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान दो विशेष सत्र आयोजित किये जाएंगे। जिनमें से एक शैक्षणिक क्षेत्र के विशेष संदर्भ में परिवर्तनकारी नेतृत्व प्रयासों पर और दूसरा तनाव प्रबंधन, अचेतन समूह की गतिशीलता और संघर्ष समाधान पर होगा, इसके अलावा प्रोफेसर सोमनाथ चट्टोपाध्याय द्वारा कोचिंग और सलाह पर अन्य सत्र आयोजित किए जाएंगे। रजिस्ट्रार प्रबोध पांडे आदि द्वारा वित्तीय उत्कृष्टता के पोषण पर सत्र आयोजित किया जाएगा, जो कि मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में आयोजित किया जा रहा है। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा, निदेशक आईआईटी (आईएसएम) ने कहा शिक्षा या किसी अन्य क्षेत्र में नेतृत्व लोगों के बीच स्वीकृति के माध्यम से विकसित होता है और इसे थोपा नहीं जा सकता है। प्रो.मिश्रा ने आगे कहा स्वीकार्यता के लिए एक नेता को संगठन और उसके लोगों या स्थान के मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय पहलुओं से परिचित होना होगा और फिर कोई भी बदलाव शुरू करने से पहले आवश्यकता के अनुसार खुद को ढालना होगा क्योंकि इससे लोगों के बीच उनकी स्वीकार्यता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

मिश्रा ने कहा लोगों के बीच स्वीकार्यता से अच्छी धारणा बनती है और कहा कि संस्थानों के सामने भी यही बात सच है क्योंकि गुणवत्ता अनुसंधान, परियोजनाओं आदि के आधार पर संस्थान की अच्छी धारणा उसे बेहतर रैंकिंग प्राप्त करने में मदद करती है। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें कुछ खनन स्थलों का दौरा और धनबाद में मैथन बांध की यात्रा शामिल है का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। प्रोफेसर सोमनाथ चट्टोपाध्याय, प्रधान अन्वेषक ओसीईपी ने अपने संबोधन के दौरान, शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी के रूप में निदेशक प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा का उदाहरण दिया। जिन्होंने डीन रिसर्च एण्ड एक्सटर्नल एंगेजमेंट के रूप में आईआईटी दिल्ली के अबू धाबी परिसर की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई एवं आईआईटी दिल्ली के एसोसिएट डीन, अनुसंधान एवं विकास (२०२०२०२३) के रूप में भी आगे से नेतृत्व करते हुए काफी बदलाव लाये। प्रो. मोहम्मद इरफान ने पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में स्वागत भाषण देते हुए शिक्षा मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्यों से अवगत कराया। प्रोफेसर मृणालिनी पांडे, पाठ्यक्रम सहसमन्वयक ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा मैंने नेतृत्व का पहला पाठ प्रोफेसर सुकुमार मिश्रा, निदेशक आईआईटी (आईएसएम) से सीखा है, जिन्होंने सभी संस्थानों प्रमुखों को व्यक्तिगत रूप से ट्रेनिंग के लिए प्रतिनिधि नामित करने के लिए पत्र लिखा था जबकि वो कुछ ही दिन पहले संस्थान में ज्वाइन किये हैं। उन्होंने एनआईटी जमशेदपुर, एनआईटी सिक्किम, एनआईटी श्रीनगर, एनआईटी वारंगल, आईआईटी जोधपुर, एनआईटी पुडुचेरी, बीएचयू और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर सहित सहयोगी संस्थानों को भी धन्यवाद दिया।

मांझी बदलो, गांव बचाओ को लेकर सभा

धनबाद (कासं) : चंदनकियारी प्रखंड के पश्चिम महल पंचायत के मोनीपागार (महल टांड़ी) गांव में आदिवासी सेंगेल अभियान के तात्वावधान में 'मांझी बदलो गांव बचाओ' जनजागरण सभा चंदनकियारी प्रखंड के सेंगेल परगना मुटले टुडू की अध्यक्षता और संचालन पश्चिम महल पंचायत सेंगेल परगना बबलू बास्के ने किया।

इस आयोजन सभा में उपस्थित सेंगेल के झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन मुख्य रुप से उपस्थित थे। उन्होंने मांझी बदलोमांव बचाओ जनजागरण कार्यक्रम सभा को संबोधित करते हुए बताया कि आदिवासी समाज मौत के मुहाने पर खड़ा है।

आदिवासी समाज का अस्तित्व, पहचान, हिस्सेदारी, भाषा, जल, जंगल जमीन सब कुछ लुटा जा रहा है। किन्तु आदिवासी गांव समाज के अगुआ मांझी बाबा इन तमाम महत्वपूर्ण जानकारी से अनभिज्ञ हैं। आदिवासी समाज के अधिकांश मांझी बाबा अनपढ़, पिय्यंकड़, असंवैधानिक कृत्य, नशाखोरी को बढ़ावा देने वाले हैं। इनको समाज से कोई लेनादेना नहीं है। सिर्फ शराब, मुर्गा, दारु, डंडोम, बारोण करते हैं। महिला विरोधी कृत्य और अंधविश्वास को बढ़ावा देने का कार्य करते हैं।

आदिवासी समाज को दलदल से बाहर निकलने के बजाय समाज में स्वशासन के नाम स्वशोषण करते हैं। इतना ही नहीं इन अनपढ़ और वंश परंपरागत मांझी बाबा को संवैधानिक अधिकारों की जानकारी भी नहीं रखते हैं।

यही कारण है कि आजादी के लगभग ७५ सालों बाद भी आदिवासी समाज को धार्मिक पहचान जैसे बुनियादी अधिकार से वंचित रखा गया हैं किन्तु आदिवासी गांव समाज के आदिवासी सरना धर्म कोड और झारखंड में संताली भाषा को प्रथम राजभाषा का दर्जा मिले, इसके लिए कोई सहयोग नहीं करते। अतः अब वक्त का तकाजा है कि अनपढ़ और संविधान कानून की जानकारी नहीं रखने वाले मांझी बाबा को बदला जाए अन्यथा आदिवासी समाज का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी समाज को बचाने के लिए मांझी बदलोमांव बचाओ आंदोलन व जनजागरण कार्यक्रम को गांवमांव तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि पूर्व सांसद श्री सालखन मुर्मू के नेतृत्व में भारत के लगभग ७ राज्यों में आदिवासी सेंगेल अभियान कार्यरत हैं जहां मांझी बदलोमांव बचाओ का कार्यक्रम वृहद रुप से चलाया जा रहा है। निश्चित रुप से यह जनजागरण कार्यक्रम आदिवासी समाज में मूलभूत परिवर्तन लाकर समाज को एक बेहतर दिशा प्रदान करेगा।

मांझी (ग्राम प्रधान) बदलो-गांव बचाओ जनजागरण सभा को बोकारो जिला संयोजक गोपीनाथ मुर्मू ने भी हासा (मिट्टी/जमीन), भाषा (संताली राजभाषा), जाति, धर्म (सरना कोड/मरांग बुरु) रोजगार, चासबास, इज्जत, आबादी आदि के बारे में विस्तार से संबोधित किया।

जनजागरण सभा में राजेश मुर्मू चन्द्रकियारी प्रखंड सेंगेल अध्यक्ष, सोनी मुर्मू सिमोलटांड़ी विलेज़ सेंगेल टावर, बबिता मुर्मू, सुनीता मुर्मू, सुनीता बेसरा, बैसाखी हंसदा, बुधेश्वर किस्कू, दिनेश टुडू, शनि टुडू, लखीन्द्र हेम्ब्रोम, विमल मुर्मू, विकाश मार्डी, समीर टुडू, अमबाई मार्डी, अशीष टुडू, मुकेश मार्डी, प्रेम हेम्ब्रोम, लक्ष्मण मार्डी, संध्या मार्डी, कोमोली मार्डी, बिमोली मार्डी, मोनिका मार्डी, सरस्वती टुडू, शनिचर हांसदा आदि लोग उपस्थित थे।

कबड्डी में धनबाद पैंथर को हरा कर दून वारियर्स ने जीता ट्रॉफी

धनबाद (कासं) : झारखण्ड ओलिंपिक संघ के तत्वावधान में धनबाद जिला ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित सप्ताहव्यापी ओलिंपिक डे कार्यक्रम के तहत सोमवार को दून पब्लिक स्कूल में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दो टीमों के बीच प्रदर्शनी मैच खेला गया। जिसमें दून वारियर्स ने धनबाद पैंथर टीम को अंकों के आधार पर परास्त करते हुए ओलंपिक डे ट्रॉफी पर अपना कैज़ा जमाया। विजेता टीम के खिलाडियों में अमित साव (कप्तान), अंशुमान कुमार, चन्दन कुमार, आदित्य झा, समीर, आशीष कुमार, आदित्य सिंह, रवि साव, आशु कुमार, रौनक तथा अर्णव कुमार शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल के उप निदेशक सुनील सिंह उपस्थित हुए। जिन्होंने विजेता तथा उप विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जबकि मौके पर स्कूल के प्राचार्य बी. के. सिंह, उप प्राचार्य प्रियरंजन कुमार, धनबाद जिला ओलिंपिक संघ के वरीय उपाध्यक्ष रेज़ा इस्त्याक, महासचिव रंजीत केशरी, संयुक्त सचिव तारक नाथ दास, कोषाध्यक्ष पवन वर्णवाल स्केटिंग कोच शिव कुमार महतो तथा थांगता कोच ममता कुमारी पांडे आदि उपस्थित थे। प्रतियोगिता का संचालन स्कूल के खेल विभागाध्यक्ष मृदुल बोस द्वारा किया गया। इस सप्ताहव्यापी ओलंपिक डे कार्यक्रम के तहत बास्केटबॉल की प्रतियोगिता का आयोजन कल पूर्वाह्न १० बजे डिनोबिली स्कूल, कोड़ाडीह में होगा।

फेडरल बैंक की ओर हो रहा लोगों का झुकाव

गोर्विंदपुर (सासे) : फेडरल बैंक के वरीय उपाध्यक्ष एवं कोलकाता जोन के प्रमुख साबू आरएस ने सोमवार को कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सभी तरह की बैंकिंग सुविधाएं दे रहा है। बेहतर बैंकिंग सेवा के कारण लोगों का झुकाव फेडरल बैंक की ओर हो रहा है। वह बैंक गोर्विंदपुर शाखा के नए परिसर में स्थानांतरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड, गोल्ड लोन, एसएमई आदि का लाभ ग्राहक उठा सकते हैं। अब देशभर में १५०० से अधिक शाखाएं ग्राहकों को सेवा दे रही है। बैंक शाखा का उद्घाटन गोर्विंदपुर पश्चिमी की मुखिया ममता देवी, एटीएम का उद्घाटन हीलमैक्स अस्पताल के निदेशक डॉ मनोज कविराज तथा लॉकर का उद्घाटन गौतम कंस्ट्रक्शन के गौतम ओझा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जोनल प्रमुख ने की। शाखा प्रबंधक रणविजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट अभिषेक कुमार, गुरचरण सिंह शेरा, कैलाश दुदानी, वीरेंद्र रजक, नवीन भगत, अनिकेत कुमार, शैलेंद्र भगत, रणजीत सिंह, हैप्पी सिंह, प्रिंस सिंह आदि मौजूद थे।

एमडीए के लिए आसान नहीं होगा स्पीकर का चुनाव

नई दिल्ली(ईएमएस) : सोमवार को संसद में सत्र में प्रोटेम स्पीकर ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। इस दौरान विपक्ष ने नीट का मुद्दा सदन में उठाकर जमकर हंगामा किया। आने वाले दो दिनों में सरकार और विपक्ष की लड़ाई लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर तेज हो जाएगी। एनडीए के लिए इस बार स्पीकर का पद हासिल करना इतना आसान नहीं होगा, क्योंकि भाजपा अपने सहयोगियों के भरोसे पर है। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन ने स्पीकर पद को लेकर आईएनडीआईए गठबंधन की मंशा को साफ करते हुए कहा कि २६ जून को स्पीकर पद के लिए एनडीए के खिलाफ हम चुनाव लड़ेंगे। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के सांसद एन.के. प्रेमचंद्रन ने कहा कि सदन की यह सहमति है कि सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य को प्रोटेम स्पीकर के रूप में चुना जाना चाहिए या मनोनीत किया जाना चाहिए, लेकिन यह देखना दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोडिकुन्नील सुरेश के कांग्रेस से होने के कारण उन्हें प्रोटेम स्पीकर नहीं बनाया गया।

उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से हम अध्यक्ष पद के साथ-साथ उपाध्यक्ष पद के लिए भी चुनाव लड़ेंगे। अगर, सरकार की विपक्षी दलों के साथ चर्चा में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर आम सहमति नहीं बनती है, तो हम निश्चित रूप से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा ने छीनी संवैधानिक संस्थाओं की आजादी।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर करारा हमला

नई दिल्ली (ईएमएस) : लोकसभा चुनाव के समय से राजनीतिक दलों में जारी वारपलटवार अभी भी बरकारार है। ये वार-पलटवार तब और भी अहम हो गई, जब सत्ताधारी दल भाजपा को चुनाव में बहुमत नहीं मिला, हालांकि सत्ताधारी दल के गठबंधन एनडीए ने जरूर बहुमत हासिल किया और देश में लगातार तीसरी बार सरकार भी बनाई। लेकिन इसके साथ ही विपक्षी दलों के हमले और तेज हो गए हैं।

भाजपानीत एनडीए गठबंधन को बने हुए १५ दिन हुए हैं और इन १५ दिनों के दौरान कई हादसे, हमले और कुछ कथित घोटाले सामने आए हैं। इसे लेकर अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर जोरदार हमला बोला है। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने एनडीए सरकार के १५ दिनों में हुए हादसे, हमले और कथित घोटाले के साथसाथ तमाम कमियां गिनवाई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पेड़ काटने पर कड़ी फटकार लगाई

नई दिल्ली (ईएमएस) : साउथ दिल्ली के रिज एरिया में बिना परमिशन पेड़ काटे जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सोमवार ने दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) को रिज एरिया में पेड़ काटे जाने कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पेड़ काटे जाने जैसे बेशर्मीपूर्ण काम को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने डीडीए के वाइस चेयरमैन से यह साफ करने के लिए कहा कि उन्होंने लेफ्टिनेंट गवर्नर (एलजी) के ऑर्डर पर पेड़ काटे हैं? कोर्ट ने डीडीए के ३ अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने अवमानना कार्यवाही में रिज प्रबंधन बोर्ड और दिल्ली वन विभाग को भी शामिल किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम इस मामले की सच्चाई जानना चाहते हैं। आखिर किसके निर्देशों पर पेड़ काटे गए। क्या एलजी के निर्देशों पर पेड़ काटे गए? अदालत ने डीडीए के वाइस चेयरमैन से पूछा कि क्या एलजी वीके सक्सेना के ३ फरवरी के दौरे का कोई रिकॉर्ड है? दौरे के बाद क्या हुआ था?

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ये चौंकाने वाला है कि बिना इजाजत ११०० बेशकीमती पेड़ काट दिए गए। हम डीडीए के उन कामों की डिटेल जांच का प्रस्ताव देते हैं। जिनकी वजह से इकोसिस्टम का विनाश हुआ। राजधानी में इस तरह के बेशर्मी भरे कामों को अदालत हल्के में नहीं ले सकती।

मादक पदार्थों के विरुद्ध नुक्कड़ नाटक से आमजनों को किया जागरूक

बोकारो (ससे): उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के बैनर तले जिले के विभिन्न प्रखंड क्षेत्रों में मादक पदार्थ पर रोकथाम के लिए सोमवार को विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों/बाजारों में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से *मादक पदार्थों के सेवन से हो रहे दुष्परिणामों के प्रति आमजनों/ ग्रामीणों को आगाह/ जागरूक किया गया। नुक्कड़ नाटक के द्वारा आम लोगों को बताया गया कि मादक पदार्थ से घर परिवार तबाह हो जाता है और जीवन नष्ट हो जाता है। यह संदेश नुक्कड़ नाटक के सदस्यों ने कार्यक्रम/संगीत प्रस्तुत कर दिया। उन्होंने बताया कि मादक पदार्थों से सबसे अधिक युवा प्रभावित हो रहें हैं। उन्हें इसकी लत लग जा रही है और उनका जीवन बर्बाद हो जा रहा है।

कई युवा मादक पदार्थों के खरीद बिक्री में पकड़े जा रहे हैं और कम उम्र में ही जेल की सजा भुगत रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से मादक पदार्थों से दूर रहने की अपील की और इसके प्रति जागरूक रहने का भी सलाह दी। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी गई। महिला कलाकारों की ओर से नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। नाटक में एक शराबी पति की ओर से उसके परिवार में होने वाले अशांति एवं अव्यवस्थाओं को चित्रित करते हुए समाज में दिन-प्रतिदिन फैल रही नशे की प्रवृत्ति की आदतों का मंचन किया गया। वहीं, विभाग द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों में एलईडी/ जागरूकता वैन के माध्यम से नशा मुक्त जीवन जीने के लिए ऑडियो-वीडियो संदेश को प्रदर्शित कर जागरूक किया गया।उधर, जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा भी जिले भर में आंगनबाड़ी कर्मियों के माध्यम से नशे को ना, जिंदगी को हां थीम पर विभिन्न गतिविधि का आयोजन कर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नशा मुक्त समाज के निर्माण एवं युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने को लेकर जारी अभियान के तहत सोमवार को भी जिले के विभिन्न प्रखंडों स्थित *कौशल विकास केंद्र में अध्ययनरत छात्राओं के बीच चित्रांकन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

छात्रों के बीच *मादक द्रव्यों के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें स्वयं ऐसा नहीं करने एवं दूसरों को भी ऐसा नहीं करने को लेकर प्रेरित किया गया। जानकारी हो कि, राज्य सरकार मादक पदार्थों के रोकथाम को लेकर पूर्णतः संकल्पित है। आमजनों के बीच जागरूकता को लेकर राज्य सरकार ने आगामी २६ जून तक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है।

नशामुक्ति अभियान को ले एसडीपीओ ने की बैठक

डुमरी (ससे): समाज के युवा वर्ग में तेजी से बढ़ रहे नशा सेवन के लत पर अंकुश लगाने के लिए समाज के प्रबुद्ध जनों एवं जनप्रतिनिधियों को अपनी भूमिका निभाने एवं उक्त गंभीर विषय पर विचार विमर्श हेतु सोमवार को डुमरी थाना में एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने मीडिया कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की. बैठक में नशामुक्ति अभियान एवं अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा की.साथ ही एसडीपीओ ने बताया कि अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना के मुख्य द्वार पर एक एक सुझाव पेटी लगाया जाएगा जिसमें कोई भी उपरोक्त महत्वपूर्ण विषयों पर अपना सुझाव एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दे सकता है.
जानकारी एवं सुझाव देने वाला चाहे तो अपनी पहचान गुप्त भी रख सकता है.कहा कि पुलिस पब्लिक के बीच अच्छे रिश्त रहने एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से ही नशामुक्ति अभियान को सफल किया जा सकता है क्योंकि वर्तमान में नशा की बढ़ती लत से कई घर व जिंदगी तबाह हो रहे हैं जिसपर सामूहिक प्रयास से अंकुश लगाया जा सकता है.बैठक में डुमरी इंस्पेक्टर मनोज कुमार डुमरी थाना प्रभारी प्रिनन निमियाघाट थाना प्रभारी राणा जंग बहादुर सिंह कांग्रेस के वरीय नेता महेश भगत, गंगाधर महतो, सरफराज अहमद गुड्डु आदि उपस्थित थे।

शिकायत पर संज्ञान लेने पर जताया आभार

डुमरी: बीडीओ डुमरी द्वारा उनके शिकायत पर संज्ञान लेने पर अभिभावक एकता मंच के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर महतो ने सोमवार को बीडीओ को बुके देकर आभार जताया है।बताया जाता है कि श्री महतो ने कल्हाबार पंचायत में जल नल योजना के तहत लगा जल मिनार जो मरम्मती के अभाव में खराब पड़ा हुआ था उसमें सकारात्मक पहल करते हुए उसे शीघ्र ही चालू कराने की अपील बीडीओ से की थी।

शिकायत पत्र के माध्यम से उन्होंने बताया था कि कल्हाव-ार पंचायत में कुल ४९ जल मिनार लगा है।जिसमें ०९ जल मिनार चालू स्थिति में और शेष ४० जल मिनार जिस दिन से लगा हुआ है उस दिन से पब्लिक के घरों में पानी नहीं पहुंचा रहा था।इस तरह का मामला प्रखण्ड के सभी पंचायतों में है।आवेदन में १० दिनों के अन्दर खराब पड़े सभी जलमिनार को नहीं बनाये जाने पर प्रखंड कार्यालय परिसर में अनिश्चितकालीन धरना पर बैठने की चेतावनी दी थी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन चेप्टर में सेमिनार का आयोजन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील सिटी के इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई एम ए) चेप्टर में एक सेमिनार का आयोजन किया गया.
आयोजन में बोकारो जनरल हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बी बी करुणामय मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित थे. इस कार्यक्रम में पचास से अधिक नए चिकित्सक आई एम ए से जुड़े. बोकारो स्टील सिटी के इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई एम ए) चैप्टर के अध्यक्ष डॉ आर के मिश्रा ने कार्यक्रम में नए चिकित्सकों सहित सभी का स्वागत किया.

सेमिनार के आयोजित व्याख्यान में मेंदाँता अस्पताल, राँची के वरीय सलाहकार डॉ संगीत सौरव ने पित् एवं अग्न्यासय की बीमारियों में एंडोस्कोपी के द्वारा अल्ट्रासाउंड एवं उपचार विषय पर अपने विचार एवं अनुभव को साझा किए.

इस अवसर पर आई एम ए के एकेडमिक कमिटी के अध्यक्ष डॉ आर के गौतम द्वारा बोकारो चैप्टर के अध्यक्ष डॉ आर के मिश्र को सम्मानित किया गया. बोकारो चैप्टर के कोषाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र कुमार तथा सेक्रेटरी डॉ गौरव विशाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन डॉ मधुमिता श्रीवास्तव, डॉ संदीप एवं डॉ अनुपमा ने किया.

गंगा दशहरा पर अमित बरदियार घाट पर हुआ पूजन आरती

गिरिडीह (ससे): गंगा दशहरा के अवसर पर नागरिक विकास मंच गिरिडीह के द्वारा शास्त्री नगर स्थित उसरी नदी के किनारे अमित बरदियार घाट पर पूजन आरती कार्यक्रम किया गया। नागरिक विकास मंच के संयोजक सह भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता सेवानिवृत इंजीनियर विनय कुमार ने पूरे विधि विधान के साथ पूजा की। मौके पर उन्होंने कहा कि आज का दिन उसरी बचाओ संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया।

उन्होंने बताया कि उसरी नदी के खत्म हो रहे अस्तित्व को बचाने के लिए वर्ष २०१८ से ही नागरिक विकास मंच प्रयासरत है। मंच द्वारा उसरी नदी में गंदे पानी का बहाव को रोकने के लिए सोकपीट या वाटर ट्रीटमेंट की व्यवस्था करने, नदी से बालू उठा पर रोक लगाने, नदी में छलका डैम निर्माण कराने, नदी को अतिक्रमणमुक्त कराने समेत छह सूत्री मांग नगर निगम और जिला प्रशासन से की जा रही है।

कई बार मंच के प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय पर ध्यान आकृष्ट कराया मगर अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिला है। उन्होंने कहा उसरी नदी गिरिडीह के लिए लाइफ लाइन है। इसलिए इन समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द प्रशासन को करना चाहिए। कार्यक्रम में पंडित वीरेंद्र पांडेय और मोनू पांडे ने पूजन आरती कार्य को सम्पन्न कराया।

तपेदिक रोगियों के लिए पोषण सहायता किट कार्यक्रम शुरू

बोकारो (ससे): वेदांता समूह की कंपनी और भारत की अग्रणी एकीकृत ग्रीनफील्ड स्टील निर्माता कंपनी, ई एस एल स्टील लिमिटेड, सामाजिक और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्ध है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सरकारी निकायों और गैर सरकारी संगठनों से कई पुरस्कारों और सम्मानों से सम्मानित, ई एस एल स्टील लिमिटेड अपने सभी आसपास की जनता के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है।

ई एस एल स्टील लिमिटेड अपने आसपास के समाज के सामाजिक कल्याण के लिए अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से सभी की स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करता है। प्रोजेक्ट आरोग्य, ई एस एल स्टील लिमिटेड की फ्लैगशिप हेल्थकेयर प्रोजेक्ट है, जो वह अपनी भागीदार कार्यान्वयन एजेंसी सिटीजन्स फाउंडेशन के सहयोग से चलाता है। प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत सियालजोरी में ई एस एल स्टील लिमिटेड के संयंत्र के पास रहने वाले १०० तपेदिक रोगियों के लिए एक पोषण सहायता किट कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका मासिक लागत प्रति व्यक्ति ८०० रुपये है।

धंडाबर स्थित ई एस एल स्टील लिमिटेड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित प्रोजेक्ट आरोग्य कार्यक्रम में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. शेख मोहम्मद जफरुल्लाह, जिला क्षय रोग अधिकारी, बोकारो ने कहा, गरीबी, खाद्य असुरक्षा, अल्पपोषण, और भीड़भाड़ तपेदिक (टीबी) के प्रमुख कारक हैं। भारत में कुपोषण इसका प्रमुख कारण है। भारत में सक्रिय टीबी के लगभग आधे मामले कुपोषण के कारण हैं। इसके अलावा, अल्पपोषण इन रोगियों की प्रतिरोधी क्षमता को कम करता है, जो टीबी उपचार परिणामों के जोखिम को बढ़ा सकता है। इसलिए, टीबी रोगियों के लिए अतिरिक्त पोषण संबंधी आवश्यक्ताएं जरूरी हैं, लेकिन इन आवश्यक्ताओं का मतलब अतिरिक्त लागत भी है। आज तक ऐसी लागतों ने टीबी समाप्ति लक्ष्य में बाधा उत्पन्न की है।

योजना के संदर्भ में चर्चा करते हुए, डॉ. शेख मोहम्मद जफरुल्लाह ने जानकारी दी, सरकार द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना है, जिसने मरीजों के खाते में एनपीवाई योजना के तहत प्रति माह ५०० रुपये डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। धंडाबर स्थित ई एस एल स्टील लिमिटेड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कार्यक्रम में जिला पीपीएम श्री नितिन कुमार सिंह और सीएचसी चंदनकियारी के कार्यक्रम में एमओआईसी चंदनकियारी, डॉ. श्रीमती तृप्ति पांडे भी उपस्थित थीं।

मंत्रालय द्वारा प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना को लागू करने से पहले अन्य कई सहायता योजनाओं का भी परीक्षण किया गया और यह पाया गया कि वस्तु में पोषण सहायता सर्वोत्तम है। इससे उपचार की सफलता में वृद्धि हुई, फॉलो-अप में हानि कम हुई, टीबी रोगियों के बीच उपचार के दौरान मृत्यु में कमी आई, और टीबी रोगियों के घरेलू संपर्कों में बीमारी की घटना भी कम हुई। हालाँकि, इसके कार्यान्वयन में कुछ समस्याएँ थीं जिसके कारण वस्तु में पोषण संबंधी सहायता की जगह डीबीटी को चुना गया।

डॉ. शेख मोहम्मद जफरुल्लाह, ई एस एल स्टील लिमिटेड के सीएसआर उप प्रमुख श्री राकेश कुमार मिश्रा के साथ इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बोकारो जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. शेख मोहम्मद जफरुल्लाह ने प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत अतिरिक्त पोषण सहायता किट कार्यक्रम प्रदान करने के लिए ई एस एल स्टील लिमिटेड के निर्णय की सराहना की।

इस कार्यक्रम के माध्यम से ई एस एल स्टील लिमिटेड मरीजों को १.५ किलोग्राम काला चना, ३ किलो चने की दाल, १ लीटर सरसों का तेल, १ किलो मूंगफली, और १ किलो गुड़ प्रदान करेगा। यह सहायता चास और चंदनकियारी ब्लॉकों के गांवों के १०० मरीजों तक हर महीने दी जाएगी। यह ६ महीने का पोषण सहायता कार्यक्रम है, जिसके पहले चरण में मरीजों को एक बार में दो महीने की पोषण सहायता किट दी गई है। शेष ४ माह की किट अगले माह से अगले ४ माह तक दी जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य यह है कि इस अतिरिक्त पोषण संबंधी सहायता से टीबी के सभी रोगियों, टीबी के वृद्ध रोगियों, टीबी रोगियों के घरेलू संपर्कों या टीबी और सह-रुग्णता वाले रोगियों को अत्यधिक लाभ होगा और संयंत्र के आसपास की आबादी में एनटीईपी के अंतर्गत टीबी समाप्ति के घोषित लक्ष्य में मदद मिलेगी।

श्री आशीष रंजन, प्रमुख, सीएसआर, ईआर और पीआर, ई एस एल स्टील लिमिटेड ने कहा, वेदांता ई एस एल स्टील लिमिटेड के स्वास्थ्य सेवा परियोजना, आरोग्य, के माध्यम से ई एस एल स्टील लिमिटेड ने तपेदिक रोगियों के लिए एक समर्पित पोषण सहायता पहल के साथ देश के तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम का समर्थन करने का निर्णय लिया है। उचित पोषण इस बीमारी से जूझ रहे लोगों की रिकवरी और समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कार्यक्रम सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और रोगियों और स्वास्थ्य कर्मियों की लचीलेपन और ताकत के प्रति हमारी सराहना को रेखांकित करता है। सीएसआर स्वास्थ्य सेवा पहल, प्रोजेक्ट आरोग्य के माध्यम से, हम तपेदिक मुक्त भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर सकते हैं।

प्रोजेक्ट आरोग्य भागीदार कार्यान्वयन एजेंसी सिटीजन्स फाउंडेशन के सहयोग से और जिला स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर एक हब-एंड-स्पोक मॉडल का उपयोग करता है। प्रमुख सुविधाओं में ढांडाबार गांव में एक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, २७ गांवों का दौरा करने वाली एक मोबाइल स्वास्थ्य इकाई, मुफ्त दवा और उपचार, साथ ही विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर संवेदीकरण और जागरूकता शिविर शामिल हैं। २०२० में शुरू की गई इस परियोजना ने पिछले तीन वर्षों में ३५०,००० से अधिक ग्रामीणों और लगभग ५०० पूर्व-गर्भवती, गर्भवती या स्तनपान कराने वाली माताओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

ढंडाबार स्वास्थ्य देखभाल केंद्र निःशुल्क डॉक्टर परामर्श, प्रयोगशाला परीक्षण और निःशुल्क दवाएँ प्रदान करता है। मोबाइल स्वास्थ्य इकाई सभी २७ परिचालन क्षेत्रों के ग्रामीणों के दरवाजे पर निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करती है।

झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव में स्थित, ई एस एल स्टील उत्पादों का एक अग्रणी निर्माता है। इसमें २.५ मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र है जो पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप का उत्पादन करता है। संयंत्र निर्धारित पर्यावरण मानकों के साथ तालमेल बिठाकर काम करता है, विश्व स्तरीय सेवाओं और उत्पादों की पेशकश करने के लिए प्रतिष्ठित निर्माताओं से अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञता और समाधान लाता है।

पृष्ठ एक का शेषांश

मजबूत इच्छाशक्ति जागृत कर---

कार्य में राज्य सरकार अवश्य आगे बढ़ते हुए सफलता हासिल करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वन क्षेत्र में निवास करने वाले परिवारों के बीच सिर्फ वनपट्टा वितरण करना ही नहीं बल्कि उन्हें विकास के हर पहलुओं में जोड़ने की आवश्यकता है। सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से उन्हें मजबूत करना हमसभी की नैतिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग मिलकर झारखंड में एक ऐसी व्यवस्था बनाएं, जहां ग्रामीण और शहरी लोगों के विकास में कोई भेदभाव नहीं हो, सबका एक समान विकास हो, देश में झारखंड विकास के मॉडल का एक बेहतर उदाहरण पेश कर सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों से आप सभी लोग वाकिफ हैं, बस जरूरत है अपने भीतर एक मजबूत इच्छाशक्ति जागृत करने की और अपने दायित्वों को निर्वहन करने की।

मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम वर्ष २००६ में लागू हुआ है। इस अधिनियम के लागू हुए १८ साल हो चुके हैं फिर भी हमसभी लोग वन क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को वन भूमि का अधिकार उन्हें अभी तक देने में काफी पीछे हैं। झारखंड के विभिन्न कार्यालयों में वनपट्टा के हजारों आवेदन रद्द कर दिए गए हैं। यह आवेदन क्यों रद्द हुए हैं, इसका जवाब जनता को देना पड़ेगा। जो अधिकारी वनपट्टा हेतु प्राप्त आवेदनों को जानबूझकर रद्द करने का प्रयास करेंगे उन पर राज्य सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि आज हमसभी लोग इस कार्यशाला में २ डिसमिल और ३ डिसमिल भूमि का वनपट्टा आवेदकों को देने हेतु चर्चा करने के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं, बल्कि वनवासियों को उन्हें उनका पूरा अधिकार देने के संकल्प के लिए एकत्रित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन भूमि पर जिनका जितना अधिकार है उन्हें सम्मान पूर्वक उपलब्ध कराएंगे। वन क्षेत्र में रहने वाले परिवार उक्त भूमि पर कृषि कार्य कर चाहे धान की खेती हो, रवि फसल हो या वन उत्पाद हो, अपना जीवन यापन सम्मान के साथ कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अबुआ वीर अबुआ दिशोम अभियान को हल्के में नही लेना है। यह एक महत्वपूर्ण और प्रभावी अभियान है। इस अभियान के तहत वन पट्टा दावों के निपटारे के लिए जो रोडमैप राज्य सरकार ने तैयार किया है उसे हर हाल में धरातल पर उतरना पड़ेगा। आज इस कार्यशाला में हम सभी जिम्मेदार लोग एकत्रित हुए हैं और हम सभी को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन तत्परता और पूरी ईमानदारी के साथ करना पड़ेगा, तभी वन अधिकार अधिनियम कानून का लाभ यहां के आदिवासी और मूलवासी परिवारों को मिल सकेगा।

18वीं लोकसभा के पहले---

क्योंकि लोग नारे नहीं, बल्कि सार्थकता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लोग संसद में चर्चा, कर्मठता चाहते हैं न कि व्यवधान चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि लोग विपक्ष से अच्छे कदमों की उम्मीद करते हैं, लेकिन अब तक यह निराशाजनक रहा है और उम्मीद जताई कि यह अपनी भूमिका निभाएगा और लोकतंत्र की मर्यादा को बनाए रखेगा। इस दौरान उन्होंने ये भी याद दिलाया कि आपातकाल की ५०वीं वर्षगांठ २५ जून को है, पीएम इसे भारत के लोकतंत्र पर एक काला धब्बा कहा।

प्रोटेम स्पीकर की---

आज हम गांधी जी की प्रतिमा के सामने इकट्ठे हुए हैं। हम मोदी जी को बता रहे हैं कि आप संविधान के तहत चलिए।

25 जून को लोकतंत्र पर---

रक्षा करते हुए देशवासी संकल्प लेंगे कि भारत में दोबारा कोई ऐसा करने की हिम्मत न कर सके, जो ५० साल पहले किया गया था। हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे। हम भारत के संविधान के निर्देशों के अनुसार सामान्य मानवी के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि संसद का ये गठन भारत के सामान्य मानवी के संकल्पों की पूर्ति का है। नए उमंग, नए उत्साह के साथ नई गति, नई ऊंचाई प्राप्त करने का ये अवसर है। २०४७ तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर आज १८वीं लोकसभा का प्रारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा चुनाव बहुत ही शानदार तरीके से, बहुत ही गौरवमय तरीके से संपन्न होना, ये हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। करीब ६५ करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। ये चुनाव इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया, क्योंकि आजादी के बाद दूसरी बार देश की जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का अवसर दिया है।

जेपी नड्डा को राज्यसभा---

दे देंगे, जिसे उन्होंने २०२० में मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से संभाला था।हालांकि, ऐसा लगता है कि नड्डा भाजपा प्रमुख के पद पर बने रहेंगे। पार्टी कानून के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी किया जाता है जब ५० प्रतिशत राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो जाएं, जो लगभग छह महीने तक चलने की संभावना है।

पटनायक ने 9 राज्यसभा---

समर्थन देने के अपने पहले के रुख पर कायम रहेगी? तो उन्होंने कहा, अब बीजेपी को और समर्थन नहीं। अब सिर्फ विपक्ष को समर्थन मिलेगा। हम ओडिशा के हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्यसभा में बीजू जनता दल के नेता सस्मित पात्रा ने कहा, इस बार बीजद सांसद केवल मुद्दों पर बोलने तक ही सीमित नहीं रहेंगे। अगर केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ओडिशा के हितों की अनदेखी करती है, तो वे आंदोलन करने के लिए दृढ़ हैं।

सस्मित पात्रा ने कहा कि ओडिशा को विशेष दर्जा देने की मांग उठाने के अलावा बीजेडी सांसद राज्य में खराब मोबाइल कनेक्टिविटी और बैंक ब्रांच की कम संख्या का मुद्दा भी उठाएंगे। पात्रा ने कहा, पिछले १० सालों से ओडिशा की कोयला रॉयल्टी में संशोधन की मांग को केंद्र सरकार ने नजरअंदाज किया है। इससे राज्य के लोगों को भारी नुकसान हो रहा है। वे अपने हक के हिस्से से वंचित हैं।

जमाखोरी रोकने, कीमतों में---

हूं। उन्होंने यह कहा कि अभी गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध है और चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध की समीक्षा करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि गेहूं की कीमतें स्थिर रहें। चोपड़ा ने बताया कि हाल ही में मीडिया में आई उन खबरों के मद्देनजर स्टॉक सीमा लगाई गई है, जिनमें कहा गया है कि गेहूं सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि जमाखोरी को कम करने के लिए स्टॉक सीमा लगाई गई है। उन्होंने बताया कि एक अप्रैल, २०२३ को गेहूं का शुरुआती स्टॉक ८२ लाख टन था, जबकि एक अप्रैल, २०२४ को यह ७५ लाख टन था। उन्होंने कहा कि पिछले साल २६६ लाख टन की खरीद की गई थी, जबकि इस साल सरकार ने २६२ लाख टन की खरीद की है और खरीद अभी भी जारी है। इसलिए (शुरुआती स्टॉक में) गेहूं की कमी सिर्फ तीन लाख टन की है।

सोना खनन करने वाला---

खुलने के बाद अब खनन के लिए लाइसेंस दे दिया गया है। भुखिया-जगपुरा स्वर्ण ब्लॉक के माइनिंग लाइसेंस के लिए बड़ी कंपनियों के बीच कड़ी स्पर्धा रही। इसमें रतलाम की कंपनी ने ६५.३० प्रतिशत की बोली लगाई और सोने के खनन के लिए ब्लॉक अपने नाम किया।

नीट मामले में टेरर फंडिंग---

एग्जाम में ओएमआर शीट से छेड़छाड़ में एनटीए की भूमिका की जांच सीबीआई और ईडी को सौंपने की मांग की गई थी। इस मामलों को भी ८ जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट कर लिया गया।

लड़कियों के लिए 12 वीं तक की शिक्षा जरूरी

कोडरमा (ससे): कोडरमा सतगावां हर लड़की की १२वीं तक की शिक्षा सुनिश्चित करने की तत्काल आवश्यकता है उक्त बातें टेहरो पंचायत के मुखिया सदानंद प्रसाद ने कहा , राष्ट्रीय झारखंड सेवा संस्थान के वरीय कार्यक्रम पदाधिकारी निर्भय कुल ने बताया कि भारत में अग्रणी बाल अधिकार संगठन क्राई - चाइल्ड राइट्स एंड यू ने सोमवार को 'पूरी पढ़ाई देश की भलाई'अभियान शुरू किया। भारत में लाखों लड़कियां अभी भी स्कूल से बाहर हैं, और कई माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा तक पहुंच नहीं पा रही हैं। इस गतिशील सात सप्ताह के राष्ट्रव्यापी पहल का उद्देश्य लड़कियों की शिक्षा के प्रति जन जागरूकता और सामाजिक दृष्टिकोण में क्रांतिकारी बदलाव लाना है। हितधारकों को शामिल करके और लक्षित हस्तक्षेप लागू करके, क्राई का लक्ष्य शिक्षा की बाधाओं को दूर करना और लड़कियों के लिए एक उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है।

झारखंड के साथ-साथ भारत के २० राज्यों में क्राई के हस्तक्षेप परियोजनाओं में सोमवार को शुरू किया गया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत क्राई और उसके साथी संगठन जन जागरूकता रैलियां, हस्ताक्षर अभियान और विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करेंगे । क्राई की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पूजा मारवाहा ने अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बालिकाओं के लिए उच्च माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करना न केवल उनके सशक्तिकरण के लिए अनिवार्य है, बल्कि यह राष्ट्र के समग्र विकास का भी अनिवार्य अंग है। प्राथमिक शिक्षा से आगे बढ़कर, लड़कियों की शैक्षिक यात्रा को सुदृढ़ करने हेतु सुनियोजित लक्ष्यों और कार्य-योजनाओं के साथ लक्षित हस्तक्षेप अत्यावश्यक है।

इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देना होगा, जिनमें बालिका शिक्षा के लिए पर्याप्त सार्वजनिक संसाधन, वित्तीय प्रोत्साहन, उन्नत अधोसंरचना, सामुदायिक सहभागिता, एवं बाल विवाह निरोधक कानूनों का कठोर क्रियान्वयन प्रमुख हैं। परंतु, यह सब कुछ तभी साकार हो सकेगा जब बालिका शिक्षा के प्रति व्यापक जन-जागरूकता उत्पन्न हो और समाज में इसकी गहरी अनुगूँज हो ।

चाइल्ड राइट्स एंड यू (क्राई) (पूर्व) की क्षेत्रीय निदेशक, त्रिना चक्रवर्ती ने लड़कियों के लिए शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर दिया यह सुनिश्चित करना कि लड़कियां अपनी शिक्षा पूरी करें,-पीढ़ीगत गरीबी के चक्र को तोड़ने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। शिक्षित लड़कियों की संभावना अधिक होती है अपने समुदायों के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दें, स्वस्थ जीवन जियें और अपने बच्चों को बेहतर अवसर प्रदान करें। यह अभियान उज्जवल और अधिक न्यायसंगत भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

क्राई द्वारा इसीडेटाबेस का गहन विश्लेषण करने पर और भी चिंताजनक तथ्य प्रकाश में आए हैं। एडजसटेड नेट एनरोलमेंटरेट (एएनईआर) के आधार पर की गई गणना दर्शाती है कि संबंधित आयु वर्ग की प्रत्येक तीन बालिकाओं में से एक (३५%) माध्यमिक स्तर पर विद्यालय से बाहर है। इसके अतिरिक्त, इसी आयु वर्ग की प्रत्येक आठ छात्राओं में से एक (१२.२५%) अपनी शिक्षा अधूरी छोड़ देती है, परिणामस्वरूप वे माध्यमिक शिक्षा पूर्ण करने में असफल रहती हैं।

झारखंड में क्राई के जमीनी अनुभवों से यह प्रतीत होता है कि बालिकाओं की शैक्षिक यात्रा में अनेक बाधाएँ व्याप्त हैं। इनमें सामाजिक-आर्थिक विषमताएँ, रूढ़िवादी सांस्कृतिक मान्यताएँ, लैंगिक विभेद, बाल विवाह की प्रथा, शैक्षिक संस्थानों में अपर्याप्त सुविधाएँ, विद्यालयों की दूरस्थ स्थिति एवं सुरक्षा संबंधी चिंताएँ प्रमुख हैं। ये समस्याएँ उच्च माध्यमिक शिक्षा के पूर्णता में गंभीर अवरोध उत्पन्न करती हैं। इन बाधाओं के परिणामस्वरूप न केवल स्कूल ड्रॉपआउट की दर को बढ़ाती है, अपितु ये छात्राओं को अन्य गंभीर खतरों के प्रति भी अतिसंवेदनशील बना देती हैं। इनमें बाल श्रम, अल्पवयस्क आयु मे विवाह, किशोरावस्था में गर्भधारण, दुर्व्यवहार, शोषण एवं बाल तस्करी जैसी ज्वलंत समस्याएँ सम्मिलित हैं।

इन मुद्दों से सीधे निपटने के लिए, क्राई ने 'पूरी पढ़ाई देश की भलाई' अभियान शुरू किया है, जो २४ जून से शुरू होकर १५ अगस्त, भारत के स्वतंत्रता दिवस तक चलेगा। यह अभियान शिक्षा में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के लिए सभी हितधारकों को शामिल करने का प्रयास करता है।

क्राई और उसके साझेदार संगठन अपने परिचालन क्षेत्रों में प्राथमिक, उच्च-प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा में लड़कियों के नामांकन और प्रतिधारण को बढ़ाने का प्रयास करेंगे। क्राई का लक्ष्य बच्चों और उनके परिवारों, शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों, प्रभावशाली व्यक्तियों, राज्य अधिकारियों, विभिन्न शैक्षिक स्तरों के छात्रों, मीडिया हाउस, कॉरपोरेट्स और आम जनता के साथ जुड़कर व्यापक जागरूकता पैदा करना है ।

ग्रिजली विद्यालय के छात्रों का ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन

कोडरमा (ससे): कोडरमा अंतराष्ट्रीय ओलिंपिक दिवस पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों में तिलैया डैम स्तिथ ग्रिजली विद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय की छात्रा सोनम पांडेय ने कोडरमा ओर्लिपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित २०० मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं कोडरमा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों ने तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लिया और शानदार प्रदर्शन किया। अंडर १३ वर्ष की प्रतियोगिता में छात्र अनीश कुमार ने में स्वर्ण पदक, छात्र प्रियांशु कुमार ने रजत पदक एवं छात्र अरिहंत शंकर ने कांस्य पदक प्राप्त किया। वहीं छात्र प्रियांशु कुमार ने अंडर १० वर्ष की प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाडियों को मेडल तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

छात्रों की इस शानदार सफलता पर ग्रिज़ली विद्यालय ने निदेशक द्वय मनीष कपसिमे, अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, सीओओ तनिष्क सेठ, प्राचार्या अंजना कुमारी, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेंद्र चौधरी, बीडी नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, तुषार राय चौधरी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट सर्विस सेल के संयोजक सुधांशु कुमार, स्पोर्ट्स संयोजक सुनील साव, सीसीए संयोजक अभिजीत आनंद सहित पुरे विद्यालय परिवार ने सफल छात्रों, उनके अभिवावकों एवं उनको प्रशिक्षकों विशाल सिंह, अमित राय को शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्ञवल भविष्य की कामना की।

स्टोरेज, हैंडओवर और ट्रांसपोर्टेशन में बरती गई लापरवाही

पटना (ईएमएस): नीट यूजी पेपर लीक मामले में गड़बड़ी के बाद एनटीए के चीफ सुबोध कुमार को हटा दिया गया। सुबोध को हटाने के पीछे बिहार पुलिस की ईओयू की जांच बड़ी वजह मानी जा रही है। ईओयू ने अपनी जांच में बताया कि हजारीबाग में परीक्षा केंद्र पर पेपर के स्टोरेज, हैंड ओवर और ट्रांसपोर्टेशन तक में लापरवाही बरती गई है। रविवार को ईओयू ने विज्ञप्ति जारी कर पूरी जांच की जानकारी दी। साथ ही ईओयू ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की इस मामले में क्या भूमिका रही है और कैसे अभ्यर्थियों तक पेपर पहुंचा साथ ही सॉल्वर गैंग के जरिए से उन सभी प्रश्नों का जवाब ढूंढकर छात्रों को रटवाए गए।

ईओयू ने बताया कि एनटीए द्वारा उपलब्ध कराए गए परीक्षा से संबंधित तय सुरक्षा मानकों, जिसमें पेपर की ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, हैंड ओवर व टेक ओवर के मानक भी शामिल हैं, जिसके विश्लेषण से पता चला की संबंधित द्वारा इनका अनुपालन पूर्ण रूप से नहीं किया गया, प्रश्न पत्रों के बक्सों और लिफाफे से हुई छेड़छाड़ को नहीं पकड़ा जा सकता है।

अयोध्या में पहली बारिश में खुली निर्माण कार्यों की पोल

अयोध्या (ईएमएस): अयोध्या का राम मंदिर पहली ही बारिश में टपकने लगा। मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि गर्भगृह में, जहां रामलला विराजमान हैं, वहां भी पानी भर गया। अगर एक-दो दिन में इंतजाम नहीं हुए, तो दर्शन और पूजन की व्यवस्था बंद करनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि शनिवार-रविवार रात २ से ५ बजे तक तेज बारिश हुई। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह के सामने मंडप में ४ इंच तक पानी भर गया। मंदिर के अंदर लोगों को डर था कि कहीं बिजली का करंट न उतर आए। इसलिए सुबह ४ बजे होने वाली आरती टार्च की रोशनी में करनी पड़ी। सुबह ६ बजे की आरती भी ऐसे ही हुई।

आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि गर्भगृह के अलावा भी जो छोटे

मंदिर बने हैं, वहां भी पानी भर गया है। इस पर ध्यान देना चाहिए कि जो बना है, उसमें क्या कमी रह गई? एक तो राम मंदिर से बारिश का पानी निकलने की जगह नहीं है। ऊपर से पानी भी चूने लगा, इससे अव्यवस्था हुई। अयोध्या में शनिवार-रविवार की रात ६७ एमएम बारिश हुई, जिससे पूरे शहर में जगह-जगह पानी भर गया। सडक़ें धंस गईं। ६ महीने पहले बने अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की करीब २० मीटर लंबी बाउंड्री वॉल भी ढह गई।

जलनिकासी ठीक नहीं होने के चलते यह दिक्कत हो रही हैं। पुजारी के मुताबिक, इसको जितनी जल्दी ठीक करवा लिया जाए, उतना अच्छा है। पानी को रात १० बजे तक सुखाया जा सका। ये पानी क्यों भरा? इसके जवाब में उन्होंने बताया- पहली मंजिल पर निर्माण जारी है। वहां रॉड लगाने के लिए होल (छेद) छूटे हुए हैं। वहीं से मंदिर के अंदर पानी आया था। बारिश से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की करीब २० मीटर लंबी बाउंड्री वॉल ढह गई। ३० दिसंबर, २०२३ को पीएम मोदी ने इस रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया था। इसके अलावा कई जगह पर सीवर लाइन धंस गई, जिससे कई घरों और मंदिरों में सीवर का पानी घुस गया। इमामबाड़ा की रोड धंस गई, यहां सीवर चोक हो गया। बिरला धर्मशाला के सामने मंदिर में सीवर का गंदा पानी भर गया। कई अन्य क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। लोगों ने कहा- पहली बारिश में ही नगर निगम और पीडब्ल्यूडी की पोल खुल गई।

सीबीआई टीम पर हुए हमले को लेकर सियासत शुरू

पटना (एजेंसी): नीट पेपर लीक मामले में बिहार के नवादा में सीबीआई टीम पर हुए हमले को लेकर अब सियासत शुरू हो गई है. कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेता प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस मामले में जमकर घेर रहे हैं. राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि केंद्र और बिहार में उनकी सरकार है, ऐसे में सीबीआई टीम पर हमला हो रहा है. इसका मतलब साफ है कि प्रदेश में अपराधियों का राज चल रहा है. लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से फेल है. हमारे

राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि नेता तेजस्वी यादव रोज इन मुद्दों पर सवाल खड़ा करते हैं. आंकड़ा देते हैं, कहां भ्रष्टाचार हुआ, कहां पुल गिरा, कहां अपहरण हुआ. यह सब गंभीर सवाल है, जिसका जवाब एनडीए की डबल इंजन सरकार को देना होगा. अगर राज्य में हमारी सरकार होती तो वो लोग हाय-तौबा मचा देते. उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पद से इस्तीफा क्यों नहीं दे रहे हैं. बड़ी मछली को बचाने के लिए छोटी मछली को फंसाया जा रहा है.

कांग्रेस नेता अजय शर्मा ने भी बीजेपी की एनडीए और नीतीश की राज्य सरकार पर हमला किया. उन्होंने कहा कि सीबीआई टीम पर हमले का जवाब नीतीश कुमार को देना चाहिए. यह बेहद दुखद घटना है, ऐसा नहीं होना चाहिए. यह पहला ऐसा मामला नहीं है जब पेपर में गड़बड़ी की बात सामने आई है. पिछले १० सालों से लगातार ऐसा हो रहा है. पेपर लीक मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए.

दरअसल, नीट मामले की जांच को लेकर सीबीआई की टीम शनिवार को दिल्ली से बिहार के नवादा पहुंची थी. जहां कसियाडीह गांव के लोगों ने उन्हें नकली समझकर हमला कर दिया. ग्रामीणों ने सीबीआई टीम की गाड़ी पर भी तोड़फोड़ की. घटना की सूचना मिलने पर रजौली थाने की टीम मौके पर पहुंची. इस मामले में २०० अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है और एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है.

चिराग पासवान के साथ बैठी खूबसूरत लड़की कौन

पटना (एजेंसी): चिराग पासवान इन सफलता की बुलंदियों को तेजी से छूते नजर आ रहे हैं. केंद्रीय मंत्री बनने के बाद राजनीति ही नहीं सोशल मीडिया पर वह छाए हुए हैं. लड़कियों में उनकी दीवानगी इतनी ज्यादा है कि लड़कियां उनकी तस्वीर अपनी स्टोरी में अपने पसंदीदा गानों के साथ लगा रही हैं. इस बीच चिराग की एक खूबसूरत लड़की के साथ तस्वीर काफी वायरल हो रही है. सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं. कुछ लोग इस मिस्ट्री गर्ल को चिराग की होने वाली दुल्हन बता रहे हैं. ऐसे में हम आपको बताएंगे कि आखिर चिराग पासवान के साथ बैठी

खूबसूरत लड़की कौन है और किस परिवार से ताल्लुक रखती है?

जिस लड़की के साथ चिराग पासवान की तस्वीर वायरल हो रही है, उसका नाम आरुषि निशंक है. आरुषि भी राजनीतिक खानदान से ताल्लुक रखती हैं. उनके पिता रमेश पोखरियाल उत्तराखंड बीजेपी के बड़े नेताओं में शुमार हैं और प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं. इतना ही नहीं रमेश पोखरियाल, केंद्र में मंत्री भी रहे हैं. वहीं आरुषि निशंक सोशल मीडिया पर हमेशा सक्रिय नजर आती हैं. तरह-तरह के वीडियो और पोस्ट सोशल मीडिया पर डालते रहती हैं जिसकी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनकी शानदार स्टोरी और तस्वीरें मौजूद हैं.

बता दें कि आरुषि निशंक फिल्म में एक्टिंग करती हैं. हाल ही में उनकी फिल्म तारिणी रिलीज हुई थी जिसमें उन्होंने शानदार एक्टिंग की थी. इसके अलावा आरुषि स्पर्श गंगा एनजीओ की को-फाउंडर भी हैं. चिराग पासवान के साथ आरुषि ने क्यों मुलाकात की थी, इसकी वजह सामने नहीं आ सकी है. लेकिन चिराग और आरुषी की तस्वीर सामने आने के बाद कई तरह की अटकलें लगने लगी थीं. सोशल मीडिया पर चिराग पासवान को शादी की बधाई भी मिलने लगी थीं.

सभी गुणवत्ता मानकों को समुदाय तक लागू करने का निर्देश

बोकारो (ससे): सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार की अध्यक्षता में आत्म निर्भरता व प्रभावशीलता को बेहतर बनाने के लिए चिंतन और कार्यवाही से सम्बंधित बैठक का आयोजन सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य शहरी स्वास्थ्य के साथ ही परिवार नियोजन कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रम हेतु- राजनैतिक तथा वित्तीय प्रतिबद्धता, क्षमता हस्तांतरण, ढउख प्रमाणिक दृष्टिकोणों का संस्थागतिकरण और परिवार नियोजन के प्रति बेहतर दृष्टिकोण और व्यवहार के माध्यम से प्रभाव की निरंतरता के अंतर्गत चर्चा की गई। बैठक में सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार द्वारा ट्रूल के सभी गुणवत्ता मानकों को समुदाय स्तर तक लागू करने का निर्देश दिया।

जिला ठउक पदाधिकारी ने कहा कि परिवार नियोजन के साथ अन्य स्वास्थ्य संबंधी विषयों के सुदृढ़ीकरण हेतु समुदाय स्तर से स्वास्थ्य संस्थान तक रेफ़रल सिस्टम को और भी मजबूत करे एवं खणउऊ सेवा का शहरी स्वास्थ्य केंद्र में सुदृढ़ करने के लिए निर्देश दिया एवं सभी शहरी स्वास्थ्य केंद्रों को परिवार नियोजन की अस्थायी साधन तीन महीने के लिए उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।

छत संरचनाओं के निरीक्षण के लिए ड्रोन सर्वेक्षण

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट में छत संरचनाओं के निरीक्षण के लिए २४ जून को ड्रोन सर्वेक्षण का शुभारंभ एसएमएस-न्यू विभाग में राजीव धवन, मुख्य महाप्रबंधक (एमआरडी एवं अतिरिक्त प्रभार एसएमएस-न्यू) तथा शालिग्राम सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) की उपस्थिति में संरचना निरीक्षण जियोडेटिक सर्वेक्षण विभाग द्वारा शुरू किया गया. इस मौके पर टी एस रंजन, आर के पात्रो, श्री पी के स्वैन, पी मिंज, जे इमाम और रितुराज सिंह उपस्थित थे. उन्नत ड्रोन सर्वेक्षण पहल का उद्देश्य उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजरी और वास्तविक समय डेटा प्रदान कर बोकारो स्टील प्लांट में छत संरचनाओं की निरीक्षण दक्षता को बढ़ाना है, जिससे संरचनात्मक मुद्दों की त्वरित पहचान हो सके. ड्रोन के प्रयोग से मैन्युअल निरीक्षण की आवश्यकता में काफी कमी आती है तथा इसे सुरक्षित तरीके से संपादित करने में मदद मिलती है.इस परियोजना को संरचना निरीक्षण जियोडेटिक सर्वेक्षण विभाग के अंतर्गत मेसर्स हटेक इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है.

संविदा कर्मियों ने मांगों को लेकर सदर अस्पताल से निकाली रैली

गिरिडीह(ससे): स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर आज सदर अस्पताल से रैली निकाली रैली शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए वापस सदर अस्पताल पहुंचा सदर अस्पताल में संविदा कर्मियों को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता अशोक सिंह ने कहा कि सरकार संविदा कर्मियों के साथ शोषण कर रही है उन्होंने कहा कि पूरा सदर अस्पताल संविदा कर्मियों के भरोसे चल रहा है एक और जहां रिक्त पदों पर एक भी भर्ती नहीं ली जा रही है वहीं न्यूनतम मजदूरी पर स्वास्थ्य विभाग में संविदा कर्मियों से सेवा ली जा रही है।

श्री सिंह ने कहा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से संविदा कर्मियों को काम करवाया जाता है जिसके एवज में आउटसोर्सिंग के द्वारा नियमित मानदेय का भी भुगतान नहीं किया जाता है उन्होंने कहा कि पिछले कई माह से संविदा कर्मियों का मानदेय बकाया है इस दौरान संविदा कर्मियों ने भी कहा कि अगर हम लोगों की मांग शीघ्र पूरा नहीं हुई तो हम लोग बाध्य होकर उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे मौके पर कर्मचारी नेता रघुनंदन विश्वकर्मा टेक नारायण रजक समेत सैकड़ो की संख्या में संविदा कर्मी मौजूद थे।

सूरज रेवन्ना 1 जुलाई तक सीआईडी हिरासत में रहेंगे

बंगलूरू (ईएमएस): यौन शोषण मामले में फंसे प्रज्वल रेवन्ना के भाई और जनता दल सेक्युलर (जेडी-एस) नेता सूरज रेवन्ना की मुश्किलें बढ़ गईं हैं। दरअसल बंगलूरू की एक अदालत ने सूरज को १ जुलाई तक आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि सूरज रेवन्ना पर जेडी-एस के पुरुष कार्यकर्ता के यौन शोषण का आरोप है। उन्हें २३ जून को गिरफ्तार किया गया था। सीआईडी ने अदालत से सूरज की रिमांड बढ़ाने का अनुरोध किया था। कुछ दिन पहले एक पार्टी कार्यकर्ता का कथित यौन शोषण करने के आरोप में सूरज रेवन्ना पर शनिवार को मामला दर्ज किया गया। इस मामले में सूरज के खिलाफ अप्राकृतिक अपराध सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर कहा था, शिकायत आई है, इसके आधार पर कानून के अनुसार जो भी कार्रवाई की जानी है, वह की जा रही है। इसके अलावा मुझे किसी राजनीतिक साजिश के बारे में पता नहीं है।

आशिक ने शादी के दिन ही दुल्हन की गोली मारकर की हत्या

झांसी,(ईएमएस): झांसी में शादी के दिन ही एक सिरफिरे ने युवती की गोली मार कर हत्या कर दी। हत्या एक ब्यूटीपार्लर में की गई जब युवती शादी के तैयार होने वहां गई थी। हत्या के बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

जानकारी के मुताबिक झांसी के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में एक ब्यूटीपार्लर में शादी के लिए तैयार हो रही युवती की उसके सिरफिरे आशिक ने गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने से पहले प्रेमी ने युवती को अपने साथ चलने को कहा लेकिन युवती ने उसके साथ जाने से इनकार कर दिया तो सिरफिरे आशिक ने तमंचा निकाला और युवती के सीने में गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद वह वहां से भाग गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश के दतिया जिले की काजल की शादी झांसी के सिमथरी में रहने वाले राज से तय हुई थी। काजल की शादी का कार्यक्रम झांसी के सीपरी बाजार स्थित एक विवाह घर में होना था। बारात के स्वागत की तैयारी चल रही थी। शादी के लिए युवती मेकअप कराने पास के एक ब्यूटी पार्लर गई। वहीं युवती का पीछा कर रहा आशिक दीपक वहां पहुंच गया और ब्यूटी पार्लर का कांच तोड़ कर जबरन अंदर घुस आया। उसने युवती से अपने साथ चलने की जिद करने लगा। युवती ने इनकार किया तो दीपक ने तमंचे से युवती के सीने में गोली मार दी जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

ब्यूटी पार्लर की संचालक जानवी ने बताया कि जब वह दुल्हन का मेकअप कर रही थी तभी एक लड़का पार्लर का गेट का कांच तोड़कर अंदर से बंद गेट की हाथ से कुंडी खोली। उसके मुंह पर काला कपड़ा बंधा था। लड़के ने काजल से अपने साथ चलने को कहा। जब उसने मना कर दिया, तो लड़के ने दुल्हन को गोली मार दी और भाग गया। एसएसपी राजेश एस ने बताया कि सीपरी बाजार थानाक्षेत्र में लड़की को गोली लगने की सूचना मिली थी। पुलिस आरोपी दीपक को गिरफ्तार करने के लिए दो टीमें दतिया जनपद के लिए रवाना की गई हैं।

एकेडमी ने मनाया राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस समारोह

गिरिडीह(ससे): गिरिडीह स्थित मोंगिया नेशनल बॉलीबॉल एकेडमी में राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एकेडमी के चेयरमैन डॉक्टर गुणवंत सिंह मोंगिया शरीक हुए। जबकि कार्यक्रम में एमएनबीए के सभी पदाधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित थे। यहां कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर गुणवंत सिंह मोंगिया ने कहा कि आने वाले समय में एमएनबीए भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सभी मानकों को पूरा करेगा।

इस एकेडमी के खिलाड़ियों को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। बहुत जल्द ही एकेडमी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मापदंडों को पूरा कर पूर्वी भारत का बॉलीबॉल इंडोर स्टेडियम की शुरुआत की जाएगी। कहा यहां प्रशिक्षण पाने वाले सभी खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर सुविधा दी जाएगी, ताकि वह अपनी खेल प्रतिभा को बेहतर ढंग से निखार सकेंगे।

नीट मामले में मास्टरमाइंड को बचाने की कोशिश : मनोज झा

पटना,(ईएमएस): एक तरफ नीट पेपर लीक मामले से लाखों बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है, वहीं दूसरी तरफ जांच के नाम पर सियासत जारी है। बिहार में इस मामले को लेकर सियासत गर्म है। इस पूरे मामले को लेकर राज्यसभा सांसद मनोज झा ने आरोप लगाया है कि इस पूरी प्रक्रिया में नीट मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश की जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले भाजपा ने आरोपी कैंडिडेट सिकंदर के लिए सरकारी गेस्ट हाउस बुक कराने के तार तेजस्वी के पीएस से जोड़ने की कोशिश की थी, अब राजद ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया की पत्नी को जदयू नेता बताकर राजनीतिक गलियारे को गर्मा दिया है। दरअसल राष्ट्रीय जनता दल के एक्स अकाउंट में दो पोस्ट करते हुए इस मामले को उठाया गया है। इसमें संजीव मुखिया की पत्नी ममता देवी बिहार के मुख्यमत्री नीतीश कुमार, मंत्री श्रवण कुमार और नीरज कुमार के साथ दिखाई दे रही है। वहीं दूसरी पोस्ट में चिराग पासवान के आवास पर टिकट के साथ ममता देवी की फोटो को शेयर किया गया है, इसमें संजीव मुखिया भी दिखाई दे रहे हैं।

इस पूरे मामले में राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने सीएम नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए और बकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, कि इस मामले के मास्टरमाइंड किंगपिन को बचाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले के मुख्य आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी जेडीयू की सक्रिय नेता हैं, जो कि जेडीयू की टिकट पर चुनाव भी लड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आरोपी संजीव मुखिया की पत्नी के सीएम नीतीश कुमार के जिले से गहरे संबंध हैं।

राज्यसभा सांसद झा ने तेजस्वी का नाम घसीटे जाने पर कहा, कि गेस्ट हाउस बुकिंग के लिए एक स्टोरी चलाई गई है, जिसके न कोई सबूत हैं और न ही कोई कागजात ही हैं। बातचीत के दौरान ही उन्होंने सवाल किया कि आखिर संजीव मुखिया को बाहर से ही जमानत कैसे मिल गई? उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नालंदा के संजीव मुखिया गिरोह ने ही बीपीएससी द्वारा आयोजित तीसरे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर भी लीक किए थे, लेकिन उस पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई? उन्होंने आगे कहा कि उनके बेटे डॉक्टर शिव का नाम भी इसमें जुड़ा, लेकिन बिहार पुलिस ने तो उसे भी गिरफ्तार नहीं किया। अंत में चुटकी लेते हुए सांसद मनोज झा ने कहा कि सिकंदर यादवेंदु का नाम लालू यादव से महज इसलिए जोड़ दिया जाता है कि यादव उनके नाम के साथ जुड़ा हुआ है। यदि ऐसा ही है तो फिर नीरव मोदी तो मोदी के मौसेरे भाई हुए। इस तरह सांसद झा ने प्रेस वार्ता कर न सिर्फ प्रदेश की बल्कि देश की राजनीति में गर्माहट पैदा कर दी है।

पेपर लीक मामले की चल रही जांच, दोषियों को जेल:चौधरी

पटना,(ईएमएस): नीट पेपर लीक मामले पर पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। इसको लेकर छात्र और विपक्ष लगातार सरकार पर हमलावर है। वहीं बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक मामले से जुड़े कई पहलुओं की जांच की जा रही है इसमें दोषियों पाए जाने वालों को जेल भेजा जाएगा। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने पिछले महीने एनटीए द्वारा आयोजित नीट-यूजी २०२४ परीक्षा में पेपर लीक के मामले में मुख्य संदिग्ध सिकंदर यादवेंदु समेत १३ लोगों को गिरफ्तार किया था। बिहार पुलिस ने झारखंड के देवघर जिले से छह लोगों को भी पकड़ा था। जांच की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर चौधरी ने पत्रकारों से कहा, जांच चल रही है। इसमें कौन लोग शामिल हैं? उन्होंने कैसे अनियमितताएं कीं? प्राथमिकी दर्ज कर सभी को जेल भेजा जाएगा।

सीएम आवास का घेराव को पहुंचे शिक्षक, लाठीचार्ज

पटना (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में २४ जून, २०२४ दिन सोमवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने पहुंचे अतिथि शिक्षकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया. अतिथि शिक्षक अपनी मांगों को लेकर सीएम आवास के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे थे. पुलिस ने पहले तो उन्हें समझा बुझाकर वापस जाने को कहा, लेकिन शिक्षकों के पीछे नहीं हटने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया.

अतिथि शिक्षकों का कहना है कि हमने लगभग ६ सालों तक विद्यालय में अपनी सेवाएं दी. अब हमारी सेवा को समाप्त कर दिया गया है. हमारी संख्या ४२५७ है, जब राज्य में शिक्षकों की कमी थी तब हमारी नियुक्ति की गई और अब एक झटके में बाहर कर दिया गया.

उनका कहना है कि हम सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं. अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने आए हैं, लेकिन पुलिस हमें ऐसा करने से रोक रही है. बिहार में अतिथि शिक्षक पिछले ६ साल से उच्च माध्यमिक स्कूल में पढ़ा रहे थे. अब नीतीश सरकार ने गेस्ट शिक्षकों की सेवा पर रोक लगा दी है. शिक्षा विभाग ने उन्हें सेवा मुक्त कर दिया है. ३१ मार्च को उनके कार्यकाल का अंतिम दिन था.

इस मामले को लेकर शिक्षा विभाग का कहना है कि क्लास ९वीं, १०वीं के लिए ३७९४७ और ११वीं और १२वीं के लिए ५६८९१ उच्च माध्यमिक स्कूलों में कुल ९४७३८ शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, इसलिए अब अतिथि शिक्षक की आवश्यकता नहीं है.

वैशाली में छात्र की गोली मारकर हत्या

पटना (एजेंसी): बिहार में अपराधियों के हौसले काफी बढ़े हुए नजर आ रहे हैं. बेखौफ अपराधी पूरे प्रदेश में तांड़व मचा आ रहे हैं और पुलिस बेबस साबित हो रही है. ताजा मामला वैशाली से सामने आया है. वैशाली जिले के औद्योगिक थाना क्षेत्र के चकमकरण हाई स्कूल के पास बेखौफ अपराधियों ने अमरजीत नामक छात्र की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी. इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही मृतक अमरजीत के परिवार पर हमला हुआ था. उस वक्त परिवार किसी तरह से बच गया, लेकिन आज अज्ञात बदमाशों ने अमरजीत को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया.

गोलियों की आवाज सूनते ही स्थानीय लोग अपने घरों से बाहर निकले, लेकिन तबतक अपराधी फरार हो चुके थे. स्थानीय लोगों ने ही पुलिस को सूचना दी थी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अमरजीत को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस घटना के बाद लोग पुलिस-प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं. वहीं घटनास्थल पर पुलिस कैंप कर रही है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज के सहारे अपराधियों का पता लगाने की कोशिश कर रही है. दूसरी ओर राजधानी पटना में भी बेखौफ अपराधियों का तांडव जारी है. यहां पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के मलिया महादेव रोड इलाके में बदमाशों ने एक युवक को गोलियों से छलनी कर दिया. ताबड़तोड़ फायरिंग से पूरा इलाका दहल उठा. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को मौके से कई खोखा बरामद हुए हैं. पुलिस ने मृतक की पहचान प्रॉपर्टी डीलर अरूण कुमार के रूप में किया है. पीड़ित परिजनों ने पटना की मेयर सीता साहू का बेटे शिशिर कुमार पर हत्या कराने का आरोप लगाया है.

मुजफ्फरपुर में नौकरी के नाम पर यौन उत्पीड़,प्रदर्शन

पटना (एजेंसी): बिहार के मुजफ्फरपुर में नौकरी के नाम पर लड़कियों के यौन शोषण मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच की मांग को लेकर पटना में महिला, छात्र-युवा और कई अन्य संगठनों ने सोमवार को बुद्धा स्मृति पार्क पर जोरदार प्रदर्शन किया. अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन (ऐपवा), बिहार महिला समाज, बिहार घरेलू कामगार यूनियन, बिहार लीगल नेटवर्क, इंसाफ मंच, मौलिक अधिकार मंच, गौरव ग्रामीण महिला विकास मंच, आइसा, मौलिक अधिकार महिला मंच सहित कई संगठनों ने मुजफ्फरपुर में नौकरी के नाम पर लड़कियों के यौन शोषण मामले की न्यायिक जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

प्रदर्शनकारियों ने सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'डबल इंजन' सरकार की नाकामी का चरम उदाहरण है. महिला सशक्तीकरण और महिलाओं की सुरक्षा का दावा करने वाले भाजपा और जदयू शासन में उसी मुजफ्फरपुर में महिलाओं के खिलाफ अपराध की यह दूसरी बड़ी घटना सामने आई है. छह साल पहले भी शेल्टर होम कांड हुआ था. महिला संगठनों का आरोप है कि यह सत्ता व प्रशासन के संरक्षण के बिना संभव नहीं है. इसकी उच्चस्तरीय न्यायिक जांच होनी चाहिए ताकि हरेक पहलू सामने आए.

विधान पार्षद शशि यादव ने कहा कि एनडीए सरकार ने शेल्टर होम कांड के बाद भी कोई सबक नहीं लिया, महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा व अपराध इस सरकार की चारित्रिक विशिष्टता बन गई है. देश और राज्य में 'बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ' का नारा कई सालों से चल रहा है. लेकिन, इस नारे के विपरीत बेटियों के शोषण के शर्मनाक मामले दिन-प्रतिदिन सामने आ रहे हैं. प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पीड़ित लड़कियों में तीन ने अपना बयान दर्ज कराया है. पीड़िताओं के अनुसार, कंपनी की आड़ में बेरोजगार युवाओं को फंसाया जाता है.

नशीली दवाओं का कारोबारी समेत 11 गिरफ्तार

गाजीपुर (ईएमएस): यूपी के गाजीपुर में संयुक्त टीम ने शहर में अवैध तरीकों से नशीली दवाओं का कारोबार करने वाले गिरोह के सरगना सहित ११ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में दवाईयां, इंजेक्शन और नकदी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी बिहार से प्रतिबंधित इंजेक्शन को २५ से ३० रुपये में खरीद कर लाते थे, उसके बाद १६० से १७० या उससे ज्यादा दामों पर नशे के आदी लोगों को बेचते थे।

एसपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि महुआबाग इलाके में मादक पदार्थों का कारोबार चलता है। पुलिस ने जब सूचना की जांच की, तब वहां कुछ संदिग्ध गतिविधियां मिली। पुलिस की संयुक्त टीम ने करीब २२.४० बजे जांच की। पुलिस ने ड्रग्स इंस्पेक्टर को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया था। पुलिस ने ११ अभियुक्त को गिरफ्तार किया। इनके पास से नशीली इंजेक्शन बुप्रीरेज (बुप्रीनारफीन) २१० पीस, २ एमएल एम्पुल (३० शीशी प्रत्येक १० एमएल), ऐविल इंजेक्शन और ५६० पीस निडल के साथ ही १८० पीस सिरिंज जब्त किया।

यूपी लोकसभा चुनाव के नतीजों पर मंथन में जुटे दिग्गज

लखनऊ (एजेंसी): यूपी लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मिली हार के बाद समीक्षा बैठक कर रही है. पिछले एक महीने से शुरू हुई बीजेपी की समीक्षा बैठक अंतिम दौर में है. सोमवार को बीजेपी मुख्यालय में विस्तारकों की बैठक बुलाई गई है. इसमें अवध, काशी और गोरखपुर क्षेत्र के विस्तारक शामिल होंगे. बताया गया कि बैठक में विस्तारकों से हार के करणों की रिपोर्ट मांगी जाएगी. बैठक में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश संघटन महामंत्री धर्मपाल सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष और क्षेत्रीय प्रभारी भी मौजूद रहेंगे.

चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही बीजेपी ने यूपी में हारे प्रत्याशियों से रिपोर्ट मांगी थी. अवध क्षेत्र में हारे प्रत्याशियों को बुलाकर हार के कारणों की जानकारी पहले ही जुटाई जा चुकी है. साथ ही बीजेपी मंडल स्तरीय रिपोर्ट भी मांगी है. इसके अलावा बीजेपी ने हार का कारण जानने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का भी गठन किया है. १५ जुलाई तक सभी स्तर पर रिपोर्ट आने के बाद हार पर मंथन किया जाएगा.

बता दें कि यूपी में कई जगहों पर समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री और विधायकों के सामने कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए थे. पिछले दिनों सहारनपुर में भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ला समीक्षा बैठक करने पहुंचे थे. यहां लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री कुंवर बृजेश सिंह और विधायक राजीव गुंबर पर हार का ठीकरा फोड़ते हुए कार्यकर्ताओं के दो गुटों में मारपीट हो गई थी. इसका वीडियो भी वायरल हो गया था.

इरफान पठान के मेकअप आर्टिस्ट की वेस्टइंडीज में मौत

बिजनौर (ईएमएस): यूपी के बिजनौर निवासी मेकअप आर्टिस्ट फैयाज अंसारी की वेस्टइंडीज में स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हुई है। फैयाज के परिजनों का कहना है कि वह टी-२० विश्व कप में कमेंटेटर के रूप में शामिल पूर्व इंडियन क्रिकेटर इरफान पठान के साथ वेस्टइंडीज गया था। इरफान ही उसके शव को वापस भेजने का खर्च उठा रहे हैं। फैयाज की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक फैयाज अंसारी मूल रूप से नगीना तहसील के मोहल्ला काजी सराय का रहने वाला था। वह कई साल से मुंबई में बतौर मेकअप आर्टिस्ट काम कर रहा था।

वहां पर उसकी सैलून की दुकान थी। इस बीच एक दिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान उसके सैलून पर आए। जिसके बाद दोनों में जान-पहचान हुई और इरफान ने फैयाज को अपना मेकअप आर्टिस्ट बना लिया। इरफान फैयाज को अपने साथ विदेश में भी ले जाने लगे। मृतक फैयाज के चचेरे भाई मोहम्मद अहमद ने बताया कि वेस्टइंडीज से सूचना मिली है कि फैयाज की एक होटल में स्विमिंग पूल में नहाते समय डूबने से मौत हो गई है। यह समाचार मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। अहमद के अनुसार, फैयाज की शादी अभी दो माह पूर्व ही हुई थी और वह आठ दिन पहले ही नगीना से मुंबई गया था। अचानक हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी और परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

उन्होंने बताया कि इरफान खुद ही वेस्टइंडीज में सभी औपचारिकता पूरी करने के बाद शव को भारत लाने की तैयारी कर रहे हैं। फैयाज का शव आने के बाद परिजन दिल्ली शव लेने जाएंगे।

फर्जी और महंगे स्टांप पेपर पर नकेल, होगा ऑनलाइन मुहैया : योगी

लखनऊ (एजेंसी): योगी सरकार प्रदेश में ई-स्टाम्प को और अधिक सुरक्षित बनाने जा रही है. इसके लिए स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं. शुरुआत में छोटी रकम के ई-स्टाम्प के जरिए इस सुविधा का लाभ जनता को देने की तैयारी है. इन ई-स्टाम्प को आधार कार्ड के जरिए ऑनलाइन प्रमाणन के बाद पर्सनलाइज्ड करके उसी आधार कार्ड धारक के द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के प्रयोग के लिए प्राप्त किया जा सकेगा. इससे जाली स्टाम्प के भय से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाएगी. विभाग ई-स्टाम्प के नये प्रारूप की डिजाइन भी फाइनल कर चुका है.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर फिलहाल १०० रुपए से कम के ई-स्टाम्प को लेकर ये प्रयोग किया जाएगा. नये प्रारूप की रूपरेखा और ई-स्टाम्प को सुरक्षित रखने के लिए ९ प्रकार के विशेष नये सिक्योरिटी फीचर्स इस्तेमाल में लाए गये हैं. इसमें १-डी बार कोड, स्टैटिक लाइन, एसडी अमाउंट, स्टैटिक एसडी अमाउंट, टेक्स्ट थ्रेड, एएसवाईएम सर्टिफिकेट आईडी, खरीददार का नाम, सिंगल लेयर लोगो, टेक्स्ट थ्रेड डेट, टेक्स्ट रिबन और बीजी का उपयोग किया गया है. इसके जरिए जाली स्टाम्प बनाना असंभव हो जाएगा.

छोटे मूल्य के ई-स्टाम्प की रहती है सबसे अधिक मांग

बता दें कि १० रुपए के स्टाम्प पेपर के मुद्रण में तकरीबन १६ रुपए का खर्च आता है. इसमें कानपुर डिपो से उसके परिवहन की लागत भी शामिल है. छोटे मूल्य के स्टाम्प का प्रयोग अपेक्षाकृत अधिक होता है. शपथ पत्र, विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं, विद्यालय, महाविद्यालय में प्रवेश के वक्त, सेवायोजन में और लोक शिकायतों में छोटे मूल्य के स्टाम्प पेपर इस्तेमाल में लाए जाते हैं. २०२३-२४ के आंकड़ों पर गौर करें तो १०० रुपए से अधिक मूल्य के ४७ लाख से अधिक ई-स्टाम्प जारी किये गये, वहीं १०० रुपए से कम मूल्य के २ करोड़ ५६ लाख से अधिक ई-स्टाम्प पेपर जारी किये जा चुके हैं.

उपायुक्त–सह–जिलादण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।
(अनुसूचित जन जाति, अनुसूचित जाति, अल्प संख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण शाखा गिरिडीह।)
ई–मेल:–dwo-giridih@jharkhandmail.gov.in

प्रेस विज्ञप्ति
–: नामांकन सूचना :–

प्रेज्ञा फाउण्डेशन, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के विशेष प्रयोजन से झारखण्ड राज्य की बालिकाओं के लिए नर्सिंग कौशल कॉलेज में राज्य नर्सिंग काउंसिल द्वारा प्रमाणित 2–वर्षीय ए.एन.एम. नर्सिंग कोर्स हेतु आवेदनजारी है।जो भी इच्छुक उम्मीदवार मूलतः झारखण्ड के निवासी है, जिनकी उम्र सीमा 17 से 30 वर्ष है, एवं 12 वीं पास है वो http://app.prejha.orgij जाकर निःशुल्क आवेदन कर सकते है।

आवेदन करने की अंतिम तिथि	30 जून 2024
परीक्षा की तिथि	06 जुलाई 2024

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें– मो0– 9263006936, 8114593781, 9153963549, 6207901410
राँची हेल्पलाईन नं0– 6204800180
विशेष जानकारी हेतु जिला कल्याण कार्यालय, गिरिडीह/कल्याण गुरूकुल, पीरटांड में संपर्क किया जा सकता है।

जिला कल्याण पदाधिकारी, गिरिडीह
PR 327480 Welfare(24-25).D

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(जिला निर्वाचन शाखा, गिरिडीह)

–:प्रेस विज्ञप्ति:–

दिनांक 22.06.2024 को श्री नमन प्रियेश लकड़ा, भा0प्र0से0, जिला निर्वाचन पदाधिकारी –सह– उपायुक्त, गिरिडीह की अध्यक्षता में दिनांक –01.07.2024 को अहर्ता तिथि मानते हुए द्वितीय मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 को सफल संचालन हेतु सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिलाध्यक्ष/सचिवों के साथ आहूत बैठक में विस्तृत रूप से बताया गया कि आयोग द्वारा जारी कार्यकम के अनुसार :–

S.No.	Activity	Period
Pre-revision Activities (पूर्व पुनरीक्षण गतिविधि)		
1	(1) बी0एल0ओ0 द्वारा घर–घर सत्यापन के कम में विभिन्न प्रकार के गतिविधियों को किया जाना:–	25.06.2024 (मंगलवार) to 24.07.2024 (बुधवार)
Revision Activities (पुनरीक्षण गतिविधि)		
2	एकीकृत मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन	On 25.07.2024 (गुरूवार)
3	दावा/आपति प्राप्त करने की अवधि (प्रपत्र–6, 6A, 6B ,7 एवं 8)	25.07.2024 (गुरूवार) to 09.08.2024 (शुकवार)
4	(i) विशेष अभियान दिवस (सभी मतदान केन्द्रों पर)	27.07.2024 (शनिवार), 28.07.2024 (रविवार), 03.08.2024 (शनिवार), 04.08.2024 (रविवार)
(ii)	स्वच्छ, समावेशी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची के निर्माण के लिए सभी पात्र नागरिकों का निबंधन एवं मतदाता सूची का शुद्धिकरण हेतु अतिरिक्त विशेष अभियान :–	
	(a) Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs)	29.07.2024 (सोमवार)
	(b) रैन बसेरों/आश्रय गृहों में आवासित पात्र नागरिकों का निबंधन हेतु अभियान।	30.07.2024 (मंगलवार)
	(c) दिव्यांगजनों का निबंधन हेतु अभियान	31.07.2024 (बुधवार)
	(d) 85+ आयु वर्ग के निबंधन हेतु अभियान।	01.08.2024 (गुरूवार)
	(e) Third Gender/Sex Workers का निबंधन हेतु अभियान	02.08.2024 (शुक्रवार)
5	प्राप्त दावा/आपतियों का विधि सम्वत् निष्पादन	19.08.2024 (सोमवार)
6	मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन	20.08.2024 (मंगलवार)

उप निर्वाचन पदाधिकारी गिरिडीह
PR 327446 Election(24-25).D

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह।

अति अल्पकालीन आवेदन आमंत्रण सूचना।

एतद् द्वारा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश सं0 05 दिनांक 13.06.2024 के आलोक में जलाशय के इर्द गिर्द रहने वाले मत्स्य कृषकों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्श 2024–25 में केज कल्चर स्थलों से सूचनाओं की प्राप्ति एवं ऑकड़ों के संधारण हेतु मत्स्य मित्र की तर्ज पर 01 (एक) केज–मत्स्य मित्र का चयन किया जाना है। केज मित्रों का कार्य केज स्थल पर जाकर सूचना का संग्रहण एवं केज कृषकों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना है तथा केज से संबंधित सभी प्रकार के सूचनाओं का संग्रहण कर जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह में विहित प्रपत्र में प्रतिवेदन समर्पित करना है। केज मित्र का कार्य मत्स्य मित्र के तर्ज पर स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रूप में किया जाना है।

केज–मत्स्य मित्र हेतु अहर्ता निम्नवत् होगी :–

1. केज–मत्स्य मित्र केज लाभुक नहीं होना चाहिए।
2. इनका अपना Android Mobile Phone होना चाहिए।
3. ये शिक्षित तथा कम्प्युटर का ज्ञान हो, इन्हें तैरना आता हो।
4. जलाशय के इर्द–गिर्द स्थलों/ग्रामों से होना चाहिए।
5. मत्स्य पालन में प्रशिक्षण प्राप्त किया होना चाहिए।

इच्छुक मत्स्य कृषक केज मत्स्य मित्र के रूप में चयन हेतु दिनांक 08.07.2024 को समय 5:00 बजे अपराह्न तक जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह में आवेदन दे सकते है। शेष सूचनाएँ कार्यालय के सूचनापट्ट में देखा जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह।
PR 327470 (Fish) 24-25 (D)

कार्यालयः जिला सहकारिता पदाधिकारी, गिरिडीह।

कृषक बन्धुओं के लिए अति आवश्यक सूचना
पैक्सों (MPCS) में सदस्यता वृद्धि अभियान प्रारंभ

निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची के निदेशानुसार दिनांक–25.06.2024 से 25.07.2024 तक जिला अन्तर्गत सभी पैक्सों (बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समिति लि०) में सदस्यता वृद्धि अभियान प्रारंभ किया जा रहा है।

अतः जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अपने नजदीकी पंचायत स्थित पैक्स में जाकर पैक्स की सदस्यता नियमानुसार ग्रहण करें।

पैक्स (MPCS) की सदस्यता हेतु अर्हता–
- प्रत्येक परिवार से केवल एक ही पुरूष अथवा महिला सदस्य बन सकते है।
- सदस्यता शुल्क 10/– रू०
- शेयर मनी (1) 100/–रू०
- आधारकार्ड की छायाप्रति।
- पैक्स (MPCS) की उपविधि के अनुसार पैक्स (MPCS) की सदस्यता प्राप्त करने हेतु अन्य अर्हता आवश्यक।

पैक्स (MPCS) द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ–
- उर्वरक एवं बीज की उपलब्धता।
- न्यूनतम मूल्य पर धान अधिप्राप्ति संबंधी सुविधा।
- पैक्स (MPCS) द्वारा सी०एस०सी० सेंटर के रूप में कार्य करना।
- जमावृद्धि योजना का संचालन।
- प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में कार्य हेतु अधिकृत।
- जन औषधि केन्द्र के रूप में कार्य हेतु अधिकृत।
- कई पैक्सों (MPCS) द्वारा व्यवसायिक गतिविधि का संचालन।
- सभी पैक्सों (MPCS) को कम्पूटीकृत किया जा रहा है।
- अन्य सुविधाएँ।

➢ आपके नजदीकी पैक्स (MPCS) में सदस्यता फार्म नि–शुल्क उपलब्ध है।
➢ किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर अपने प्रखण्ड के पैक्स (MPCS) अध्यक्ष/प्रबंधक/प्रखण्ड के सहकारिता प्रसार पदाधिकरी/सहायक निबंधक, स०स०, गिरिडीह अंचल, गिरिडीह/जिला सहकारिता पदाधिकारी, गिरिडीह से सम्पर्क किया जा सकता है।

निवेदक
जिला सहकारिता पदाधिकारी
गिरिडीह।
PR 327506 (Co-opretive) 24-25 (D)

उपायुक्त–सह–जिलादण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह।
(अनुसूचित जनजाति, अनुसूचितजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण शाखा गिरिडीह।)
ई–मेल:–dwo-giridih@jharkhandmail.gov.in

–: वनाधिकार अधिनियम 2006 से संबंधित आवश्यक सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अबुआबीर अबुआदिशोम अभियान से संबंधित प्रखण्डों में विशेष कैम्प का आयोजन इस सप्ताह बुधवार एवं गुरूवार को किया जाना है। अपने–अपने प्रखण्डों में आयोजित कैम्प में वनाधिकार अधिनियम 2006 से संबंधित अनुसूचित जनजाति के सदस्य जो 13 दिसम्बर 2005 के पूर्ववनभूमि पर आश्रित है वे अपना व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावा प्रस्तुत कर सकते है तथा अन्य परम्परागत समुदाय जो 13 दिसम्बर 2005 के पूर्व कम से कम 3 (तीन) पीढ़ियों या 75 वर्षो से वनभूमि या वनो पर आश्रित है साक्ष्य के साथ दावा प्रस्तुत कर सकते है।

जिला कल्याण पदाधिकारी, गिरिडीह।
PR 327447 Welfare(24-25)D

15 अगस्त तक इंटर सहायक आचार्य व 5 सितंबर तक स्नातक आचार्य की नियुक्ति

रांची (ससे): मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि आगामी १५ अगस्त २०२४ तक इंटरमीडिएट स्तरीय प्रशिक्षित सहायक आचार्य के ११ हजार पदों पर नियुक्ति और स्नातक स्तरीय प्रशिक्षित सहायक आचार्य के १५ हजार पदों की बहाली आगामी ५ सितम्बर २०२४ तक हर हाल में हो यह सुनिश्चित करें. शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है. यह निर्देश सीएम ने सोमवार को स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की बैठक में अफसरों को दी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षक बहाली का जो लक्ष्य रखा है. उसी अनुरूप कार्य प्रगति में तेजी लाते हुए लक्ष्य को हासिल करना है. इसके लिए शिक्षक बहाली की सभी प्रक्रियाओं को यथाशीघ्र पूरी कर ली जाए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि हमारी सरकार राज्य में शैक्षणिक व्यवस्थाओं को निरंतर मजबूत करने का कार्य कर रही है. स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थियों को शिक्षकों की कमी की वजह से पठन-पाठन में बाधा नहीं पहुंचे, यह हम सभी की नैतिक जिम्मेवारी है.

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में समृद्ध जनजातीय,क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्राथमिक विद्यालयों में जनजातीय व क्षेत्रीय विषयों की पढ़ाई प्रारंभ हो सके. इसके लिए जनजातीय भाषा के ३५३८ और क्षेत्रीय भाषाओं के ८४१८ पदों पर जो नियुक्ति की जानी है, इसकी सभी प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करें. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सदृश्य वादों में पारित न्यायादेश के आलोक में अंतिम काउंसलिंग के आधार पर चयनित १५११ प्रारंभिक शिक्षकों को जल्द नियुक्ति पत्र दी जाए.

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर वैसे स्कूल जिसे कठिन भौगोलिक समस्याओं के कारणों से बंद किया गया था, उन विद्यालयों को फिर से प्रारंभ करने के लिए विभाग द्वारा आवश्यक कार्य योजना बनायी जाए.

मुख्यमंत्री सोरेन ने नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक, पोशाक वितरण, मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना और साइकिल वितरण योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि कक्षा एक से १२ तक के विद्यार्थियों को समय पर पाठ्य पुस्तक उपलब्ध कराई जाए. मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्ष २०२४-२५ में कक्षा १ से १२ तक के विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक आपूर्ति एवं वितरण का कार्य जारी है. निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत सभी विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दिया जाएगा. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पोशाक वितरण कार्य में तेजी लाते हुए शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करें.

मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा एक से १२ तक के विद्यार्थियों को वर्ष २०२३-२४ एवं २०२४-२५ की छात्रवृत्ति राशि अनिवार्य रूप से उनके बैंक खातों में डीबीटी कर दिए जाएं. मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष २०२३-२४ की छात्रवृत्ति राशि कक्षा एक से १२ तक के पात्र विद्यार्थियों को डीबीटी किया जा रहा है. वहीं वर्ष २०२४-२५ के लिए राशि की प्राप्ति होने के उपरांत डीबीटी किए जाने की कार्रवाई की प्रारंभ कर दी जाएगी. मुख्यमंत्री ने छात्रवृत्ति राशि एवं साइकिल वितरण कार्य में तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिया.

मुख्यमंत्री ने सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस विद्यालयों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की कार्य योजना में तेजी लाएं. राज्य के स्कूलों में अध्यनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है. स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्थाओं को हर हाल में सुदृढ़ करना है. राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में बिजली, पानी, शौचालय तथा स्कूल परिसरों के साफ सफाई में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए. अध्यनरत विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा एवं स्मार्ट क्लास की पढ़ाई की व्यवस्था में कोई बाधा नही पहुंचनी चाहिए, यह सुनिश्चित की जाए. मुख्यमंत्री ने समग्र शिक्षा अंतर्गत व्यावसायिक शिक्षा, निपुण समागम-२०२४, विद्यालय प्रमाणीकरण, मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत मेधावी छात्रों के बीच पुरस्कार वितरण, समावेशी शिक्षा मध्यान्ह भोजन योजना सहित विभाग द्वारा किए जा रहे अन्य कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश भी दिए.

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव श्री एल.खियांगे, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अरवा राजकमल, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव श्री उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक (सर्व शिक्षा अभियान) श्री आदित्य रंजन, निदेशक प्राथमिक शिक्षा श्री शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद श्री जयंत मिश्रा सहित अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

शान से सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

रोहित-अर्शदीप का चला जादू; ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया

सेंट लूशिया (एजेंसी): भारत ने सुपर-८ के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को २४ रन से हरा दिया है. भारत की जीत में सबसे बड़ा योगदान रोहित शर्मा, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव ने दिया. रोहित ने ४१ गेंद में ९२ रन की तूफानी पारी खेली, वहीं कुलदीप यादव ने मिडिल ओवरों में आकर २ अहम विकेट चटकाए. उनके अलावा अर्शदीप सिंह एक बार फिर खूब सारे विकेट लेने में सफल रहे. उन्होंने मैच में ३ विकेट लिए, भारत ने पहले खेलते हुए स्कोरबोर्ड पर २०५ रन लगाए थे. मगर जब ऑस्ट्रेलिया लक्ष्य का पीछा करने उतरा तो एक छोर से ट्रेविस हेड डटे रहे, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें साथ नहीं मिल पाया. हेड ने ४३ गेंद में ७६ रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की नांव को जीत तक नहीं खींच पाए. ऑस्ट्रेलिया की हार से अफगानिस्तान खेमे में उत्साह जाग उठा होगा क्योंकि वह अब बांग्लादेश को हराने मात्र से सेमीफाइनल में जा सकता है.

भारत टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने आया था. हालांकि विराट कोहली शून्य के स्कोर पर आउट हो गए, लेकिन रोहित शर्मा ने ४१ गेंद में ९२ रन की पारी खेलकर महफिल लूटी. उन्होंने अपनी पारी में ७ चौके और ८ छक्के लगाए, और इस दौरान मिचेल स्टार्क के एक ही ओवर में ४ छक्के भी जड़े. सूर्यकुमार यादव ने भी तूफानी अंदाज में १६ गेंद में ३१ रन बनाए. अंतिम ओवरों में हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने मिलकर टीम इंडिया का स्कोर २०० रन के पार पहुंचाया. हार्दिक ने १७ गेंद में २७ रन और दुबे ने २२ गेंद में २८ रन बनाए.

जैसे भारत को विराट कोहली के रूप में शुरुआती झटका लगा. वैसे ही अर्शदीप सिंह ने डेविड वॉर्नर को पहले ही ओवर में आउट करके ऑस्ट्रेलिया को तगड़ा झटका दिया. मगर इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड के बीच ८१ रन की साझेदारी हुई. मार्श बढ़िया खेल रहे थे, लेकिन बाउंड्री पर अक्षर पटेल ने उनका अविश्वसनीय कैच पकड़ा. मार्श ने २८ गेंद में ३७ रन बनाए. ग्लेन मैक्सवेल ने कुछ देर ट्रेविस हेड का साथ दिया, लेकिन वो २० रन बनाकर कुलदीप यादव की गेंद पर बोल्ड हो गए.

टीचर की भूमिका में दिखीं कल्पना सोरेन

छात्राओं को दिये सफलता के टिप्स

रांची (ससे): गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन अपने दौरे के पांचवें दिन सर जेसी बोस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स हाई स्कूल गिरिडीह पहुंची.

वहां उन्होंने स्कूल का निरीक्षण किया. साथ ही कल्पना सोरेन वहां की छात्राओं से क्लास रूम में भी मिलीं. उनसे स्कूल के बारे में पूछा और जरूरी टिप्स दिए. कल्पना ने छात्राओं से पूछा कि स्कूल में नियमित क्लास होती है कि नहीं. शिक्षक आते हैं या नहीं. स्कूल में सारी सुविधाएं मिलती है या नहीं. उन्होंने बच्चियों से अंग्रेजी में बातचीत की. कहा कि यह जरूरी नहीं है शुरू-शुरू क्लास में अच्छा नहीं करते हैं, पीछे रहते हैं, वह जीवन में भी पीछे रह जाएं.

हर बच्चे में अलग-अगल गुण होते हैं. जरूरी है, उसे पहचान कर अच्छा करने की. इसलिए आपलोग अपना शत-प्रतिशत दें, पूरी ईमानदारी के साथ. पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी हाथ आजमाएं, एक दिन सफलता आपके कदम चूमेगी. इस मौके पर गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू मौजूद थे.

कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को तुरंत करें दूरः डीजीपी

रांची (एजेंसी): कोर्ट की सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को तुरंत दूर करने का डीजीपी अजय कुमार सिंह ने निर्देश दिया है. डीजीपी ने सोमवार को यह बात समीक्षा बैठक के दौरान कही.

झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए समीक्षा बैठक की गयी.

बैठक में डीजीपी ने सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी, एसएसपी, एसपी से

उनके क्षेत्राधीन न्यायालय परिसर, माननीय न्यायाधीशों और उनके आवासीय कॉलोनियों की सुरक्षा बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की. साथ ही सुरक्षा-व्यवस्था की खामियों को अविलम्ब दूर करने का निर्देश दिया. समीक्षा के क्रम में डीजीपी झारखंड ने न्यायालय परिसरों, न्यायाधीशों और उनके आवासीय परिसरों, कॉलोनियों में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी और बलों की वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा लगातार औचक निरीक्षण करने और पाए गए त्रुटियों का तत्काल निवारण करने का निर्देश दिया.

साथ ही प्रतिनियुक्त पदाधिकारी व बलों को कर्तव्य पर मुस्तैद रहने के लिए उनके प्रशिक्षण, ड्यूटी से पूर्व ब्रीफिंग और लगातार मॉनिटरिंग करते रहने पर जोर दिया गया.

नीट के जले पेपर्स पर मिला हजारीबाग के परीक्षा केंद्र का कोड, मचा हड़कंप

रांची (ससे): नीट पेपर लीक मामले में हर दिन नया नया खुलासा हो रहा है. पटना के जिस रामकृष्णा नगर स्थित एक निजी स्कूल से बरामद हुआ नीट यूजी २०२४ का अधजला जल्द प्रश्न पत्र मिला था. उसका सीरियल कोड हजारीबाग (झारखंड) के मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल परीक्षा केंद्र से लीक हुआ था. बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के सत्यापन में प्रथमदृष्टया इस परीक्षा केंद्र से प्रश्न पत्र की पैकिंग के संदिग्ध पॉलीबैग, संबंधित अभ्यर्थी से बरामद मूल प्रश्न पत्र की पैकिंग और संबंधित पैकिंग टूंक में इन सभी के साथ छेड़छाड़ होना पाया गया है.

ईओयू की जांच में खुलासा हुआ है कि प्रश्न पत्र की सॉल्वड पीडीएफ कॉपी संजीव कुमार उर्फ लूटन मुखिया के माध्यम से गिरफ्तार अभियुक्त बालदेव कुमार उर्फ चिंटू के मोबाइल पर परीक्षा तिथि यानि पांच मई २०२४ की सुबह पहुंची थी. जिसके बाद उसे अभ्यर्थियों को रटवाया गया. अधजले प्रश्न के सीरियल कोड से संबंधित जानकारी २० जुलाई को एनटीए से मिलने के बाद स्पष्ट हुआ कि यह सीरियल कोड हजारीबाग के मंडई रोड के कल्लू चौक स्थित ओएसिस स्कूल का है. इसके बाद ईओयू की टीम ने हजारीबाग जाकर इसका सत्यापन किया. सत्यापन में पैकिंग टूंक में प्रथमदृष्टया छेड़छाड़ होना पाया गया है.

कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के पीएस का निधन

रांची (एजेंसी): कृषि मंत्री बादल पत्रलेख के पीएस (निजी सचिव) का निधन हो गया. मंत्री के पीएस राकेश दुबे उनके सरकारी पीएस थे. बताया जा रहा है कि रात में खाना खाने के बाद वो सोए थे, सोमवार की सुबह जब वह काफी देर तक नहीं उठे तो उनके परिजनों ने उन्हें उठाने का कोशिश की तो उन्हें मृत पाया गया. राकेश दुबे पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित सेल सिटी में रहते थे. वो अगले साल आईएएस रैंक में प्रोन्नत होने वाले थे. यहां बता दें कि राकेश दुबे झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे.

लालपुर में बिना लाइसेंस के हो रहा था बार संचालन, मालिक और मैनेजर गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): जिला के लालपुर में बिना लाइसेंस के बार का संचालन हो रहा था, साथ ही दस बजे के बाद भी तेज आवाज में गाना बजाया जा रहा था. यह मामला ड्रामा बार का है. जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बार के मालिक और मैनेजर को गिरफ्तार कर किया. हालांकि दोनों को थाना से ही बेल देने की प्रक्रिया की जा रही है.

बता दें कि इससे पहले रांची के मेन रोड में स्थित एक्सट्रीम बार में ग्राहकों के साथ बाउंसरों ने मारपीट की थी. साथ ही डीजे संचालक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. इस मामले में हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया था. पिछले दिनों इस मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने बार-रेस्टोरेंट के संचालन में नियम-कानूनी की अनदेखी पर कड़ी टिप्पणी की थी. कोर्ट ने उत्पाद विभाग और प्रशासन को हर हाल में रात्रि १२ बजे बार बंद कराने का निर्देश दिया है. इसके बाद से ही उत्पाद विभाग और रांची पुलिस रेस हो गई है. उत्पाद विभाग ने पिछले १० दिनों में कुल २६ बार-रेस्तरां की जांच की. इन सभी में शर्तों का उल्लंघन मिला. इसके बाद संबंधित बार संचालकों को शो-कॉज करते हुए जवाब मांगा गया है.

हॉर्स ट्रेडिंग मामले में अगली सुनवाई पांच जुलाई को

रांची (एजेंसी): सीबीआई की विशेष अदालत में सोमवार को हॉर्स ट्रेडिंग मामले में प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मदन मोहन शर्मा का बयान दर्ज किया गया. मामला २०१० में हुए राज्यसभा चुनाव से जुड़ा है. अब इस मामले में अगली सुनवाई पांच जुलाई को होगी. बताते चलें कि इस मामले में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, एमएलए उमाशंकर अकेला और राजेश रंजन ट्रायल फेस कर रहे हैं. इस मामले को लेकर निगरानी थाना में केस दर्ज किया गया था. जिसके बाद हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने साल २०१३ में जांच करते हुए चार्जशीट दाखिल किया था.

हाईकोर्ट में हुई लौह अयस्क को हटाने के मामले की सुनवाई

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को सारंडा जंगल में ढंप पड़े लौह अयस्क को हटाने से जुड़े मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान माइंस विभाग के प्रभारी प्रधान सचिव कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए. प्रभारी प्रधान सचिव ने अदालत को बताया कि सारंडा जंगल में बंद पड़े १६ माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों में से ११ माइनिंग कंपनियों का मामला विभिन्न अदालत में लंबित है. पांच माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों को हटाने की प्रक्रिया राज्य सरकार की ओर से चल रही है. इनमें कोई कानूनी बाधा नहीं है. इससे संबंधित फाइल विभागीय मंत्री के पास है, विभागीय मंत्री से अनुमति मिलने पर पांच माइनिंग कंपनियों के लौह अयस्कों को हटाने के लिए चालान जारी किया जाएगा. अब इसकी अगली सुनवाई ३१ जुलाई को होगी. सारंडा के जंगलों में हो रही गैरकानूनी माइनिंग को बंद करवाने और पर्यावरण को बचाने के लिए विधायक सरयू राय ने झारखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी.

डोडा लोड पिकअप वैन जब्त, एक गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): जिले के नामकुम में पुलिस ने डोडा लोड एक पिकअप वैन को पकड़ा. वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रामविलास महतो नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है. सोमवार को अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसएसपी चंदन सिन्हा ने बताया कि सोमवार की सुबह ६.३० बजे लुगुदीह की तरफ से सफेद रंग की पिकअप वैन आता देख कर रूकने का ईशारा किया गया. परन्तु पुलिस बल को देखकर वैन का चालक, गाड़ी रोककर भागने का प्रयास करने लगे. जिसे पीछा कर पुलिस के द्वारा पकड़ लिया गया. पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपना नाम रामविलाश महतो बताया और पिकअप में डोडा लदे होने की जानकारी दी गयी. वाहन की तालाशी लिये जाने पर वैन में सफेद रंग की पिकअप वैन में डोडा भरा हुआ पाया गया, जिसमें से प्रत्येक बोरे का वजन-२५-२५ किग्रा का पाया गया. पकड़े गये व्यक्ति से लदे डोडा के संबंध में कागजात की मांग किये जाने पर उसके द्वारा कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया.चालक की तलाशी लिये जाने पर उसके पैकेट से दो मोबाईल बरामद हुआ और गाड़ी के सीट के नीचे से २.५० लाख रूपया बरामद हुआ.

झारखंड में बारिश के साथ कहीं कहीं दिखेगा धूप-छांव का नजारा

रांची (एजेंसी): झारखंड के मौसम में काफी बदलाव के संकेत मिल रहे हैं. प्रदेश में बारिश के साथ कहीं-कहीं धूप छांव का भी नजारा दिखेगा.

मौसम केंद्र के अनुसार, २५ से २८ जून तक राज्य में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवाओं के झोंके के साथ वज्रपात होने की आशंका है. हवा की गति ३० से ५० किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है. २८ और २९ जून को राज्यभर में बारिश होगी.

बताते चलें कि राज्य के उत्तर पूर्वी हिस्से में मॉनूसन का आगमन हो गया है. मौसम केंद्र ने जानकारी दी है कि राज्य के पाकुड़ और साहेबगंज तक मॉनसून का प्रवेश हो गया है. ऐसे में आने वाले एक दो दिनों में मॉनसून राज्यभर में फैल जायेगा.

मौसम केंद्र के अनुसार, २६ जून को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. इसका प्रभाव गोड्डा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है.

मौसम केंद्र के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की जायेगी. जो तीन से चार डिग्री तक की होगी. वहीं, पिछले कुछ दिनों के दौरान तापमान में कमी महसूस की गयी है.

मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो पिछले तीन दिनों के दौरान तापमान में पांच डिग्री तक की गिरावट महसूस की गयी है.

पिछले २४ घंटे के दौरान सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम के कुमारडुंगी में ४२.५ मिमी बारिश दर्ज की गयी है. जबकि बुड़मू रांची में १२ मिमी, बोरियो में ५.३ मिमी बारिश दर्ज की गयी.

रांची के बड़ा तालाब से बुजुर्ग व्यक्ति का शव बरामद

रांची (एजेंसी): कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बड़ा तालाब से सोमवार को बुजुर्ग व्यक्ति का शव बरामद हुआ है. अहले सुबह लोगों ने शव को बड़ा तालाब में उपलता देखा. इसके बाद मामले की जानकारी कोतवाली थाना को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है.

बुजुर्ग व्यक्ति ने आत्महत्या की है या किसी तरह पानी में गिरने से मौत हुई है, इसका पता अभी नहीं चल पाया है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पायेगा. मृतक की पहचान किशोरगंज रोड नंबर ३ निवासी राजेश तिवारी के रूप में हुई है. राजेश तिवारी के भाई ने कोतवाली थाना में मामला दर्ज कराया है. हालांकि उसने किसी पर भी संदेह व्यक्त नहीं किया है.

लोकतंत्र के मंदिर में दलितों, वंचितों और गरीबों की आवाज उठाएंगे:चंद्रशेखर आजाद

नई दिल्ली (ईएमएस): आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद का कहना है कि वह लोकतंत्र के मंदिर में दलितों, वंचितों और गरीबों की आवाज उठाएंगे। एक समाचार चैनल से खास बातचीत में चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि वह हमेशा मुद्दों की राजनीति करते रहे हैं और संसद में भी वह वंचितों और गरीबों से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे। इसके साथ ही चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था से लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा भतीजे आकाश आनंद को फिर से उत्तराधिकारी घोषित करने तक से जुड़े सवालों पर खुलकर अपने विचार रखे।

पहली बार संसद पहुंचे चंद्रशेखर आजाद ने लोकतंत्र की आधारशिला रखने वाले सभी महानपुरुषों को धन्यवाद दिया और कहा कि भारत के संविधान को खासतौर पर धन्यवाद, जिससे अवसर मिला और हम इस संसद के मंदिर में पहुंच पाए। संविधान की प्रति लेकर संसद भवन पहुंचे आजाद ने बताया, मैं हर वो मुद्दा संसद में उठाऊंगा, जो जनता को प्रभावित करता है, और जिन विषयों पर बात होनी चाहिए। हम उन सभी विषयों को सदन में उठाएंगे। मुद्दों पर ही हमेशा बात होनी चाहिए। मैं कभी धर्म की राजनीति में नहीं करता हूं। मेरी राजनीति हमेशा विषयों पर आधारित रही है। मैंने हमेशा मुद्दों पर ही बात करूंगा। फिर वो चाहे महंगाई हो या फिर बेरोजगारी। वंचित

वर्गों पर जो अन्याय हो रहा है, सबसे ज्यादा तकलीफ मुझे इस बात की होती है।

उत्तरप्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए चंद्रशेखर आजाद ने कहा, यूपी में जिस तरह का अन्याय हो रहा है, वो किसी से छिपा नहीं है। गाजियाबाद में दो दिन पहले ही २ लोगों की हत्या हुई है। फिरोजाबाद में पुलिस की कस्टडी में एक लड़के की मौत हो गई है। दो लड़कों की अलीगढ़ में मौत हुई है। बेहद बुरे हालात हैं। जब लोगों का जीवन बचेगा, तभी तो अन्य चीजों की बात होगी। अगर कोई शख्स जीवित रहेगा, तभी तो रोजगार के लिए लड़ सकेगा। देश के राजनीतिक हालात पर बात करते हुए आजाद ने कहा, हमारे जैसी आर्थिक स्थिति के लोगों का यहां तक आना बड़ी बात है, क्योंकि भारत में ज्यादातर पैसे वाले लोग ही राजनीति में आगे बढ़ रहे हैं। जो लोग आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, जिनके पीछे बहुत बड़ी लिगेसी नहीं है, उन लोगों को ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है, उन्हीं में से मैं एक हूं।

चंद्रशेखर आजाद दलितों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के मुद्दों पर हमेशा बढ़-चढ़कर बोलते हैं। उन्होंने बताया, मैं कोशिश करूंगा कि लोकतंत्र के मंदिर से एक मजबूत आवाज उठे। हर उस वंचित के लिए जो ये उम्मीद कर रहा है कि उसके लिए कोई बोलेगा। मैं उनकी आवाज उठाने के लिए यहां आया हूं, जिनकी आवाज कोई नहीं उठा रहा है।

संपादकीय

फिर भटकता कनाडा...

कनाडा में बढ़ते भारत विरोधी अलगाववाद की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भारत सरकार ने उचित ही कनाडा सरकार से कड़ा विरोध दर्ज कराया है। फिर एक बार खून-खराबे को लालायित चंद खालिस्तानी चरमपंथियों ने तथाकथित नागरिक अदालत आयोजित की है और वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रधानमंत्री का पुतला जलाया है, तो कतई हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा जा सकता। भारत ने कनाडाई उच्चायोग को बाकायदे एक राजनयिक नोट जारी करते हुए अलगाववादी तत्वों की ताजा हरकतों पर अपनी गंभीर आपत्ति जताई है। कनाडा में भारत विरोध को जिस तरह से भड़काने की लगातार साजिशें हो रही हैं, उसमें कहीं न कहीं उस देश की मुख्यधारा की राजनीति का हल्कापन जिम्मेदार है, तभी तो घोषित आतंकी निज्जर को वहां की संसद में मौन श्रद्धांजलि दी गई है। यह वही निज्जर है, जिस पर भारत में हत्या का आरोप था, जो मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल था। उसकी मौत पर कनाडा में आंसू बहाने वालों की जमात निरंतर उग्र होती जा रही है, तो भारत सरकार को कुछ ज्यादा ही सचेत रहना चाहिए। अब यह बात कतई छिपी नहीं है कि जस्टिन ट्रूरूडो की सरकार अलगाववादियों को खुली खिलवाड़ का मौका दे रही है। लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अलगाववाद के प्रति नरमी खुद कनाडा के समाज पर भारी पड़ेगी। अलगाववाद का समर्थक पाकिस्तान आज किस मुकाम पर है, यह हर कोई देख रहा है। बेशक, दोनों देशों के बीच मुख्य मुद्दा कनाडा सरकार द्वारा अपनी धरती पर सक्रिय हिंसक तत्वों को छूट देने का है। दरअसल, कनाडा अपने ही इतिहास को भूल गया है। साल 1985 में 25 जून को मॉट्रियल से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को कनाडाई सिख आतंकियों ने बम विस्फोट से उड़ा दिया था। जमीन से 31,000 फीट ऊपर बम विस्फोट हुआ था, जिसमें 268 कनाडाई, 27 ब्रिटिश व 24 भारतीय मारे गए थे। यह धमाकारी आज भी विमानन आतंकवाद के सबसे दर्दनाक दुष्कृत्यों में से एक है। फिर 23 जून दहलीज पर है, पीड़ित परिजन अपनों की शहादत को हर साल की तरह इस बार भी याद करना चाहते हैं, लेकिन अलगाववादियों को यह चुभ रहा है। विडंबना देखिए, निज्जर को तो संसद में श्रद्धांजलि दी गई, मगर आतंकी हमले के शिकार बेगुनाहों को बाहर कहीं श्रद्धांजलि देने पर आपत्ति हो रही है? ऐसे में, भारत सरकार ने आधिकारिक निंदा का सहारा लेकर दोटूक संदेश दिया है, जो कनाडा के कर्णधारों तक जरूर पहुंचना चाहिए। यह भी गौर करने की बात है कि कनाडा में ही अच्छी नसीहत देने वाले कम नहीं हैं। भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने साफ शब्दों में कहा है कि आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार विचारधारा अब भी उनके देश में कुछ लोगों के बीच जीवित है। कनाडाई संसद में बोलते हुए आर्य ने उचित ही कहा कि खालिस्तान समर्थकों द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाना यह दर्शाता है कि स्याह ताकतें फिर सक्रिय हो गई हैं। वहां हिंदुओं और उनके आयोजनों को निशाना बनाया जाने लगा है। कनाडा 1980 के दशक में ऐसी ही आग से गुजर चुका है, वहां की सरकार ने जब आतंकवाद का दर्द झेलने के बाद कड़ी कार्रवाई की थी, तब अलगाववादी आग काबू में आई थी, आज फिर वैसी ही जरूरत आन पड़ी है।

सिंगापुर को बैकफुट पर ला रही मनी लॉन्ड्रिंग

तुली रेन

एक निजी धन प्रबंधन तेजी से ध्रुवीकृत दुनिया में तटस्थ और विवेकशील रहता है। स्विट्जरलैंड में यूक्रेन में युद्ध को लेकर 2022 में रशिया के खिलाफ यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों को अपनाने का फैसला करने के बाद ज्यूरिख में प्राइवेट बैंकों ने अपनी कुछ चमक खो दी। सिंगापुर, जो लंबे समय से दुनिया के सुपर अमीरों के लिए स्वर्ग रहा है, अब इसका पता लगने वाला है। सिंगापुर में हाल ही में 2.2 बिलियन डॉलर का मनी लॉन्ड्रिंग घोटाला द्वीप देश को बैकफुट पर ला रहा है। यह सरकार को यह पूछने के लिए मजबूर कर रहा है कि क्या नए धन की तीव्र आमद को संभालना बहुत कठिन है? चीनी कंपनियां अमरीका-चीन भू-राजनीतिक तनाव से बचने के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की ओर जा रही हैं। कुछ चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के 'साझा समृद्धि अभियान' से भी दूर भाग रहे हैं। 2019 के बीच, जब यह प्रवृत्ति बढ़ने लगी और 2022 से, प्रत्यक्ष निवेश चीन की वृद्धि दर एक तिहाई से अधिक रही। फास्ट-फैशन ई-कॉमर्स यूनिकॉर्न शीन रूप लिमिटेड जिसका लक्ष्य 60 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक मूल्यांकन पर प्रकाशन करना है, का मुख्यालय अब सिंगापुर में है। हिलहाऊस इन्वैस्टमैंट भी ऐसा ही है, जो चीन के कुछ सबसे बड़े तकनीकी स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए जाना जाता है। यह प्रवृत्ति अब तक सिंगापुर, विशेषकर इसके बैंकों के लिए वरदान रही है। अकेले 2022 में सिंगापुर ने 435 बिलियन डॉलर का नया धन आकर्षित किया जो उसके सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) का लगभग 70 प्रतिशत था। उदाहरण के लिए डी.बी.एस. रूप होल्डिंग्स लिमिटेड की निजी बैंकिंग फैंचाइज़ी फल-फूल रही है। पहली तिमाही में, इसकी शुल्क आय साल-दर-साल 23 प्रतिशत बढ़कर 1 बिलियन (सिंगापुर डालर) तक पहुंच गई, जिससे धन प्रबंधन शुल्क में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले साल की तुलना में इसके शेयरों में एक तिहाई की बढ़ोतरी हुई है और इसने हांगकांग में सूचीबद्ध एच.एस.बी.सी. होल्डिंग्स को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, बैंकिंग में जो एक जोखिम शामिल है, वह है प्रतिष्ठा। आई.एम.डी.बी. घोटाले के विपरीत, जो गोल्डमैन सॉक्स रूप को मुसीबत में डाल दिया, इस बार, पूरे सिंगापुर ब्रांड-इसके निजी बैंकिंग उद्योग के साथ-साथ मनी-लॉन्ड्रिंग नियमों का भी मूल्यांकन किया जा रहा है। आखिरकार, सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि बैंकों का एक पूरा समूह हालिया मामले में फंस गया। मूल रूप से चीन के एक समूह ने एक से अधिक माध्यमों से ऑनलाइन जुए से अरबों डॉलर कमाए।ऐसा लगता है कि सिंगापुर नियामकीय कार्रवाई के लिए तैयार है। अपनी छवि दांव पर लगाते हुए सिंगापुर ने पारिवारिक कार्यालयों की जांच को निजी संपत्ति का एक व्यापक, अपारदर्शी, अनियमित उपसमूह बना दिया है। यह बैंकों को अवैध प्रवाह के जोखिम से बचने के लिए उचित परिश्रम बढ़ाने के लिए भी प्रेरित कर रहा है। सिंगापुर के केंद्रीय बैंक ने एक नई डिजिटल सूचना सांझाकरण प्रणाली शुरू की, जिससे वित्तीय संस्थानों को ग्राहक डाटा सांझा करने और लाल झंडे उठाने की अनुमति मिल गई। इन दिनों, सिंगापुर में कर छूट के साथ पारिवारिक कार्यालय शुरू करने में बहुत अधिक समय लग रहा है।

आज का कार्टून

अधूरे वायदों के बीच किसानों का असंतोष दूर कैसे हो

बीके झा

> विशेषज्ञों का तर्क है कि कानूनी रूप से एम.एस.पी. की गारंटी देने से राजकोषीय बोझ और संभावित मुद्रास्फीति प्रभाव पैदा हो सकते हैं। हालांकि, इस प्रभाव पर राय अलग-अलग हैं। कुछ लोगों का मानना है कि खेती की लागत को नियंत्रित करने से मुद्रास्फीति की चिंता कम हो सकती है। सभी फसलों के लिए एम.एस.पी. कार्यान्वयन की लागत भी अनिश्चित है, जो बाजार की कीमतों, सरकारी खरीद की मात्रा और अवधि के साथ बदलती रहती है। कृषि भूमि निवेश से जुड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता एक अधिक प्रभावी दृष्टिकोण हो सकता है। किसानों को मूल्य स्थिरीकरण निधि से भी लाभ हो सकता है, ताकि बाजार की कीमतें एम.एस.पी. के स्तर से नीचे गिरने पर अंतर को कवर किया जा सके। रणनीतियों का यह संयोजन महत्वपूर्ण राजकोषीय या मुद्रास्फीति संबंधी मुद्दों को पैदा किए बिना किसानों को बेहतर समर्थन दे सकता है।

सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में प्रवेश कर रही है, इसलिए कृषक समुदाय का विश्वास जीतने के लिए वास्तविक और पर्याप्त सुधारों की आवश्यकता होगी, जो किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दें। कृषि हमेशा से भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना का आधार रही है। अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, इस क्षेत्र ने हाल के वर्षों में केंद्र सरकार के साथ खटास भरे संबंधों को देखा है। कृषि में क्रांति लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी वायदों और उसके बाद की नीतियों को अक्सर कृषक समुदाय के संदेह और गुस्से का सामना करना पड़ा है।

यह असंतोष राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में हाल ही में हुए आम चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। विवादास्पद कृषि कानून और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) के लिए कानूनी गारंटी की अधूरी मांग सहित इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले गहरे मुद्दे किसानों की पीड़ा और गुस्से को बढ़ाते रहते हैं। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जिसमें से 47 प्रतिशत कृषि पर निर्भर है। भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद, कृषि आय स्थिर रही है जो 2019 में औसतन लगभग 10,000 रुपए मासिक रही। आधे परिवार कर्ज में डूबे हुए हैं और उनके पास पारंपरिक वित्त पोषण की कमी है।

पिछले एक दशक में खेती पर सार्वजनिक खर्च में कमी आई है और जरूरी सुधार लागू नहीं किए गए हैं। नतीजतन, कृषि क्षेत्र, जो भारत के लगभग आधे श्रमिकों को रोजगार देता है, सकल घरेलू उत्पाद में पांचवें हिस्से से भी कम योगदान देता है। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का मोदी का वायदा अभी भी अधूरा है। 2014 में शुरू हुए मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में किसानों की आय दोगुनी करने के वायदों के साथ कृषि पर काफी ध्यान दिया गया था। हालांकि, ये वायदे विवादों और किसान विरोधी नीतियों के कारण दब गए। 2020-21 में किसानों की पीड़ा और गुस्सा अपने चरम पर पहुंच गया और फसल बिक्री, मूल्य निर्धारण तथा भंडारण के नियमों को आसान बनाने के उद्देश्य से विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए।

मोदी द्वारा कानूनों को निरस्त करने का वायदा करने के बाद विरोध प्रदर्शन समाप्त हो गए। किसानों ने 23 फसलों के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत एम.एस.पी. की मांग की, जो वैज्ञानिक एम.एस. स्वामीनाथन की सिफारिश के अनुसार उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक है। जबकि सरकार 22 फसलों के लिए एम.एस.पी. निर्धारित करती है, यह मुख्य रूप से कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए केवल गेहूं और चावल खरीदती है और निजी खरीदारों को कानूनी तौर पर एम.एस.पी. का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होती है।

विवादास्पद कृषि कानूनों का उद्देश्य कृषि क्षेत्र को उदार बनाना था, लेकिन कई किसानों ने इसे अपनी आजीविका के लिए खतरे के रूप में देखा। इसके बाद हुए लंबे विरोध प्रदर्शनों के कारण अंततः इन कानूनों को वापस ले लिया गया, फिर भी अंतर्निहित असंतोष कायम रहा। हाल के लोकसभा चुनावों में इस चल रहे गुस्से को दर्शाया गया जिसमें कृषि के मुद्दों को लेकर सत्तारूढ़ पार्टी को काफी नुकसान हुआ।

भारतीय कृषि मंत्रियों का भविष्य क्या है? नव-नियुक्त कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को चुनौतियों का समाधान करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश के कृषि परिदृश्य को बदलने की अपनी सभी विशेषज्ञता और अनुभव को लाना होगा। उन्हें अपने पूर्ववर्तियों के भाग्य के बारे में उत्सुक और सतर्क रहना चाहिए। तत्कालीन केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह के नेतृत्व में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के आरंभकर्ता को फिर कभी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया। मृदा उत्पादकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई यह योजना अप्रभावी और विवादों में फंस गई।

नरेंद्र सिंह तोमर सहित बाद के मंत्री मध्य प्रदेश राज्य की राजनीति में चले गए और अब वे विधानसभा में स्पीकर हैं। हाल ही में, अर्जुन मुंडा को चुनावी हार का सामना करना पड़ा। जूनियर मंत्रियों कैलाश चौधरी और संजीव बालियान की हार भी सरकार की कृषि नीतियों से किसानों के असंतोष का संकेत देती है। कृषक समुदाय की एक महत्वपूर्ण मांग एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी रही है। इस मांग को पूरा करने में सरकार की विफलता गुस्से का एक महत्वपूर्ण स्रोत रही है। किसानों का तर्क है कि कानूनी रूप से गारंटीकृत एम.एस.पी. बाजार में उतार-चढ़ाव और बिचौलियों द्वारा शोषण के खिलाफ सुरक्षा जाल प्रदान करेगा। कई आश्वासनों के बावजूद, मोदी प्रशासन ने इस आशय का कानून नहीं बनाया है, जिससे यह धारणा बनी है कि उनके हितों की अनदेखी की जा रही है।

विशेषज्ञों का तर्क है कि कानूनी रूप से एम.एस.पी. की गारंटी देने से राजकोषीय बोझ और संभावित मुद्रास्फीति प्रभाव पैदा हो सकते हैं। हालांकि, इस प्रभाव पर राय अलग-अलग हैं। कुछ लोगों का मानना है कि खेती की लागत को नियंत्रित करने से मुद्रास्फीति की चिंता कम हो सकती है। सभी फसलों के लिए एम.एस.पी. कार्यान्वयन की लागत भी अनिश्चित है, जो बाजार की कीमतों, सरकारी खरीद की मात्रा और अवधि के साथ बदलती रहती है। कृषि भूमि निवेश से जुड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता एक अधिक प्रभावी दृष्टिकोण हो सकता है। किसानों को मूल्य स्थिरीकरण निधि से भी लाभ हो सकता है, ताकि बाजार की कीमतें एम.एस.पी. के स्तर से नीचे गिरने पर अंतर को कवर किया जा सके। रणनीतियों का यह संयोजन महत्वपूर्ण राजकोषीय या मुद्रास्फीति संबंधी मुद्दों को पैदा किए बिना किसानों को बेहतर समर्थन दे सकता है।

लोकजीवन की आत्मगाथा और हमारा समाज

> हरेक भाषा का लोक साहित्य आधुनिक साहित्य को सदैव से ऊर्जावान करता आया है। लोककथा की प्राचीन और समृद्ध परंपरा से संस्कार ग्रहण कर आधुनिक कहानी को नूतन आयाम दिए जा सकते हैं, क्योंकि लोककथा अपने कथ्य और कहनपन के बल पर श्रोता और पाठक को सम्मोहित किए रहती है और उसके मन में यह उत्सुकता बनाए रखती है कि आगे क्या होगा। सफल कहानी भी वही कहलाती है जो पाठक और श्रोता को अंत तक बांधे रखे, उसमें उत्सुकता बनाए रखे। लोककथा और लोक साहित्य की गरिमामय परंपरा को समझ कर, उसकी सामर्थ्य से ऊर्जा ग्रहण कर, सृजन को नई दृष्टि, नया शिल्प दिया जा सकता है। लोक साहित्य की सबल और समृद्ध परंपरा से प्रेरणा लेकर हम आधुनिक साहित्य को ज्यादा आगे बढ़ा सकेंगे।

बुलाकी शर्मा

लोक साहित्य का सृजक लोक ही है, इसीलिए उसमें लोक-जीवन की आत्म गाथा समाहित होती है। लोक साहित्य मानव जीवन जितना ही प्राचीन है। अपने जन्म के साथ ही मनुष्य ने कथाएं कहनी शुरू कर दी थीं- यथार्थपरक भी और काल्पनिक भी। इन कथाओं में उसके अपने अनुभवों की कथाएं हैं, साथ ही अपने तत्कालीन समय और समाज की घटनाओं और कथाओं का समावेश है। समय के साथ-साथ समाज में बदलाव की बयार चलती रहती है और समय के साथ कदम-ताल करते हुए लोक साहित्य में भी बदलाव होता रहा। लोक साहित्य समय के साथ यात्रा करता आया है। परिवर्तनों को स्वीकारता रहा है। इसमें वह समय भी है, जब सैलानी जादुई उड़नखटोले से भ्रमण करते नजर आते हैं, लेकिन समय के साथ-साथ जैसे-जैसे विकास होता गया, सैलानी उड़नखटोले की जगह हेलिकाप्टर, हवाईजहाज से सफर करने लगे। लोक साहित्य की यह सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह परंपराओं का ध्यान रखते हुए भी रूढ़ियों को पकड़ कर एक जगह ठहरता नहीं। वह समय के साथ चलता है और समय के सच से साक्षात करते हुए कभी-कभी समय से आगे चलता भी दिखता है। तभी कहा जाता है कि किसी संस्कृति के संबंध में गहराई से जानने के लिए वहां के लोक साहित्य को जानना जरूरी है, क्योंकि उसमें संस्कृति का सच्चा स्वरूप दृष्टिगोचर होता है।

लोक साहित्य में लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि सभी रूप शामिल हैं। इनकी भाषा इतनी सहज-सरल-सरस होती है कि वे लोक-कंठों में बस जाती हैं। आज के आत्ममुग्ध और आत्म-प्रचार के समय में हम लोक साहित्य सृजकों के आत्म-प्रचार से दूर रहने की मनस्थिति पर विस्मय ही कर सकते हैं। अपनी प्रसिद्धि, मान-सम्मान या अपने नाम के प्रचार की लालसा का भाव उनमें लेशमात्र भी नहीं था। अपनी रचनाओं में भी वे ऐसा संकेत करने से बचते रहे, जिससे कि उनकी पहचान की जा सके। अपने नाम के प्रचार के मोह से वे पूरी तरह मुक्त थे। उन्होंने लोक में जो देखा, जो अनुभव किया, उसे अभिव्यक्त करते हुए अपने लोक-दायित्व का निर्वहन किया। अपने मन के भावों को गीत, गाथा या कथा के माध्यम से अभिव्यक्त करने में ही उन्हें आत्मिक तृप्ति की अनुभूति होती थी। उनके मन के भाव इतने अनुभूत, यथार्थपरक, सच्चे और प्रभावोत्पादक होते थे कि उनके अंतःस्थल से निसृत बोल लोग आत्मसात कर लेते थे, उन्हें वे कंठस्थ हो जाते थे और अन्य लोगों को सुनाने में उन्हें आनंद का अनुभव होता था। इस श्रुति-परंपरा ने वर्षों से लोक साहित्य को लोगों के कंठों में बसाए रखा है। श्रुति-परंपरा के सहारे ही वे आज तक हमारे बीच जीवित हैं।

देशी-विदेशी, सभी भाषाओं का लोक साहित्य लोक से जुड़ाव रहा है। मनुष्य-समाज में लोक ही ऐसा वर्ग रहा है जो अभिजात्य संस्कारों, पांडित्य प्रदर्शन या दंभ से मुक्त रहकर परंपराओं को आत्मसात किए हुए लोकचित्त की बात करता है। मौखिक लोक साहित्य कंठों से कंठों की यात्रा करते हुए, श्रुति-परंपरा के माध्यम से अपना स्वरूप बनाता और सुधारता रहा है। धीरे-धीरे उसे लिखित स्वरूप भी मिलता रहा है। फिर भी लगभग सभी भाषाओं का अधिकांश लोक साहित्य आज भी लोक-कंठों में बसा हुआ है। उसका लिखित स्वरूप बहुत कम मात्रा में आ पाया है। अग्रज पीढ़ी के लेखकों ने लोक कथाओं के संग्रहण और संरक्षण के लिए प्रशंसनीय कार्य किया, लेकिन युवा पीढ़ी का इस ओर रुझान कम ही नजर आ रहा है, जबकि अभी भी लोक साहित्य पर काम करने की महती आवश्यकता है।

अगर इस अमूल्य धरोहर को लिखित रूप में संरक्षित करने का हम ईमानदार प्रयत्न नहीं करेंगे तो धीरे-धीरे यह लोक साहित्य लुप्त हो जाएगा। महिलाएं सदियों से लोक गीतों को संरक्षित करने का काम करती रही हैं। जन्म से मृत्यु तक के सभी संस्कारों में महिलाएं लोक गीत गाती हैं। इन लोक गीतों में समय के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक आदि क्षेत्रों में आते बदलावों की झांकी भी हम देख सकते हैं, लेकिन खेद है कि आज की युवा पीढ़ी लोकगीतों से विमुख होने लगी है। उन पर सोशल मीडिया का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और वे लोकगीतों की जगह फिल्मी गीतों-गजलों, उनकी पैरोडियों की ओर ज्यादा आकर्षित होने लगे हैं, जो लोकगीतों के संरक्षण के लिहाज से चिंताजनक है।

हरेक भाषा का लोक साहित्य आधुनिक साहित्य को सदैव से ऊर्जावान करता आया है। लोककथा की प्राचीन और समृद्ध परंपरा से संस्कार ग्रहण कर आधुनिक कहानी को नूतन आयाम दिए जा सकते हैं, क्योंकि लोककथा अपने कथ्य और कहनपन के बल पर श्रोता और पाठक को सम्मोहित किए रहती है और उसके मन में यह उत्सुकता बनाए रखती है कि आगे क्या होगा। सफल कहानी भी वही कहलाती है जो पाठक और श्रोता को अंत तक बांधे रखे, उसमें उत्सुकता बनाए रखे। लोककथा और लोक साहित्य की गरिमामय परंपरा को समझ कर, उसकी सामर्थ्य से ऊर्जा ग्रहण कर, सृजन को नई दृष्टि, नया शिल्प दिया जा सकता है। लोक साहित्य की सबल और समृद्ध परंपरा से प्रेरणा लेकर हम आधुनिक साहित्य को ज्यादा आगे बढ़ा सकेंगे, इसमें कोई संदेह नहीं है।

हिप्नोथैरेपी
आत्मविश्वास के लिए
अचूक इलाज

हमारे देश में सम्मोहन यानी हिप्नोटिज्म को एक चमत्कार के रूप में देखा जाता है। प्राचीन ग्रंथों में सम्मोहन का जिक्र कठिन सिद्धि के रूप में किया गया है। सम्मोहन सदैव ही जिज्ञासा एवं आश्चर्य का विषय रहा है। इसे विज्ञान और किंवदंतियों की सीमा रेखा भी कह सकते हैं।

आजकल कई टीवी धारावाहिकों में सम्मोहन का इस्तेमाल रहस्य उत्पन्न करने के लिए भी किया जाता है जबकि विदेशों में इसे गंभीर विषय मानते हुए शोध हो रहे हैं। आधुनिक रूप से सम्मोहन 18वीं शताब्दी से प्रारंभ हुआ था। इसे अर्ध-विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित कराने का श्रेय ऑस्ट्रियावासी फ्रांस मेस्मर को है। हिप्नोटिज्म शब्द का आविष्कार 19वीं शताब्दी के डॉ. जेम्स ब्रेड ने किया। सम्मोहन व्यक्ति के मन की वह अवस्था है जिसमें उसका चेतन मन धीरे-धीरे तन्द्रा की अवस्था में चला जाता है और अर्धचेतन मन सम्मोहन की प्रक्रिया द्वारा निर्धारित कर दिया जाता है। साधारण नींद और सम्मोहन की नींद में अंतर होता है। साधारण नींद में हमारा चेतन मन अपने आप सो जाता है तथा अर्धचेतन मन जागृत हो जाता है। इस परिवर्तन के लिए किसी बाहरी शक्ति का उपयोग नहीं होता, जबकि सम्मोहन तन्द्रा में सम्मोहनकर्ता चेतन मन को सुलाकर अचेतन को आगे लाता है और उसे सुझाव के अनुसार कार्य करने के लिए तैयार करता है। हर व्यक्ति का जीवन उसके या किसी और व्यक्ति के सुझावों पर चलता है। व्यक्ति को सम्मोहन करने के लिए सकी पांचों इंद्रियों के माध्यम से जो प्रभाव उसके मन पर डाला जाता है उसे ही यहां सुझाव कहते हैं।

हमारे मन की मुख्यत: दो अवस्थाएं होती हैं - चेतन मन और अचेतन मन। हमारा अचेतन मन चेतन मन की अपेक्षा अधिक याद रखता है एवं सुझावों को ग्रहण करता है। बहुत से लोगों की धारणा है कि केवल कमजोर इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति को ही सम्मोहित किया जा सकता है। इसके विपरीत दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति को भी आसानी से सम्मोहित किया जा सकता है। हर व्यक्ति को सम्मोहित करने का तरीका समान नहीं होता। हर व्यक्ति के अनुसार सुझाव भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। हम अपने आप को भी विभिन्न प्रकार के सुझाव दे सकते हैं। रात्रि में अर्धजागृत अवस्था के दौरान वे सुझाव हम अपने आपको देकर आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

मैं सब बातों में बेहतर होता जा रहा हूं/रही हूं।
मैं दिन-प्रतिदिन अपने कार्यों में कुशल होता जा रहा हूं/रही हूं।
मैं सदा स्वस्थ, प्रसन्नचित, उत्साहित रहता हूं/रहती हूं।
मैं अपनी सभी शुभ इच्छाएं पूर्ण करने में समर्थ हूं।
मेरा अपने क्रोध पर पूर्ण नियंत्रण है, मैं चर्चा के समय उत्तेजित नहीं होता हूं/होती हूं।
मेरी स्मरण शक्ति अच्छी होती जा रही है, मुझे नई बातें सीखने में आसानी होती है।
मेरी भाषण देने की योग्यता बढ़ती जा रही है।
मेरा व्यक्तित्व आकर्षक एवं प्रभावशाली है।
ऐसे विभिन्न प्रकार के सुझाव हम रात को सोने के पूर्व अपने आपको अनेक बार देकर कुछ ही दिनों में चमत्कारिक परिणाम पा सकते हैं। बीमारियों के इलाज में भी हिप्नोथैरेपी कारगर सिद्ध हो सकती है। इसके जरिए असाध्य रोगों का भी उपचार संभव है। पिछले कुछ वर्षों से हुए शोध से हिप्नोथैरेपी मानसिक विकारों को दूर करने सहित पारिवारिक विवादों के हल में भी कारगर सिद्ध हुई है। इसके माध्यम से हम न केवल गुर्दा प्रत्यारोपण के समय की जाने वाली सर्जरी का तनाव कम कर सकते हैं, अपितु इसके माध्यम से हम प्रसव के समय होने वाली पीड़ा को भी कम कर सकते हैं।

ताली पीटने से
भाग जाते हैं रोग

पिछले करीब 5 सालों से हर दिन नहाने के बाद 15 मिनट ताली बजाता हूं। मेरा अनुभव रहा है कि बेहद खराब जीवन शैली व रोगों के घर मौटापे के बावजूद केवल इस आदत ने अब तक मेरी रक्षा की है। ताली बजाने के फायदे पर मेरा भरोसा इस कदर बढ़ा है कि कोई पेट या सिर में होने वाली किसी भी परेशानी के लिए अच्छे डॉक्टर की सलाह मांगता है तो मैं पहले ताली की महिमा का बखान करने लग जाता हूं। जिन लोगों ने मेरी यह सलाह मानी वे सभी मेरे शुक्रगुजार हैं ।

पिछले महीने की एक घटना के बाद लगा कि मुझे अपना यह अनुभव विशाल पाठक वर्ग से भी बांटना चाहिए। खबरों की टोह लेने कुछ लंबे छरहरे स्वास्थ्य रिपोर्टरों के साथ शास्त्री भवन में था। वहां खुली सस्ती जेनेरिक दवा की सरकारी दुकान में घुस गया। वहां कक्ष में बैठे एमबीबीएस डॉक्टर से हम सब ने अपना ब्लड-प्रेशर नपवाया। मेरे ब्लड-प्रेशर की 120/80 रीडिंग देख कर उन्हें सहज यकीन ही नहीं आया।

50 से अधिक उम्र और इतनी बड़ी तोंद के बावजूद इतना आदर्श ब्लड-प्रेशर, कैसे संभव है। दूसरे साथियों का ब्लड-प्रेशर भी सामान्य था लेकिन इतना सामान्य नहीं था। जब मैंने डॉक्टर को ताली बजाने की बात बताई तो उन्हें बात तुरंत समझ में आ गई। वे भी ताली के फायदे से अच्छी तरह वाकिफ थे। उन्होंने कहा कि नियमित ताली बजाने वाले को कम से कम ब्लड-प्रेशर की बीमारी तो नहीं हो सकती। लेकिन अगर अपने अनुभव की बात करूं तो ताली बजाने के अनगिनत फायदे हैं। नियमित रूप से ताली बजा कर कीर्तन-भजन करने वालों पर भगवान की कितनी कृपा होती है यह तो किसी को पता नहीं लेकिन मेरा विश्वास है कि निश्चित रूप से कई रोग उनके पास नहीं फटक पाते होंगे। दक्षेस देशों के स्वास्थ्य पत्रकारों के संगठन हेल्थ एसोसिएट एंड ऑथर्स लीग (हील) के संस्थापक सेक्रेटरी जनरल की हैसियत से पत्रकारों के वर्कशॉप में मैं यही कहते हुए शुरू करता था कि इतनी बड़ी तोंद होते हुए मुझे स्वास्थ्य पर भाषण देने का हक नहीं है। तोंद होना कई बीमारियों का घर माना जाता है लेकिन मैं अपने लंबे अनुभव के आधार पर अब स्वास्थ्य संपादक की हैसियत से यह दावे के साथ कह सकता हूं कि ताली बजाने के कई फायदे हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे अनुभव को इलाज की किसी विधि के प्रभावी होने के प्रमाण के रूप पेश किया जा सकता है। ताली बजाना इलाज की प्रभावी विधि एक्यूप्रेशर का एक सहजतम रूप है। कभी मुझे अवसर डिप्रेशन (अवसाद) घेरे रहता था। सिर हमेशा भारी भारी, अक्सर दर्द, पेट में गैस, कभी भी कुछ हो जाने का डर सवार रहता था। केवल ताली बजाने मात्र से मेरी सारी समस्याएं दूर हो गई हैं। आत्मविश्वास भी काफी बढ़ा है। लगता है, ताली बजाता रहूं तो कभी कोई रोग होगा ही नहीं । ताली का इतना मुरीद इसलिए भी हूं, क्योंकि मेरी जीवन शैली अच्छे स्वास्थ्य के अनुरूप कतई नहीं है। रात को काफी देर से खाना खाता हूं। टीवी देखने की इतनी बुरी आदत है कि नींद भाग जाती है। मुश्किल से 2-3 घंटे सो पाता हूं। सुबह टहलने का तो सवाल ही नहीं। सोचिए, जीवन शैली ठीक होती तो ताली से और कितने फायदे होते। ताली मुझे इस खराब जीवन शैली के दुष्प्रभाव से बचा रही है। ठीक से सो नहीं पाने की वजह से सुबह मन भारी जरूर लगता है लेकिन ताली बजाते ही इतना तरोताजा महसूस करने लगता हूं कि मत पूछिए। सोचता हूं कोई जादू तो नहीं हो गया। कहने का यह मतलब कतई नहीं है कि कोई गंभीर रोग है तो सबकुछ छोड़कर ताली पीटना शुरू कर दें। किडनी खराब हो गई है तो ताली पीटने से वह ठीक नहीं होने वाली। यह रोगों से बचाव में बहुत अधिक प्रभावी है लेकिन रोग हो गया है तो ताली उसकी दवा नहीं हो सकती। हां, इतना तय है कि इलाज के साथ-साथ ताली बजाएं तो जल्दी फायदा जरूर होगा। मैं कांटेदार बेलन पर तलवे को 10 मिनट घिसता भी हूं। यह भी एक्यूप्रेशर की ही विधि है । मेरा एक दूसरा अनुभव भी बांटने योग्य है। सिर के बाल के तेजी से झड़ने को रोकने की कवायद में खासा परेशान था । सिर के बीच में चांद निकल आया था। कई उपाय किए। बाल झड़ना बंद नहीं हुआ। लगा इस गति से तो जल्द ही सफाचट हो जाएगा। तभी किसी ने सरसों तेल आजमाने की सलाह दी। तब से रोज नहाने के पहले पूरे माथे में चुपड़ लेता हूं। फिर कुछ मिनट बाद तेल का प्रभाव खत्म करने के लिए शैंपू लगा लेता हूं। मानें या न मानें, इस विधि के प्रयोग के बाद बाल का झड़ना जो रुका तो आज तक एक बाल भी बाका नहीं हुआ है। इन सहज उपायों को देखकर तो आर्कमीडीज की तरह यूरेका (मिल गया) ! यूरेका! कहने का मन होता है। कहीं यह कोई दवा तो नहीं!

ताली बजाना इलाज की प्रभावी विधि एक्यूप्रेशर का एक सहजतम रूप है। नियमित ताली बजाने वाले को कम से कम ब्लड-प्रेशर की बीमारी तो नहीं हो सकती। चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे अनुभव को इलाज की किसी विधि के प्रभावी होने के प्रमाण के रूप पेश किया जा सकता है।

दर्द का अंत करे
फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी

फेशियल रिफ्लेक्सोलॉजी के माध्यम से आपके शरीर के किसी हिस्से में दर्द का इलाज आपके ही चेहरे के किसी पाइंट पर दबाव बनाकर किया जाता है। इस उपचार पद्धति का आधारभूत सिद्धांत चीनी औषधि है, जिसके अनुसार शरीर में ऊर्जा का संचार 12 अदृश्य पंक्तियों में होता है, जिसे मेरिडीयन्स भी कहा जाता है।

एक्यूप्रेशर और पैरों और हाथों की रिफलेक्सोलॉजी। इसमें नर्वस सिस्टम को प्रेरित करने के तरीके शामिल हैं। सभी शिराएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं और हम उन जगहों को खोज रहे हैं, जहां इसका सबसे ज्यादा असर होता है। एक दूसरा कारण इसके लोकप्रिय होने का यह है कि ये शरीर में रक्त-संचार की प्रक्रिया को भी बढ़ाता है, जिससे अपने आप शरीर के विकार ठीक होने लगते हैं। ये त्वचा को चमकदार, युवा और ताजगी भरा बनाए रखने में भी असरकारक है। इसकी सफलता पर इसलिए भी संदेह नहीं किया जा सकता है, क्योंकि दिमाग हमारे शरीर का नियंत्रक-केंद्र है और चेहरा पैरों की तुलना में इसके सबसे करीब है। तो फेशियल रिफलेक्सोलॉजी फूट रिफलेक्सोलॉजी की तुलना में ज्यादा तेजी से काम करती है। कुछ सामान्य समस्या जैसे अनिद्रा, तनाव और सिरदर्द में ये थैरेपी आराम देती है। ये सही है कि इसके परिणाम तुरंत नजर नहीं आते हैं। ये किसी दूसरे तरह की मालिश की तरह है। कम से कम 5 सिटिंग के बाद ही इसके परिणाम नजर आते हैं।

कोरिया की उपचार पद्धति सुजोक की तरह की ही एक और उपचार पद्धति फेशियल रिफलेक्सोलॉजी का इन दिनों खासा प्रचार हो रहा है। ब्रिटेन में इस उपचार पद्धति के लगभग 35 हजार रिफलेक्सोलॉजिस्ट प्रैक्टिस कर रहे हैं। इसके तहत यह माना जाता है कि हमारा चेहरा हमारे पूरे शरीर का प्रतिनिधित्व करता है। जैसे नाक और जॉलाइन दिल का, आंखों की कोर गॉल ब्लैडर का, होंठों के ऊपर, नाक के पास और आंखों के नीचे के कुछ हिस्से पेट का और गालों के आस-पास के हिस्से हार्मोंस से जुड़े हुए हैं।

इस उपचार पद्धति के माध्यम से आपके शरीर के किसी हिस्से में दर्द का इलाज आपके ही चेहरे के किसी पाइंट पर दबाव बनाकर किया जाता है। फेशियल रिफलेक्सोलॉजी एक ऐसा इलाज है, जो उपचार की तीन प्राचीन पद्धतियों चायनीज मेरीडियन, चायनिज एनर्जी मेडिसीन और एक्यूपंक्चर पाईंट्स, वियतनामी और एंडीयन ट्राइब्स बॉडी मैप से प्रेरित है। इस उपचार पद्धति का आधारभूत सिद्धांत चीनी औषधि है, जिसके अनुसार शरीर में ऊर्जा का संचार 12 अदृश्य पंक्तियों में होता है, जिसे मेरिडीयन्स भी कहा जाता है। होता क्या है कि जब कोई पंक्ति अवरुद्ध होने लगती है या फिर किसी तरह की कोई रुकावट होती है तो ये शरीर के दूसरे क्रियाशील हिस्सों पर प्रभाव डालने लगती है। यही सिद्धांत उपचार की दूसरी पद्धतियों जैसे रैकी, एक्यूपंक्चर आदि का भी आधार है, ये सब भी ऊर्जा के प्रवाह के सिद्धांत पर आधारित है। स्पा कंसल्टेंट बताती है कि - इसकी मूलभूत प्रेरणा है बहुत ज्यादा काम या नया काम ही तनाव नहीं देता। कई बार वही पुराना काम व नए चुनौतीपूर्ण काम का अभाव भी हमें टेंशन दे सकता है! अगर आप लगातार एक जैसा काम करते हुए बोर हो रहे हैं तो संभल जाइए यह आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

बीमारियों से बचना है तो
बोर होने से बचें

अगर आप लगातार एक जैसा काम करते हुए बोर हो रहे हैं तो संभल जाइए यह आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

बोर होने के नुकसान

- लगातार बोर होते रहने से जीवन में नीरसता आ जाती है, इससे चेहरे की त्वचा अपनी चमक खोने लगती है।
- जीवन के प्रति उत्साह ना रहने से चिड़चिड़ापन और उद्वीग्नता आ जाती है।
- आंखें बुझी-बुझी लगती है।
- छोटे-छोटे रोग शरीर में घर बनाने लगते हैं।
- सबसे पहला असर प्राकृतिक भूख पर पड़ता है। भोजन के प्रति अरुचि होने लगती है।

क्या करें

बोरियत से बचने के लिए अपनी रुचि के अनुरूप कार्यों के लिए समय निकालें। कुछ समय योग, भक्ति या व्यायाम के लिए निकालें।
मित्रों एवं परिवार वालों के साथ समय बिताएं। प्राकृतिक स्थानों पर जाएं।
ऐसी पुस्तकें पढ़ें, जिनमें आपकी रुचि हो। मनपसंद संगीत सुनें।
सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं।

हर बच्चा अलग होता है, खास होता है और बेहद प्यारा होता है। अपने बच्चे की परवरिश के दौरान यह जरूर याद रखें। अपने बच्चे को अपनी तरह से जीने के लिए तैयार करें, ना कि किसी दूसरे के बच्चे की तरह। इससे वह भी खुश रहेगा और आप भी।

आपका बच्चा है सबसे खास

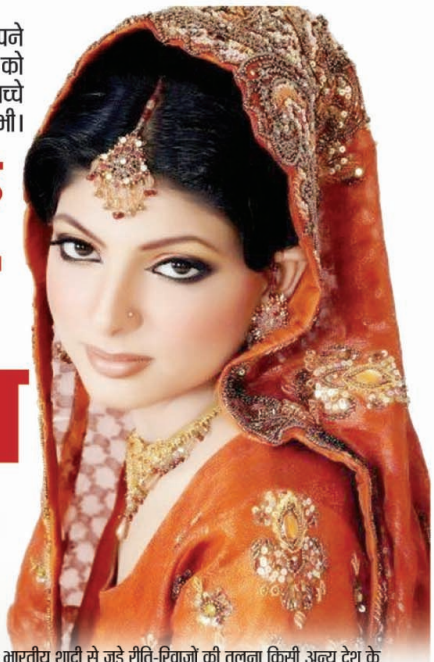

शिवानी बचपन में खासी जिद्दी थी। खाना खाने के नाम पर बिस्तर के नीचे घुस जाती। मां और दादी को खूब चिरौरी करके उसे खाना खिलाना पड़ता। अगर उसका स्कूल यूनिफॉर्म जरा सा भी मैला होता, तो वह स्कूल ही जाने से इनकार कर देती। चोटियों की रिबन एक लेवल पर बंधी होनी चाहिए, शूज के लेस अगर उन्नीस-बीस भी बंधे होते, तो वह खड़े-खड़े रोने लगती। शिवानी ने बाद के दिनों में अपनी जिद पर काबू पा लिया। खासकर जब उसकी बेटी रूही हुई, तो उसे लगा कि वह भी उसी की तरह जिद्दी होगी। पर नहीं। रूही जिद्दी नहीं थी, पर अपनी मां की तरह चुप नहीं बैठती थी। तरह-तरह की कहानियां बनाने का गजब का शौक था रूही को। एक दिन अपनी टीचर से कह आई कि मेरी मां रात को परी लोक चली जाती है और सुबह लौट कर आती है। उसने टीचर से यह भी कहा कि उसके घर में एक राक्षस रहता है। टीचर ने शिवानी को बुलवाया और जब उसे रूही की कहानी के बारे में बताया, तो शिवानी चौंक गई। स्कूल के बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉक्टर सी.के. चंद्रा ने बताया कि हर बच्चा अलग होता है। यह जरूरी नहीं कि वह अपने पेरेंट्स की तरह हो। इसलिए हर बच्चे की परवरिश अलग तरह से होनी चाहिए। पेरेंटिंग का वैसे भी कोई तयशुदा फॉर्मूला नहीं होता। अगर बच्चा जिद्दी है, एग्रेसिव है, शर्मीला है या खाने से जी चुराता है, उसे समझाने के लिए आप एक तरह का रवैया नहीं अपना सकते। जरूरी बात तो यह है कि आप अपने बच्चे को वह जैसा है, वैसा ही अपनाएं। उसके मूल स्वभाव को बदलने की कोशिश ना करें। नौ साल की रंजिनी अच्छा गाती थी, पर दूसरों के सामने गाते समय वह हकलाने लगती थी। रंजिनी की मम्मी पायल चाहती थी कि उसकी बेटी संगीत के रियलिटी शो का हिस्सा बने। रंजिनी स्टेज पर पहुंच कर हकलाने लगी और जज ने उसका मजाक बना दिया। इस घटना का रंजिनी पर इतना बुरा असर पड़ा कि वह डिप्रेशन का शिकार हो गई। वह अब किसी से भी बिना हकलाए बोल नहीं पाती। डॉक्टर मधुमती कहती हैं, 'पेरेंट्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चे से करते हैं। यह गलत है। बच्चों से उस बात की अपेक्षा करिए, जो उनकी पहुंच के अंदर हो। किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव उन्हें या तो विद्रोही बना देता है या दब्बू।'

आपका बच्चा कैसे है खास?

जब पहली बार अपने मुंह से वह मां कहता है, आपकी जिंदगी बदल जाती है। आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका बच्चा कैसा दिखता है, आपके लिए वह संसार का सबसे अनमोल रत्न है। हर बच्चे की जरूरत अलग होती है। आपका बेटा दिन में सिर्फ दो बार दूध पीता है, बेटी चार बार पीती है। बेटा साइंस में कमजोर है और बेटी को भाषा संबंधी दिक्कतें ज्यादा होती हैं। उनकी जरूरतों और पसंद के हिसाब से आपको उनके भविष्य की तैयारी करनी होगी। दस साल तक के बच्चे लगभग हर बात के लिए पेरेंट्स पर निर्भर करते हैं और सबसे ज्यादा विश्वास अपने माता-पिता पर ही करते हैं।

बच्चों के साथ ये कभी ना करें

बच्चों की छोटी से छोटी समस्या की अनदेखी ना करें। हो सकता है वह आपको अपने से जुड़ी कोई बड़ी बात बताना चाह रहा हो। आपका बच्चा आपकी जिंदगी में रोशनी का काम करता है। पर आप उसका इस्तेमाल अपने स्वार्थ के लिए ना करें। आपका सपना आपका है, बच्चे का नहीं। अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाए, तो बच्चे को इसके लिए फोर्स ना करें। वह अगर बनना चाहता है, उसकी दिलचस्पी है, तो उसे आगे बढमने में मदद करें। अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए बच्चों से राजनीति ना करवाएं। बच्चे को घर में दूसरे रिश्तेदारों के खिलाफ ना भडम्काएं। वे इससे कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं और अपना संतुलन खो देते हैं। बच्चे की सीमा को जानें। उस पर सीमा से आगे बढ़ने का दबाव ना डालें। अगर आपके बच्चे को कोई तन या मन से जुड़ी समस्या है, तो उसे स्वीकार करें। बच्चे बहुत सेंसिटिव होते हैं और मां-पिता की बेचारगी भांप लेते हैं।

पांच बातें जरूर रखें याद

अगर आपका बच्चा पढ़ाई से जी चुराता है, तो निश्चित ही वह ट्यूशन जाने से भी बचेगा। सबसे पहले यह जानने की कोशिश कीजिए कि उसे पढ़ना क्यों नहीं पसंद? कहीं वह डिस्लेक्सिक या स्लो लर्नर तो नहीं? अगर नहीं, तो वह जब पढ़ने बैठे तो उसके साथ बैठें और उसे आसान शब्दों में समझाने की कोशिश करें। हो सकता है इसकी तैयारी आपको पहले से करनी पड़े। शर्मीले बच्चों को उनकी खोल से निकालने के लिए उन्हें अपने साथ किसी क्लब में या बच्चों के ग्रुप में खेलने ले जाएं। शर्मीले बच्चे धीरे रिएक्ट करते हैं। लेकिन अपना काम बखूबी करते हैं। उनको स्पेस दें और उनके काम की तारीफ करें। आप जितना समय उनके साथ बिताएंगी, वे दूसरों के साथ उतनी जल्दी सहज होते जाएंगे। हाइपर एक्टिव बच्चे को हर वक्त किसी काम में लगाएं। उनको एक दिन पहले ही दूसरे दिन के काम के बारे में बता दें। कभी बागवानी, तो कभी क्राफ्ट, कभी पेंटिंग तो कभी खेल-कूद। इन बच्चों को अगर चुपचाप घर बैठने को कहेंगी, तो ये तोड़-फोड़ मचाना शुरू कर देंगे। इनकी एनर्जी सही जगह पर लगाएं। वैसे हाइपर बच्चे जल्दी ही किसी काम से बोर भी हो जाते हैं, पर जो भी काम करते हैं, दिल से करते हैं। झूठ बोलने वाले या ज्यादा गपबाजी करने वाले बच्चे अपनी दुनिया के शहंशाह होते हैं। इनकी बातों पर बहुत ध्यान ना दें, ना ही गंभीरता से लें। अगर आप रस लेकर उनकी बातें सुनेंगी, उनकी बातों को चटखारे लेकर दूसरों को बताएंगी, तो उनकी यह आदत बढ़ती जाएगी। बात-बात पर रोने वाले या घबरा जाने वाले बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होती है। घर का माहौल अगर स्वस्थ नहीं है, कोई बीमार है, झगड़ा ज्यादा होता है या पैसे की तंगी है, तो बच्चों में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। बच्चे पर इनका असर ना पड़ने दें। बच्चे को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि उसकी स्कूल की फीस कितनी है, उसे घर और स्कूल में पढ़ाई का माहौल चाहिए। वह ऐसे लोगों के बीच रहना चाहता है, जहां वह अपने आपको सुरक्षित महसूस करता हो।

गर्भवती मां की सबसे बड़ी चिंता

भारत में लगभग 87 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं की सबसे बड़ी चिंता यह होती है कि गर्भधारण और बच्चे के जन्म के बाद वो कैसी दिखेंगी। 600 महिलाओं पर किए गए सर्वे के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। सर्वे में शामिल 76 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें कभी-कभी बहुत बुरा लगता है, क्योंकि आसपास के सभी लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान होने वाले बच्चे पर होता है, जबकि शारीरिक बदलाव और दर्द के दौर से वो गुजर रही होती है। वहीं, 93 प्रतिशत महिलाओं ने माना कि उन्हें लगता है कि उनके पति चाहते हैं कि बच्चे के जन्म के बाद उनका फिगर पहले जैसा हो जाए। 90 प्रतिशत महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चिंता प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाले स्ट्रेच मार्क्स होते हैं।

भारतीय शादी से जुड़े रीति-रिवाजों की तुलना किसी अन्य देश के रीति-रिवाजों से नहीं की जा सकती। हर दिन इस्तेमाल में आने वाली आम चीजें, शादी की रीति-रिवाजों में खास हो जाती हैं। पान, सुपारी और हल्दी जैसी चीजें कैसे बनाती हैं आपकी शादी को खास।

आपकी शादी को खास बनाती हैं ये सामग्री

खूबसूरत त्वचा के लिए हल्दी

शादी से जुड़ी सबसे आम रस्म है हल्दी लगाना। शादी से एक दिन पहले दूल्हा और दुल्हन को शादीशुदा महिलाएं हल्दी लगाती हैं। पारंपरिक रूप से हल्दी की इस विधि में दुल्हन पीले रंग का कपड़ा पहनती है। हल्दी के कार्यक्रम के बाद दूल्हा और दुल्हन को एक-दूसरे से मिलने की इजाजत नहीं होती है। हल्दी, बेसन और तेल को मिलाकर इस दिन के लिए उबटन बनाया जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होता है, वहीं बेसन त्वचा को साफ करके उसमें चमक लाता है और तेल त्वचा को जरूरी नमी प्रदान करके उसकी खूबसूरती बढ़ाता है। कई बार इस उबटन में चंदन और केसर भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की खूबसूरती और बढ़ सके।

समृद्धि का प्रतीक है चावल

भारतीय खानपान में चावल का प्रमुखता से इस्तेमाल होता है और चावल के इसी गुण के कारण उसे शुद्ध और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। शुद्धता के इस प्रतीक का इस्तेमाल हमारे यहां के समारोह और रीति-रिवाजों में बहुलता से किया जाता है। हिंदू विवाह के दौरान नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए उनके ऊपर चावल छिड़का जाता है। ऐसी मान्यता है कि चावल नकारात्मक चीजों को दूर भगाता है, इसलिए विवाह के दौरान प्रज्वलित अग्नि में दूल्हे के द्वारा चावल भी डाला जाता है। घर की देवी को भी चावल अर्पित किया जाता है। शादी के बाद विदाई के वक्त दुल्हन अपने हाथों में चावल भरकर उसे अपने सिर के पीछे की ओर फेंकती है, वहीं अपने ससुराल पहुंचकर वह चावल से भरे बरतन को अपने पैरों से गिराकर घर में प्रवेश करती है। इन दोनों रिवाजों के माध्यम से दुल्हन यह प्रार्थना करती है कि उसके मायके और साथ ही साथ उसके ससुराल में समृद्धि हमेशा बनी रहे।

पान-सुपारी भी हैं खास

हर धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ-साथ शादी से जुड़े विभिन्न विधि-विधानों का अहम हिस्सा है पान और सुपारी। कई धार्मिक रीति-रिवाजों में तो सुपारी को देवी का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं, पान का पत्ता ताजगी और समृद्धि का प्रतीक है। कई हिंदू विवाह में पान के पत्ते को दूल्हा और दुल्हन के सिर पर लगाया जाता है। दूल्हे के परिवार का स्वागत भी पान के पत्ते से किया जाता है और अमूमन शादी की हर विधि में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। वहीं, पान का पत्ता और नारियल सभी मेहमानों को धन्यवाद के प्रतीक के रूप में भी दिया जाता है।

शुद्ध नदियों का प्रतीक पानी

शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। पानी शुद्ध नदियों का प्रतीक है। इसे जिंदगी और जीवन चक्र का आधार माना जाता है। सभी धर्म और समुदाय में सफाई करने के लिए, सेहत को बेहतर बनाने के लिए, अच्छे भविष्य और समृद्धि के लिए शादी के रीति-रिवाजों में पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

इनका भी होता है इस्तेमाल

- आम, केला, नीम और तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल भी शादी के विभिन्न रीति-रिवाजों में किया जाता है। ये सभी पत्ते शुद्धता के प्रतीक हैं।
- जब दुल्हन गृह-प्रवेश करती है, उस समय गुड़ खिलाकर उसका स्वागत किया जाता है। शादी के बाद के विभिन्न रिवाजों में दही का इस्तेमाल भी होता है।
- घी को पवित्र माना जाता है और शादी के अमूमन सभी रिवाजों में घी का इस्तेमाल दीप जलाने के लिए किया जाता है।
- कई समुदायों में दुल्हन के पैर धोने के लिए दूध और नारियल पानी का इस्तेमाल किया जाता है।

बस 5 मिनट और आप तैयार

वक्त कम है। ढेर सारा काम है। पर खूबसूरत तो दिखना ही है ना! सिर्फ पांच मिनट में कैसे तैयार हों, ताकि वक्त की कमी आपकी खूबसूरती को निखारने की राह में न आए।

- पांच मिनट के भीतर आप तैयार हो सकती हैं, बशर्ते आपकी आईब्रो सही शेप में हो, आपकी त्वचा भीतर से खूबसूरत हो, आपने वैक्सिंग करवा रखी हो और आपमें किसी भी लुक को अपना बनाने का आत्मविश्वास हो। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए संतुलित और पोषक खाना खाएं और ढेर सारा पानी पिएं। वहीं अपने वॉर्डरोब में मिक्स-एंड-मैच करने वाले कपड़े रखें, ताकि कहीं बाहर जाने से पहले कपड़े तलाशने में आपको वक्त जाया न करना पड़े।
- मेकअप शुरू करने से पहले त्वचा पर प्राइमर लगाएं। प्राइमर त्वचा को नमी और पोषण देने के साथ-साथ उसे मुलायम भी बनाता है। प्राइमर को आप फाउंडेशन भी कह सकती हैं। मेकअप करने के लिए ग्लो अप प्राइमर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा की रंगत एक जैसी दिखेगी और साथ ही उसमें चमक भी आएगी। ग्लो अप प्राइमर एक्ने और अन्य दाग-धब्बों के निशान को भी छुपा देता है। आंखों के लिए नियॉन रंग के आईलाइनर का इस्तेमाल करें। सी ग्रीन, ऑरेंज और एप्पल ग्रीन रंग के आईलाइनर आजकल चलन में हैं। इसके साथ आंखों में काजल, बड़ी बिंदी और लिपस्टिक आपके पूरे लुक को कई गुना बेहतर बना देंगे।
- एक सामान्य-सी ड्रेस को एक्सेसरीज की मदद से आप बेहद खास ड्रेस में तब्दील कर सकती हैं। ए लाइन सलवार-सूट पूरी तरह से आउट ऑफ फैशन हो चुके हैं। अनारकली सूट या मिक्स एंड मैच सलवार-सूट और उसके साथ एक साधारण-सी चोटी से आपको बहुत खूबसूरत लुक मिलेगा। अगर मौका कोई खास है और आप साड़ी पहनने की सोच रही हैं तो उसके साथ कमरबंध भी पहन सकती हैं। इसके अलावा आप अपनी साड़ी को बंगाली स्टाइल में पहनकर उसके साथ चाबी के छल्ले को एक्सेसरीज के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।
- आपके पूरे लुक का एक अहम हिस्सा है, हेयर स्टाइल। पर, जरूरी नहीं है कि जो हेयरस्टाइल आपकी मम्मी पर बहुत अच्छा लग रहा है, आप पर भी अच्छा लगे। इसलिए अपनी पर्सनैलिटी और लुक को ध्यान में रखते हुए ही अपना हेयरस्टाइल चुनें। फिश टेल चोटी, ढीली पोनीटेल, फ्रेंच जूड़ा और लो जूड़ा भी आप बना सकती हैं। इसके साथ गजरा या अन्य फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल करना न भूलें।
- जंक ज्वेलरी और डायमंड ज्वेलरी का चलन अब कम हो रहा है। सोने की ज्वेलरी फिर से चलन में है। अगर आपकी ड्रेस से मैच करती कुंदन ज्वेलरी आपके पास है, तो आप उसे भी पहन सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुश्किल में फंसी सुनक की पार्टी, एक और अधिकारी पर लगा सट्टेबाजी का आरोप; ब्रिटिश पीएम बोले- मुझे अब गुस्सा आ रहा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी मुश्किल में फंस गई है। सुनक के एक अधिकारी पर सट्टेबाजी का आरोप लगा है। आरोप है कि अधिकारी ने आम चुनाव की तिथि घोषित होने से पहले ही उस पर सट्टा लगा दिया था, ब्रिटेन का जुआ नियामक इस बात की जांच कर रहा है। ब्रिटिश अखबार संडे टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के जुआ आयोग ने पहले ही दो कंजर्वेटिव चुनाव उम्मीदवारों और पार्टी के अभियान निदेशक पर 4 जुलाई के चुनाव की तिथि पर सट्टा लगाने के आरोप की जांच शुरू कर दी है। अखबार ने अधिकारी का नाम निक मेसन बताया, जो कंजर्वेटिव पार्टी में मुख्य डेटा अधिकारी है। मेसन ने आरोपों पर अभी कुछ नहीं कहा है।

अखबार ने मेसन के प्रवक्ता के हवाले से कहा कि उन्होंने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है। संडे टाइम्स ने कंजर्वेटिव पार्टी के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि मेसन ने आरोप लगने के बाद छुट्टी भी ले ली है। घोटाले को लेकर बढ़ते आरोपों ने सुनक की विपक्षी लेबर पार्टी को उनपर हमला बोलना एक नया मौका दिया है। वहीं, आम चुनाव में पहले से जनमत सर्वेक्षणों में पिछड़ रही सुनक की पार्टी को ये नया झटका लगा है। सुनक ने गुरुवार को कहा कि वह अपने पार्टी सहयोगियों के खिलाफ आरोपों के बारे में सुनकर बेहद क्रोधित हैं। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताया। वहीं, घोटाले में नामित कंजर्वेटिव उम्मीदवारों में से एक, क्रेग विलियम्स ने पहले ही इस गलती के लिए माफी मांग ली है और पार्टी के अभियान निदेशक टोनी ली ने अनुपस्थिति की छुट्टी ले ली है। दूसरी ओर सुनक के आवास मंत्री माइकल गोव ने एक अखबार को दिए साक्षात्कार में सट्टेबाजी के आरोपों की तुलना पार्टीगेट घोटाले से की।

सिंधु जल संधिः पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पनबिजली परियोनजाओं के निरीक्षण के लिए पहुंचा जम्मू

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिंधु जल संधि के तहत जम्मू-कश्मीर में दो पनबिजली परियोजनाओं का निरीक्षण करने के लिए एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल तटस्थ विशेषज्ञों के साथ रविवार शाम यहां पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। साल 1960 की संधि के विवाद निपटान तंत्र के तहत पांच साल से अधिक समय में किसी पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की यह पहली जम्मू-कश्मीर यात्रा है। भारत और पाकिस्तान ने नौ साल की बातचीत के बाद सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें विश्व बैंक भी हस्ताक्षरकर्ता के रूप में शामिल हुआ था। यह संधि सीमा के दोनों ओर की नदियों के पानी के उपयोग पर समन्वय एवं सूचनाओं के आदान प्रदान का प्रावधान करती है। अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गए थे। इससे पहले जनवरी 2019 में तीन सदस्यीय पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने आखिरी बार आइडब्लूटी के प्रावधानों के तहत पाकल दुल और लोअर कलनाई जलविद्युत परियोजनाओं का निरीक्षण किया था। अधिकारियों ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल केंद्र शासित प्रदेश में अपने प्रवास के दौरान चिनाब घाटी में किशनगंगा और रातले पनबिजली परियोजनाओं का निरीक्षण करेगा। पाकिस्तान ने 2016 में विश्व बैंक से दो जलविद्युत परियोजनाओं के बनावट की विशेषताओं पर अपनी आपत्तियों के संबंध में प्रारंभिक अनुरोध किया था, जिसमें तटस्थ विशेषज्ञ के माध्यम से समाधान की मांग की गई थी। हालांकि बाद में पाकिस्तान ने इस अनुरोध को वापस ले लिया और मध्यस्थता अदालत से इसपर निर्णय लेने की मांग की। दूसरी ओर भारत ने जोर देकर कहा कि इस मुद्दे को केवल तटस्थ विशेषज्ञ कार्यवाही के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। वार्ता विफल होने के बाद विश्व बैंक ने अक्टूबर 2022 में एक तटस्थ विशेषज्ञ और मध्यस्थता न्यायालय की नियुक्ति की। संधि को संशोधित करने के लिए एक नोटिस जारी करते हुए, भारत ने आगाह किया कि समान मुद्दों पर इस तरह के समानांतर विचार सिंधु जल संधि के किसी भी प्रावधान के अंतर्गत नहीं आते हैं। जुलाई 2023 में मध्यस्थता अदालत ने फैसला सुनाया कि वह पाकिस्तान के मध्यस्थता के अनुरोध द्वारा निर्धारित विवादों पर विचार करने और उनका निर्धारण करने में सक्षम है।

बाइडन-ट्रंप के बीच होगी पहली राष्ट्रपति बहस, गर्भपात मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति को लगेगा झटका या...

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। अमेरिकी चुनाव 2024 भी 2020 की तर्ज पर बाइडन बनाम ट्रंप लड़ा जाएगा, इसकी संभावना काफी अधिक है। देश की जनता जो बाइडन को अपना कीमती वोट देकर लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बनाएगी या फिर इस बार डोनाल्ड ट्रंप को चुनेगी, यह सब कई अहम मुद्दों पर निर्भर करेगा। इस बार के अहम मुद्दों में गर्भपात, सीमा सुरक्षा, गाजा युद्ध और गन कल्चर है। माना जा रहा है कि अमेरिका में पिछली बार हुए मध्यावधि चुनाव की तरह इस बार भी गर्भपात का मुद्दा छाया रहेगा। गुरुवार को बाइडन और ट्रंप के बीच होने वाली बहस में यह मुद्दा प्रमुखता से उठेगा। रिपब्लिकन पर मतदाताओं को अलग-थलग नहीं करने का दबाव होगा।

दरअसल, 24 जून 2022 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात के अधिकार को मिली संवैधानिक सुरक्षा खत्म कर दी थी। अदालत ने 49 साल पुराने रो वी वेड केस में दिए गए फैसले को पलट दिया था। वहीं, कुछ राज्यों ने उसी दिन से गर्भपता पर प्रतिबंध लगा दिया, जिससे क्लीनीकों को जल्दबाजी में बंद करने पर मजबूर होना पड़ा।

गर्भपात के अधिकार को गैरसंवैधानिक करार देने के बाद अमेरिकी महिलाएं रिपब्लिकन पार्टी से नाराज चल रही हैं। यही वजह है कि डेमोक्रेट इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, रिपब्लिकन इससे बचने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले चुनाव में गर्भपात का मुद्दा टॉप-10 में भी नहीं था मगर इस बार ये सबसे पहले नंबर पर है।

दो भागों में बंटा देश: पहले से ही राजनीतिक रूप से प्रभावित देश अब दो भागों में बंट गया है। एक तो वे

राज्य जिन्होंने गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया है या इस तक पहुंच को काफी सीमित कर दिया है। दूसरे वे राज्य, जिन्होंने गर्भपात कराने के महिला के अधिकार के लिए नए संरक्षण उपाय अपनाए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से पूरे देश में राजनीतिक हलचल मच गई तथा इसके दुष्परिणाम भी हुए। इस निर्णय के बाद से कंजर्वेटिव गर्भपात तक पहुंच के मुद्दे पर लगभग हर जनमत संग्रह या मतदान हार चुका है। इनमें से कुछ हार उन राज्यों में हुई जो हाल ही में पूरी तरह दक्षिणपंथी हो गए हैं, जैसे कि ओहियो, अलबामा और कंसास।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय डेविस लॉ स्कूल की प्रोफेसर मैरी जिग्लर ने कहा, रो के फैसला पलटने के बाद से गर्भपात अधिकार को लेकर आंदोलन चलाया जा रहा है। गर्भपात अधिकार आंदोलन ने पाया कि अमेरिकियों को गर्भपात के अधिकारों के बारे में अधिक परवाह है, जितना कि अनुमान लगाया जा सकता है।

उन्होंने बताया, वोट पाने के लिए डेमोक्रेट्स इस मौके का पूरा फायदा उठा रहे हैं। उन्हें महिलाओं और युवा मतदाताओं से महत्वपूर्ण समर्थन मिलने की उम्मीद है।

उपराष्ट्रपति भी उतरीं समर्थकों को एकजुट करने: बाइडन एक कैथोलिक हैं। वह लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर परेशान थे। अब वे गर्भपात के अधिकारों के समर्थक बन गए हैं और उन्होंने इसे अपने पुनर्निर्वाचन अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया है तथा कई परिवार नियोजन संगठनों का समर्थन भी प्राप्त किया है।

वहीं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अपनी पार्टी के समर्थकों को एकजुट करने के लिए महीनों तक देश भर में घूमी हैं। 59 वर्षीय हैरिस मार्च में मिनेसोटा में गर्भपात करने वाले क्लिनिक का दौरा करने वाली पहली उपराष्ट्रपति बनीं। सोमवार को वह एरिजोना में एक कार्यक्रम करेगी। बता दें, नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में एरिजोना एक महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। यहां सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद गर्भपात पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। डेमोक्रेटिक गवर्नर केटी हॉब्स ने बाद में 1864 के कानून को निरस्त करने पर हस्ताक्षर किए थे।

देश भर में डेमोक्रेट ने प्रमुख राज्यों में गर्भपात पर जनमत संग्रह के संगठन को भी प्रोत्साहित किया है, ताकि वे राष्ट्रपति पद के लिए वोट पा पाएं। उम्मीद है कि मतदाता वोट करने के लिए प्रेरित होंगे।

जानबूझकर स्पष्ट नहीं बोल रहे ट्रंप

फॉक्स न्यूज पोल के अनुसार, 47 प्रतिशत मतदाता बाइडन और ट्रंप के बीच निर्णय लेने में गर्भपात के मुद्दे को बेहद महत्वपूर्ण मानते हैं। संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवार, जो अक्सर उल्लेख करते हैं कि उन्होंने तीन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को नामित किया था जिन्होंने रो बनाम वेड को पलटने में मदद की थी, हाल ही में गर्भपात के मुद्दे पर बोलने से बचे हैं। अप्रैल की शुरुआत में एक वीडियो संदेश में ट्रंप ने कहा था, आपको इस मुद्दे पर अपने दिल की बात माननी चाहिए, लेकिन याद रखें, आपको चुनाव भी जीतना चाहिए। धार्मिक अधिकार के मांग करने के बाद भी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय कानून के साथ गर्भपात को अवैध बनाने के किसी भी वादे पर अभियान नहीं चलाया है। मैरी जिग्लर ने ट्रंप की कदम को सही बताते हुए कहा कि अगर आपकी लोकप्रियता कम हो रही है तो सबसे अच्छा है कि आप मुद्दे पर अपनी स्थिति को स्पष्ट न करें।

भीषण गर्मी ही नहीं और भी है हज यात्रियों की मौत की वजह

काहिरा एजेंसी। सऊदी अरब में इस साल भीषण गर्मी कहर बनकर आई है। इस बार हज यात्रा करने पहुंचे 1300 से अधिक लोगों की इस चिलचिलाती गर्मी के कारण मौत हो चुकी है। हर दिन मौत का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है।

सऊदी अरब के स्वास्थ्य मंत्री फहद बिन अब्दुर्रहमान अल-जलाजेल ने कहा कि 1301 मौतों में से 83 फीसद बिना पंजीकृत के आए तीर्थयात्री थे, जो पवित्र शहर मक्का और उसके आसपास हज की रस्में निभाने के लिए भीषण गर्मी में लंबी दूरी तय करते थे। राज्य के स्वामित्व वाले अल एखबरिया टीवी से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि 95 तीर्थयात्रियों का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है, जिनमें से कुछ को राजधानी रियाद में इलाज के लिए हवाई मार्ग से ले जाया गया था। उन्होंने कहा कि पहचान प्रक्रिया में देरी हुई, क्योंकि उनमें से कई मृत तीर्थयात्रियों के पास पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं थे। मंत्री ने आगे कहा कि मृतकों को मक्का में दफनाया गया, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी।

मृतकों में 660 से अधिक मिस्र के लोग शामिल हैं। काहिरा में दो अधिकारियों के अनुसार, उनमें से 31 को छोड़कर बाकी सभी अनधिकृत तीर्थयात्री थे। मिस्र ने 16 ट्रैवल एजेंसियों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं, जिन्होंने अनधिकृत तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब की यात्रा करने में मदद की थी। नाम न बताने की शर्त पर बात करने वाले अधिकारियों ने कहा कि ज़्यादातर मृतकों की रिपोर्ट मक्का के अल-मुआइसम पड़ोस में आपातकालीन परिसर में की गई थी। मिस्र ने इस साल 50,000 से ज्यादा अधिकृत तीर्थयात्रियों को सऊदी अरब भेजा।

कनाडा में भारतीय मिशन ने कनिष्क बम विस्फोट की 39वीं बरसी मनाई, उच्चायुक्त ने दी श्रद्धांजलि

ओटावा , एजेंसी। कनाडा की राजधानी ओटावा और टोरंटो शहर में भारतीय मिशन ने रविवार को 1985 में हुए कनिष्क बम विस्फोट की 39वीं बरसी मनाई। इस घटना में एअर इंडिया के विमान में सवार 86 बच्चों समेत 329 लोगों की मौत हो गई थी।

उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, 'दुनिया में किसी भी देश की सरकार को राजनीतिक लाभ के लिए अपने क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खतरे को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मानव जीवन राजनीतिक हितों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। इससे पहले कि आतंकी गतिविधियां बड़े पैमाने पर मानवता को नुकसान पहुंचाना शुरू करें, आतंकके खिलाफ कानूनी व सामाजिक कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकारों, सुरक्षा एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को आतंकवादी नेटवर्क को नष्ट करने, उनके वित्तपोषण को रोकने और उनकी विकृत विचारधाराओं का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

इससे पहले, टोरंटो में स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, महावाणिज्य दूत सिद्धार्थ नाथ ने 39 साल पहले इसी दिन एआई 182 में हुए बम विस्फोट में जान गंवाने वाले 329 लोगों की याद में एअर इंडिया 182 स्मारक, हंबर पार्क, एटोबिकोक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

वर्ष 1985 का कनिष्क बम विस्फोट इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में शुमार : जयशंकरः विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि 1985 में 'कनिष्क' विमान पर हुआ हमला इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक है। बम विस्फोट की घटना के 39 साल पूरे होने पर उनकी यह टिप्पणी कनाडा की धरती से खालिस्तानी चरमपंथियों की बढ़ती गतिविधियों के कारण भारत और कनाडा के बीच संबंधों में तनाव के बीच आई।

जयशंकर ने एक्स' पर कहा, आज इतिहास में आतंकवाद के सबसे बुरे कृत्यों में से एक के 39 साल पूरे हो गए। मैं एआई-182 'कनिष्क' के 329 पीड़ितों की स्मृति में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जो 1985 में इसी दिन मारे गए थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं।'' वहीं, कनिष्क बम विस्फोट के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर लिखा, 23 जून 1985 को हुआ यह कायरतापूर्ण बम विस्फोट भारत के खिलाफ किए गए सबसे निंदनीय आतंकी कृत्यों में से एक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के चरमपंथ से प्रेरित कृत्यों के लिए एक समझदार और सभ्य दुनिया में कोई स्थान नहीं है। मॉन्ट्रियल-नयी दिल्ली एअर इंडिया 'कनिष्क' उड़ान संख्या-182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे।

माना जाता है कि साल 1984 में स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए चलाए गए ऑपरेशन ब्लूस्टार के जवाब में सिख आतंकवादियों ने कनिष्क बम विस्फोट को अंजाम दिया था।

बिना गोली चलाए ताइवान पर कब्जा कर लेगा चीन, थिंक टैंक का चौंकाने वाला खुलासा

सामने आया ड्रैगन का नया प्लान

वॉशिंगटन , एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच लंबे समय से तनाव जारी है। अब खबर आ रही है कि चीन बिना किसी सैन्य कार्रवाई के ताइवान को अपने कब्जे में ले सकता है। अमेरिकी थिंक टैंक की तरफ से ये जानकारी सामने आई है।

थिंक टैंक का कहना है कि चीन की सेना ताइवान को अलग-थलग कर सकती है, उसकी अर्थव्यवस्था को पंगु बना सकती है और लोकतांत्रिक द्वीप को बिना गोली चलाए बीजिंग की कम्युनिस्ट पार्टी के सामने झुकने के लिए मजबूर कर सकती है।

पिछले कुछ सालों से चीनी नेता शी जिनपिंग के ताइवान के प्रति बढ़ते आक्रामक रुख के कारण यह डर बढ़ गया है। ऐसे में बलपूर्वक ताइवान पर नियंत्रण करने के कम्युनिस्ट पार्टी के इरादों के बारे में चिंताएं तेज हो गई हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करने से चीन के इनकार ने इन आशंकाओं को और बढ़ा दिया है।

सैन्य नाकाबंदी शुरू करेगा चीन!: विश्लेषकों और सैन्य रणनीतिकारों ने कहा कि चीन के लिए दो प्रमुख विकल्प उपलब्ध हैं, पहले पूर्ण पैमाने पर आक्रमण और दूसरा सैन्य नाकाबंदी।

हालांकि, वाशिंगटन में सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस)ने पहले और दूसरे के अलावा चीन के तीसरे और सबसे खतरनाक विकल्प ग्रे जोन रणनीति की तरफ भी इशारा किया है।

इसके तहत चीन तट रक्षक इससे समुद्री मिलिशिया और समुद्री सुरक्षा एजेंसियां ताइवान पर नाकाबंदी कर सकती हैं। इसके बाद से ताइवान के लगभग 23 मिलियन लोगों तक ऊर्जा जैसी महत्वपूर्ण आपूर्ति को पहुंचने से रोक दिया जाएगा। सितंबर 2020 से, चीन ने ताइवान के क्षेत्र के पास संचालित होने वाले सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में बढ़ोतरी करके ग्रे जोन रणनीति का इस्तेमाल तेज कर दिया है।

वहीं चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून ने ताइवान के साथ चीन के युद्द को रोकने की कोशिश की थी। अब उन्होंने ताइवान स्वतंत्रता अलगाववादियों को प्रोत्साहित करने के लिए बाहरी ताकतों को चेतावनी दी और कहा कि ये दुर्भावनापूर्ण इरादे ताइवान को खतरनाक स्थिति में खींच रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि जो कोई भी ताइवान को चीन से अलग करने की हिम्मत करेगा, वह आत्म-विनाश में फंस जाएगा।

इटली के कैपरी द्वीप में पर्यटकों पर लगा बैन हटाया

कैपरी , एजेंसी। इटली के द्वीप कैपरी में पिछले कुछ समय से पानी की समस्या चल रही थी, अब ये समस्या हल हो गई है। इसके बाद कैपरी के मेयर पाओलो फाल्को ने पर्यटकों पर लगे बैन को हटाने का फैसला लिया है। पाओलो फाल्को ने कहा कि पानी के आगमन को रोकने वाली तकनीकी समस्या का समाधान होने के बाद प्रतिबंध को हटा दिया गया है। बता दें कि कैपरी में ये प्रतिबंध शनिवार को लगाया गया था, जिस वजह से दक्षिणी इटली में नेपल्स और सोरेंटो से द्वीप की ओर जाने वाली कई सुबह की नौकाओं को बंदरगाह पर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था।

पर्यटकों पर लगे बैन पर सफाई देते हुए पाओलो फाल्को ने कहा, कैपरी में रोजाना आने वाले हजारों पर्यटकों के आने से आपात स्थिति और खराब हो जाएगी। साथ ही जिन लोगों पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया था, उन स्थानीय लोगों को एक आपूर्ति टैंकर से प्रति घर 25 लीटर (6.6 गैलन) पीने का पानी इकट्ठा करने की अनुमति दी गई थी। पाओलो फाल्को ने इमरजेंसी की भी चेतावनी दी थी और कहा था शुक्रवार को द्वीप के अधिकांश हिस्से में अभी भी पानी था, लेकिन शनिवार की सुबह स्थानीय टैंक खत्म हो रहे थे।

13000 लोग करते हैं निवासः जानकारी के लिए बता दें कि कैपरी नेपल्स की खाड़ी में, अपने व्हाइट विला, कोव-स्टडेड समुद्र तट और महंगे होटलों के लिए प्रसिद्ध है। इसमें लगभग 13,000 स्थायी निवासी हैं, और गर्मियों के महीनों में बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं।

दागेस्तान-माखचकाला में आतंकी हमला; 15 पुलिसकर्मियों समेत कई नागरिकों की मौत, छह हमलावर भी ढेर

दागेस्तान (रूस) , एजेंसी। रूस के दक्षिणी प्रांत-दागेस्तान में ईसाईयों और यहूदियों के धर्मस्थल (सिनेगॉग) पर अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी किए जाने की खबर है। गोलीबारी दागेस्तान के डर्बेंट शहर में हुई है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एपी के हवाले से बताया कि दागेस्तान के गवर्नर ने बताया कि बंदूकधारियों के हमलों में 15 से अधिक पुलिसकर्मियों और कई नागरिकों की हत्या कर दी गई है।वहीं, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में छह आतंकियों को मार गिराया है। हमले में 20 से अधिक लोगों के घायल होने की भी खबर है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस के दागेस्तान में रविवार को आतंकियों ने दो चर्च, एक सिनेगॉग (यहूदी मंदिर) और एक पुलिस पोस्ट पर हमला किया। क्षेत्र में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को शोक दिवस मनाया जाएगा।

दागेस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने कैस्पियन सागर पर स्थित डर्बेंट शहर में एक सिनेगॉग और एक चर्च पर गोलीबारी की। इससे दोनों जगह आग लग गई। लगभग उसी समय, माखचकाला में एक चर्च और एक यातायात पुलिस चौकी पर हमले की खबरें सामने आईं।

इतने हमलावर मार गिराए: अधिकारियों ने क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया और पांच हमलावरों को मार गिराया। हालांकि, गवर्नर का कहना है कि छह बंदूकधारियों को मार गिराया है। फिलहाल, इसकी स्पष्ट पुष्टि नहीं हो सकी है।

सुरक्षाबलों ने हमलावरों को मार गिराया: हमलों की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। अधिकारियों ने एक आतंकवादी अधिनियम के आरोप में एक आपराधिक जांच शुरू की। इससे पहले देर रात आई विदेशी मीडिया की शुरुआती खबर में इसे आतंकी हमला बताया गया। फायरिंग में चर्च के पादरी और पुलिसकर्मी समेत सात लोगों की मौत की खबर आई थी। अब मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 15 हो चुका है। वहीं, हमलावरों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के दौरान रूस के सुरक्षाबलों ने कई हमलावरों को मार गिराया।

एक को हिरासत में लियाः रूस की सरकारी समाचार एजेंसी ने कानून प्रवर्तन सूत्रों के हवाले से बताया कि दागेस्तानी के एक अधिकारी को हमलों में उनके बेटों की संलिप्तता को लेकर हिरासत में लिया गया है। मेलिकोव ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति कानून प्रवर्तन और स्थानीय अधिकारियों के नियंत्रण में है। उन्होंने कसम खाई कि हमलों की जांच तब तक जारी रहेगी जब तक कि आतंकवादियों का पता नहीं चल जाता। उन्होंने बिना सबूत दिए दावा किया कि हमलों की तैयारी विदेश से की गई हो सकती है।

छह अधिकारियों और पादरी की मौतः इससे पहले हमले के बारे में दागेस्तान लोक निगरानी आयोग के शमील खदुलेव ने बताया था कि चर्च पर हमले में पादरी और छह अधिकारियों की मौत हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक डेरबेंट के चर्च में मारे गए पादरी की पहचान 66 वर्षीय फादर निकोले के रूप में हुई है। आतंकियों ने गला रेतकर इनकी नृशंस हत्या कर दी। चर्च की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मी की हत्या गोलीमार की गई। गार्ड के पास केवल एक पिस्तौल थी।

माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर आतंकी हमलाः खबर के मुताबिक आतंकी हमले के बाद यहूदियों के धर्मस्थल की एक मंजिल पर बनी खिड़कियों से आग की बड़ी-बड़ी लपटें निकलती देखी गईं। धुएं का गुबार भी देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को तीन जगहों पर हमले किए गए। माखचकाला शहर में पुलिस यातायात स्टॉप पर हमले की खबरें मिली हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि हमलों में 12 कानून प्रवर्तन अधिकारी घायल भी हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक तीनों जगहों पर हमले के तरीके और समय को देखते हुए ऐसा लगता है कि हमलावरों ने संगठित तरीके से हमले किए।

मेजबान टीमें टी20 विश्व कप से बाहर, ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में द. अफ्रीका और इंग्लैंड

नार्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी। टी20 विश्व कप कप 2024 में सुपर-8 के ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों का नाम तय हो चुका है। ग्रुप-2 में दक्षिण अफ्रीका ने छह अंकों के साथ पहले स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया, जबकि इंग्लैंड की टीम चार अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। बारिश से बाधित मैच में सोमवार को एंटीगा में दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टक्कर हुई। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। टूर्नामेंट की सह मेजबान वेस्टइंडीज ने अफ्रीकी टीम के सामने 136 रन का लक्ष्य रखा। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन रोस्टन चेज (52 रन) ने बनाए। इससे पहले काइल मेयर्स ने 35 रन की अहम पारी खेली थी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से तबरेज शम्सी ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बारिश की वजह से डकवर्थ लुईस नियम के तहत तीन ओवर्स कम कर दिए गए थे। फिर दक्षिण अफ्रीका को 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में शुरुआती झटकों से उबरते हुए अफ्रीकी टीम ने 16.1 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए, लेकिन मार्को यानसन ने सबसे अहम नाबाद 21 रन की पारी खेली। इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की और वेस्टइंडीज को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज ने गेंद और बल्ले से दोहरा प्रदर्शन किया, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने 52 रन बनाए और 3 विकेट झटके। दक्षिण अफ्रीका ने 10 वर्षों में पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इससे पहले इंग्लैंड, अमेरिका को हराते हुए ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी थी।

सेमीफाइनल में पहुंचकर बोले मार्कराम-

गेंदबाजों को दिया जीत का श्रेय

नॉर्थ साउंड (एंटीगा), एजेंसी। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने से राहत महसूस कर रहे दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्कराम ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लक्ष्य को जल्दी हासिल करने की हड़बड़ी दिखायी जिससे यह मुकाबला काफी करीबी हो गया। दक्षिण अफ्रीका ने दो बार की चैंपियन टीम को आठ विकेट पर 135 रन रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते समय जब टीम ने 15 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे तब बारिश के कारण एक घंटे तक खेल रूका रहा। दक्षिण अफ्रीका को इसके बाद डकवर्थ लुईस प्रणाली से जीत के लिए 17 ओवर में 123 रन का लक्ष्य मिला। टीम ने सात विकेट गंवाकर आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल किया। मार्कराम ने मैच के बाद कहा, 'सेमीफाइनल में पहुंचने से काफी राहत मिली। हम हालांकि इस जीत के बाद भावनाओं पर काबू रखना चाहते है। हम बल्लेबाजी करते समय और अधिक सतर्कता बरतना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, 'बारिश के ब्रेक के बाद पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो गई थी। हम मैच को जल्दी खत्म करना चाहते थे लेकिन साझेदारियां नहीं बना पाए। जल्दबाजी दिखाने से टीम मुश्किल में पड़ गई थी। हमारे लिए यह (सेमीफाइनल में पहुंचना) बड़ी सफलता है और टीम ड्रेसिंग रूम में माहौल शानदार

है। मार्कराम ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को देते हुए बल्लेबाजों से अधिक जिम्मेदारी लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'हमने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, परिस्थितियों का आकलन किया और उन्हें सामान्य से कम स्कोर पर रखा। हम बारिश के बाद साझेदारी बना सकते थे और फिर उसे आगे बढ़ा सकते थे, हम उससे सीख लेंगे और उम्मीद है कि दोबारा यह गलती नहीं करेंगे। इस हार के साथ ही वेस्टइंडीज के लिए तीसरा खिताब जीतने की उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं, लेकिन कप्तान रोवमैन पॉवेल को पिछले एक साल में टीम की प्रगति पर बेहद गर्व है। पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद, ऐसा लग रहा था कि वेस्टइंडीज क्रिकेट अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। पॉवेल की कप्तानी में टीम ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और आईसीसी टी20 रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। पॉवेल ने कहा, 'जब आप बड़े पैमाने पर देखते हैं, तो हमने विश्व कप या सेमीफाइनल नहीं जीता है, लेकिन अगर आप पिछले 15 महीनों में खेले गए क्रिकेट को देखें तो रैंकिंग में नौवें स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंचना सराहनीय प्रयास है। उन्होंने कहा, 'वेस्टइंडीज क्रिकेट को लेकर कैरेबियाई देशों में काफी चर्चा है और अब खेल में सुधार करने का काम यहीं से शुरू होगा। एक समूह के रूप में मिलकर काम करना जारी रखें और कैरेबियाई लोगों को गौरवान्वित करें। जब हम राष्ट्रगान सुनते हैं, तो खिलाड़ी के रूप में हमें कुछ महसूस होता है. उन्होंने कम स्कोर के बावजूद मैच को आखिरी ओवर तक खींचने के लिए गेंदबाजों की तारीफ की। पॉवेल ने कहा, 'खिलाड़ियों को इसका श्रेय मिलना चाहिए कि उन्होंने आखिरी ओवर तक संघर्ष किया। बल्लेबाजी इकाई के लिए यह ऐसा प्रदर्शन है जिसे आप भूलना चाहेंगे। हमने बीच के ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। मैच की शुरुआत में यह आसान विकेट नहीं था।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

लुसाने, एजेंसी। एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच में बेल्जियम के खिलाफ ग्रेट ब्रिटेन की हार के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2023/24 सीज़न की शुरुआत में, इस आयोजन में एक नया प्रोत्साहन जोड़ा गया, जिसमें खिताब विजेता आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए सीधे योग्यता अर्जित करेंगे। नियमों के

अनुसार, बेल्जियम या नीदरलैंड पुरुष या महिला दोनों में से किसी एक का खिताब जीतते हैं, तो उनके पीछे सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली टीम को सीधे प्रवेश मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया, जो वर्तमान में 34 अंकों के साथ पुरुष तालिका में पहले स्थान पर है, पहले ही अपने 16 मैच पूरे कर चुका है। ग्रेट ब्रिटेन के आज अंक गिरने से, अब वे अधिकतम 31 अंक प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे खिताब की दौड़ से बाहर हो गए हैं।

जबकि नीदरलैंड, अपने सीज़न में 4 मैच शेष रहते हुए, वर्तमान में 26 अंकों पर है, खिताब की तलाश में बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया को अब खिताब विजेता के रूप में या नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहने की गारंटी है, दोनों उदाहरणों से उन्हें एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 में स्थान की गारंटी मिलती है।

हम काफी कुछ सीखकर जा रहे हैं : कोरी एंडरसन

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), एजेंसी। अमेरिका का टी20 विश्व कप में स्वर्णिम अभियान भले ही सुपर 8 में थम गया लेकिन उसके बल्लेबाज कोरी एंडरसन ने कहा कि उनकी टीम को इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला। अमेरिका ने टूर्नामेंट के पहले दौर में पाकिस्तान को हराया था तथा भारत के सामने भी कड़ी चुनौती पेश की थी लेकिन सुपर 8 चरण में उसे दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। एंडरसन ने रविवार को इंग्लैंड के हाथों मिली 10 विकेट से हार के बाद कहा, 'आसमान की भी एक सीमा होती है। पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी क्रिकेट को लेकर चर्चा चल रही थी। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में हम प्रगति करते रहेंगे। एंडरसन मूल रूप से न्यूजीलैंड के रहने वाले हैं जिसके लिए उन्होंने 93 मैच भी खेले। बाद में अमेरिका में बसने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि टीम में अभी काफी सुधार की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'कई ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं जिनमें सुधार करने की जरूरत है। हम अभी आईसीसी के एसोसिएट देशों में शामिल है और बड़ी टीमों में शामिल होने के लिए प्रयास कर रहे हैं। सुपर 8 में जगह बनाना निश्चित तौर पर अमेरिका के लिए ऐतिहासिक है। एंडरसन ने कहा, 'हमें इन बड़ी टीमों के खिलाफ अक्सर खेलने का मौका नहीं मिलता। इसलिए इन टीमों के खिलाफ हमें जितना भी खेलने को मिला वह हमारे लिए काफी मायने रखता है। हमारी टीम अभी शुरुआत कर रही है लेकिन हमें इस टूर्नामेंट से काफी कुछ सीखने को मिला।

हॉकी ने जो कुछ भी दिया, उसके लिए आभारी हूं: माधुरी किंडो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर माधुरी किंडो को हाल ही में जूनियर टीम से प्रमोट किया गया है। अपने इस शानदार सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हॉकी ने जो कुछ भी उन्हें दिया, वो उसके लिए सदैव आभारी रहेंगी। माधुरी ओडिशा के बीरमित्रपुर के एक साधारण किसान परिवार से हैं, जो राउरकेला के राजसी बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम से एक घंटे की दूरी पर है। माधुरी ने अपने जीवन में हॉकी के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि बीरमित्रपुर में हमारे पास बिना कंक्रीट की छत वाले दो घर थे और परिवार में केवल मेरे भाई मनोज ही कमाते थे।

उन्होंने नए घर के निर्माण का सारा खर्च उठाया और पश्चिमी रेलवे से नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बाद, मैं आखिरकार उनकी आर्थिक मदद करने में सक्षम हुई।

अपने भाई की मदद करना काफी अच्छा एहसास था। मैं हॉकी की आभारी हूं, जिसने मुझे हर चीज में मदद की। माधुरी अपने भाई मनोज किंडो के हॉकी कौशल से काफी प्रभावित थी। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए, माधुरी ने हॉकी स्टिक उठाई और 2012 में पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल में शामिल हो गईं। माधुरी शुरू में एक डिफेंडर के रूप में शामिल हुईं, लेकिन अपने एथलेटिक कौशल के कारण गोलकीपर बन गईं।

ओडिशा से राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कई बार भाग लेने के बाद, माधुरी को 2021 में भारतीय जूनियर टीम में शामिल किया गया। जापान में जूनियर महिला एशिया कप 2023 में उनका शानदार प्रदर्शन उनके लिए टर्निंग पॉइंट था, जहां टीम ने स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्हें मुंबई में पश्चिमी रेलवे से नौकरी का प्रस्ताव मिला। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड हॉकी टीम में जगह पक्की करने के अलावा, माधुरी ने इस साल अप्रैल में साई बेंगलुरु में एक शिविर के बाद भारतीय टीम में भी कदम रखा। हालांकि उन्हें अभी सीनियर में डेब्यू करना बाकी है, लेकिन माधुरी अपनी आदर्श सविता के साथ प्रशिक्षण के अवसर का पूरा लुत्फ उठा रही हैं। उन्होंने कहा, जूनियर और सीनियर टीमों के बीच का अंतर इतना बड़ा नहीं है क्योंकि मेरी टीम में सविता, बिचू देवी खारीबाम और बंसरी सोलंकी जैसे सीनियर खिलाड़ी हैं जो मेरे खेल में मेरी मदद करते हैं। उन्हें हर दिन गहन प्रशिक्षण करते हुए देखने से मुझे उच्चतम स्तर पर खेल के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने में मदद मिली है। मेरे पास सुधार की बहुत गुंजाइश है। मैं टीम में अपने लिए जगह बनाने का प्रयास कर रही हूं। मैं अपनी कमजोरियों पर काम कर रही हूं ताकि मैं भविष्य में टीम को जीतने में मदद कर सकूं। मैं दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं।

एशियन चैंपियनशिप में रोहतक की मुस्कान व दिपांशी ने अंडर-17 मुकाबलों में जीता स्वर्ण, परिवार में जश्न

रोहतक, एजेंसी। दोनों पहलवानों के शानदार प्रदर्शन से अखाड़े की सभी पहलवानों को प्रेरणा मिलती है। स्वर्ण पदक जीतने पर पहलवानों के परिवार व अखाड़े में खुशी का माहौल है। मंगलवार को घर लौटने

पर दोनों पहलवानों का जोरदार स्वागत किया जाएगा। एशियन चैंपियनशिप में पहले अंडर-17 व बाद में अंडर-19 के मुकाबले होंगे। ये चैंपियनशिप जार्डन में 22 से 30 जून तक हो रही है। कोच मंदीप ने बताया कि जार्डन में आयोजित कुश्ती एशियन चैंपियनशिप में गांव रिठाल निवासी दीपांशी 46 किलोग्राम भार वर्ग व गांव अस्थल बोहर निवासी मुस्कान 53 किलोग्राम भार वर्ग में दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों पहलवानों के शानदार प्रदर्शन से अखाड़े की सभी पहलवानों को प्रेरणा मिलती है।

मंधाना ने रचा इतिहास

- **शतक की हैट्रिक लगाने से चूकी स्मृति मंधाना, 3 मैचों में बनाए 343 रन**

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में साऊथ अफ्रीका महिला टीम के खिलाफ तीसरे वनडे में लगातार तीसरा शतक लगाने से चूक गई। स्मृति ने सीरीज के पहले दो मैचों में 117 और 136 रन बनाए थे। रविवार को तीसरे वनडे में 216 रनों का पीछा करते हुए स्मृति ने अपनी टीम को मजबूत शुरूआत दी। वह 31वें ओवर में 90 रन बनाकर आऊट हुई और अपने शतक से चूक गईं। स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से यह रन बनाए। तीन वनडे मैचों की सीरीज में इसी के साथ स्मृति के 343 रन हो गए हैं। वह 3 मैचों की वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं।

पहले ही मिताली का रिकॉर्ड कर चुकी हैं बराबर- स्मृति मंधाना ने इस सीरीज में दो शतक लगाए जिसके चलते उन्होंने अपने वनडे करियर में 7 शतक पूरे किए। भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड इससे पहले मिताली राज के नाम पर था। अब इसे स्मृति ने बराबर कर लिया है। महिला वनडे में सबसे ज्यादा 15 शतक लगाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग के नाम पर हैं जिन्होंने 103 मैचों में ही 15 शतक लगाए हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम 13 शतक हैं। इंगलैंड की नेट साइवर ब्रंट, श्रीलंका की अथापथ्थु, इंगलैंड की टिम ब्यूमोंट और एडवर्ड 9-9 शतक लगा चुकी हैं। अब स्मृति से आगे इंगलैंड की एस टेलर, न्यूजीलैंड की सोफिया डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की के रॉल्टन हैं जोकि 8-8 शतक लगा चुकी हैं।

अभिषेक, रियान, मयंक की होगी भारतीय टीम में एंट्री, आगामी टी20 सीरीज में मिस सकता है मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। युवा ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा, रियान पराग तथा तेज गेंदबाज मयंक यादव को जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किए जाने की संभावना है। आईसीसी टी20 विश्व कप के समापन के बाद भारत पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा करेगा। यह सीरीज 6 जुलाई से शुरू होगी और 14 जुलाई तक चलेगी। सभी मैच हरारे में खेले जाएंगे।

सूत्रों ने बताया कि इस सीरीज में कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा। अभिषेक और रियान ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने बेहतरीन बल्लेबाजी प्रदर्शन से धमाल मचाया। अभिषेक 16 मैचों में 32.26 की औसत और 204.31 की स्ट्राइक रेट से तीन अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाकर 10वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 75* रहा। अभिषेक ने सीजन में 42 छक्के लगाए और ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड के साथ सनराइजर्स हैदराबाद के लिए शानदार ओपनिंग साझेदारी की। वह एक उपयोगी स्पिन गेंदबाज भी हैं।

रियान एक और ऑलराउंडर हैं जो ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं और स्पिन के कुछ महत्वपूर्ण ओवर कर सकते हैं। कई वर्षों तक निचले क्रम में खराब प्रदर्शन के बाद राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन ने रियान को चौथे नंबर पर अपग्रेड किया और उन्होंने 16 मैचों में 52.09 की औसत, 149 से अधिक की स्ट्राइक रेट और चार अर्धशतकों के साथ 573 रन बनाकर उन्हें इसका बदला चुकाया। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84* रहा। उनकी लगातार बल्लेबाजी आरआर के प्लेऑफ में पहुंचने के पीछे प्रमुख कारणों में से एक थी। मयंक ने चार मैचों में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का प्रतिनिधित्व किया जिसमें 12.14 की औसत और 6.98 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए, जिसमें 3/14 का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा रहा।

आईओए ने पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा

पेंशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने रविवार को कहा कि देश का यह शीर्ष खेल निकाय सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजना लाने योजना तैयारी की है। उषा ने आईओए की कार्यकारी समिति को सिफारिशें प्रस्तावित की हैं जिन पर जल्द ही चर्चा होगी।

उषा को यह विचार भारतीय तीरंदाज लिंबा राम की दुर्दशा को देखने के बाद आया। प्रस्ताव के मुताबिक आईओए इन सभी खर्चों को पूरी तरह से अपने खजाने से वहन करेगा। उषा ने यहां अपने आवास पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर महान भारतीय खिलाड़ी गुरबचन सिंह रंधावा को सम्मानित करते हुए कहा, आईओए कई एथलीट-केंद्रित कदम उठा रहा है और इनमें से हमारे सभी पूर्व-ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा और पेंशन शामिल है।

उषा ने कहा, हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति सदस्यों को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व ओलंपियनों के लिए आईओए की ओर से एक छोटी सी मदद है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों के योगदान की सराहना करना चाहते हैं।

रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की घटना के बाद एक्शन में EFA, यूरो मुकाबलों की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी

फ्रैंकफर्ट, एजेंसी। पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान शनिवार को चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गए थे। मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की।

यूरोपीय चैम्पियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर किनारे पर सुरक्षा बढ़ायी जाएगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी। यूएफा (श्वस्न्न) ने रविवार को कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जायेंगे। हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यूएफा ने कहा, पिच पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण उसे स्टेडियम से बाहर कर दिया जाएगा। साथ ही उसे टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज की जाएगी।